मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	24.6
जमशेदपुर	35.5	25.8
डालटनगंज	33.8	23.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● सोमवार, 09 अक्टूबर 2023 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 174

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

नेक इरादा निभा रहे वादा

सिंचाई की सुविधा से समृद्ध होंगे किसान

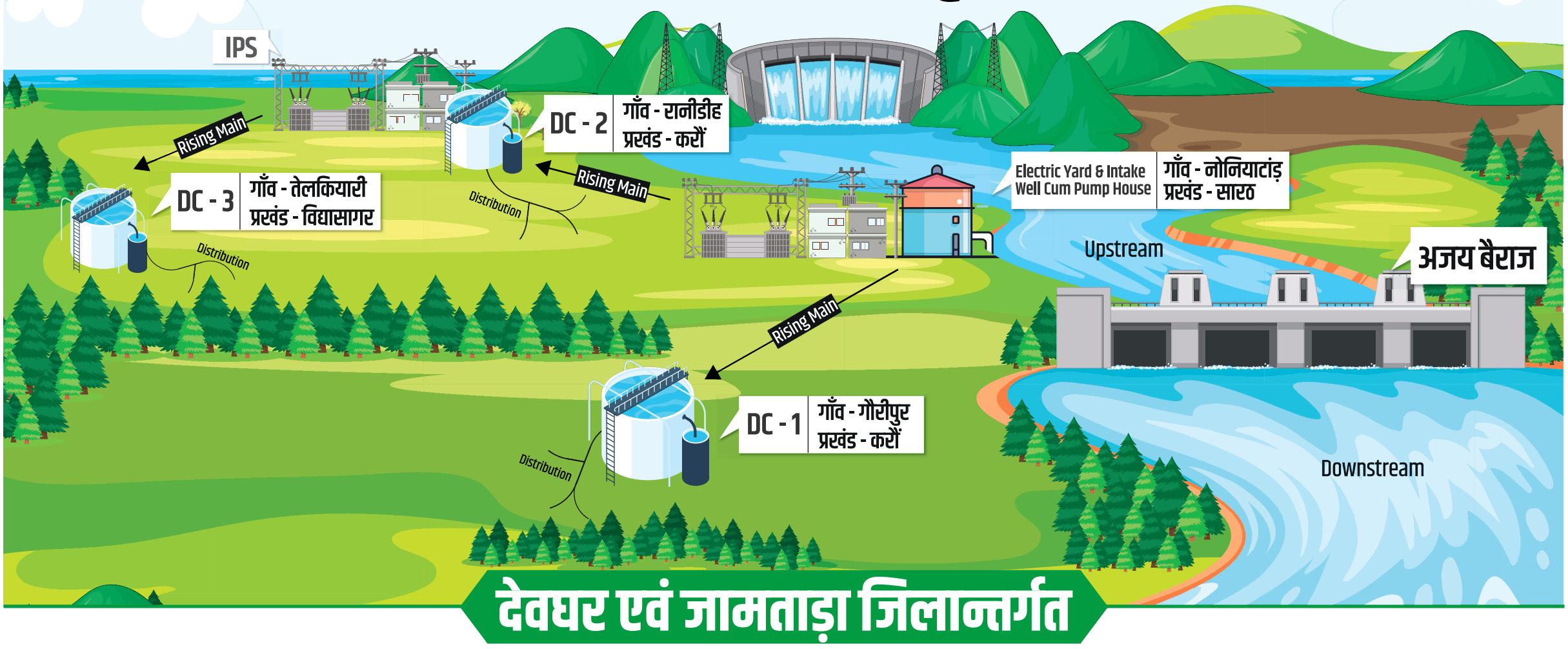

देवघर एवं जामताड़ा जिलान्तर्गत

सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना

शिलान्यास समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, निबंधन तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री सुनील सोरेन
माननीय सांसद, दुमका लोकसभा क्षेत्र

श्री निशिकान्त दुबे
माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र

श्री इरफान अंसारी
माननीय विधायक, जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र

श्री रणधीर कुमार सिंह
माननीय विधायक, सारठ विधानसभा क्षेत्र

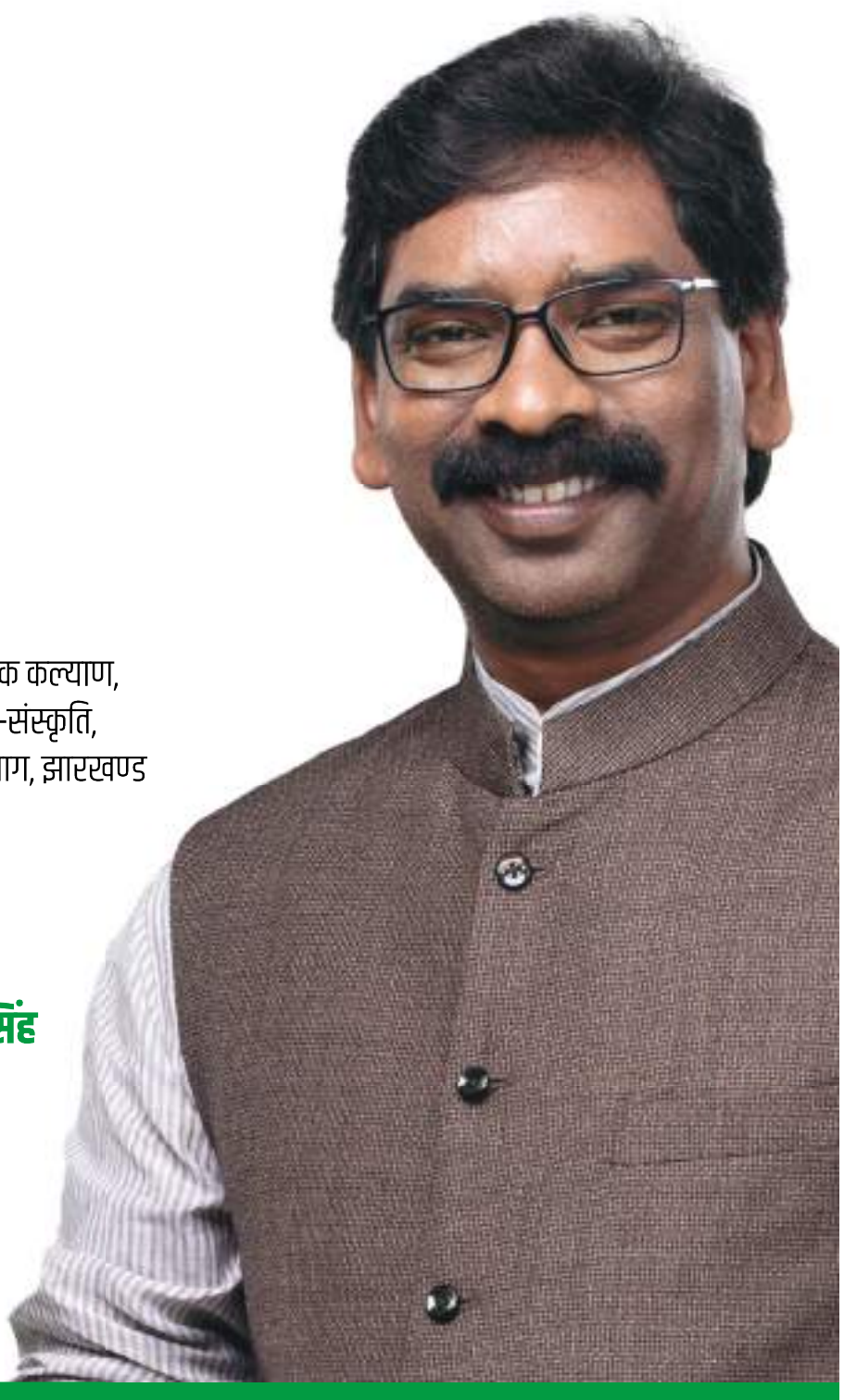

मुख्य बातें -

₹484.35
करोड़ से होगा निर्माण

13,164 हे0
कुल सिंचित क्षेत्र

1,11,174
कुल लाभान्वित ग्रामीण

27
कुल लाभान्वित पंचायत

190
कुल लाभान्वित गाँव

दिनांक : 09 अक्टूबर, 2023 | समय : अपराह्न 01:00 बजे

स्थान : ग्राम - सिकटिया, प्रखण्ड - सारठ, जिला - देवघर

जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार

गढ़वा दौरा पर झारखंड विधानसभा की पुस्तकालय विकास समिति, योजनाओं का जाना हाल

सभापति ने ली जिले में संचालित लाइब्रेरी की जानकारी

संवाददाता। गढ़वा

सभापति अपर्णा सेनगुप्ता की अगुवाई में झारखंड विधानसभा पुस्तकालय विकास समिति गढ़वा जिले के दौरे पर पहुंची. सभापति अपर्णा सेनगुप्ता ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की. बैठक में जिले आलाधिकारी मौजूद रहे. सभापति ने जिले में संचालित लाइब्रेरी की जानकारी ली. डीसी ने कहा कि जिले में अनुमंडलीय लाइब्रेरी संचालित है, जिसके विकास को लेकर कार्य किया जा रहा है. संचालित लाइब्रेरी में एक और फ्लोर का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे अधिक संख्या में बच्चें वहां बैठकर पठन-पाठन कर सके.

अपर्णा सेनगुप्ता ने सुविधा मुहैया कराने का दिया निर्देश

बैठक में सभापति अपर्णा सेनगुप्ता द्वारा लाइब्रेरी में मूलभूत सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया गया. उन्होंने पेयजल एवं शौचालय पर जोर देते हुए लाइब्रेरी में आवश्यक रूप से उक्त सुविधा मुहैया कराने को कहा. सभापति ने जिले में संचालित अन्य विभागों की जानकारी ली और दुरूस्त करने के कई आवश्यक निर्देश भी दिए गए. इनमें मुख्य रूप से आपूर्ति, विद्युत, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, पथ निर्माण, पर्यटन, श्रम नियोजन, भूमि संरक्षण, खनन, कल्याण, समाज कल्याण, उत्पाद, नगर परिषद एवं जेल से जुड़े विभाग अंतर्गत कार्यों की जानकारी ली गई. जिले में हो रहे विद्युत आपूर्ति में कटाव को देखते हुए सभापति द्वारा संध्या 5:00 से रात्रि 10:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अनिवार्य रूप से बहाल करने को कहा गया. साथ ही वैसे उपभोक्ता जो विद्युत बिल किसी कारणवश एक दो माह से नहीं दे पाए है, उन्हें नोटिस देने के बाद ही कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया.

बैठक में कई अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में झारखंड विधान सभा की पुस्तकालय विकास समिति के पदाधिकारी हरेंद्र कुमार साह, मारुति नंदन दुबे, राजेंद्र राम, उपायुक्त शेखर जमुआर, उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, निदेशक डीआरडीए दिनेश प्रसाद सुरीन, डीएसपी मुख्यालय संतोष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिया कुमारी, स्थापना उप समाहर्ता अरूण उरांव, जिला जन संपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, जिला कल्याण पदाधिकारी निलेश मुर्मू, उत्पाद अधीक्षक निर्मल कुमार समेत जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

आपकी बात

शिक्षक को सिर्फ पठन-पाठन की जिम्मेवारी मिले, तो सरकारी विद्यालयों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाने का माद्दा रखते हैं.

नाम : विष्णु कुमार
पद : सरकारी शिक्षक
जन्मस्थल : हजारीबाग
कार्य क्षेत्र : हजारीबाग

नौनिहालों के बेहतर करियर गढ़ने में अहम योगदान देने वाले हजारीबाग सदर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय शेखा के प्रभारी प्रधानाध्यापक विष्णु कुमार की कुछ अलग ही सोच है. जब से उन्होंने यहां स्कूल की कमान संभाली, बच्चों की मानसिकता बदल डाली. उनके नेतृत्व में सीएम उत्कृष्ट विद्यालय के लिए 10 बच्चे चयनित हुए. उनमें छठी कक्षा के लिए सुहानी कुमारी जिले भर की टॉपर बनीं. झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ में संयुक्त सचिव की भूमिका निभानेवाले शिक्षक विष्णु ने बच्चों में प्रतियोगिता की भावना भरी. इसका सुखद फलाफल यह रहा कि जिस स्कूल में भी वह रहे, हर साल औसतन आधा दर्जन बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी स्कूल, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय से लेकर सीएम उत्कृष्ट विद्यालय और सैनिक स्कूल के लिए चयनित होते रहे हैं. वर्ष 1989 में वेस्ट बोकारो घाटो से मैट्रिक, 1991 में अन्नदा कॉलेज हजारीबाग से इंटर और 1994 में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से इतिहास में स्नातक ऑनर्स की डिग्री लेने वाले विष्णु कुमार के पिता चंद्रकांत मिश्र भी शिक्षक रहे हैं. माता सजनी देवी गृहिणी, एक बहन, दो छोटे भाइयों में एक रेलवे और दूसरा पुलिस इंस्पेक्टर हैं. शुरू से ही अनुशासन प्रिय रहे विष्णु कुमार का कहना है कि शिक्षक को सिर्फ पठन-पाठन की जिम्मेवारी मिले, तो वह सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों से बेहतर बनाने का माद्दा रखते हैं. सरकारी शिक्षकों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है. यही वजह है आज शेखा और आसपास के गांवों के अभिभावक की पहली पसंद सरकारी विद्यालय खासकर प्राइमरी स्कूल शेखा है. अभिभावकों का कहना है कि इस स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से उनके करियर सही दिशा में अग्रसर होगा.

ब्रीफ खबरें

क्षेत्रीय सम्मेलन में शामिल हुए लॉ स्टूडेंट्स

जमशेदपुर। ज्यूडिशियल अकादमी, झारखंड एवं पूर्वी सिंहभूम जजशिप द्वारा 'रिमांड और जमानत न्यायशास्त्र' विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, राज्य के विभिन्न जिलों से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायिक पदाधिकारीगण, जिलों के वरीय पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, लॉ स्टूडेंट्स आदि शामिल हुए. सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश सह संरक्षक प्रमुख ज्यूडिशियल एकेडमी झारखंड संजय कुमार मिश्रा वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए.

करीम सिटी के रोहित बीएसएफ में नियुक्त

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज के एनसीसी कैडेट रोहित एक्का की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) में नियुक्ति हो गयी है. रोहित आगामी 27 अक्टूबर को बीएसएफ हजारीबाग ट्रेनिंग सेंटर में ज्वाइन करेंगे. एक साल के प्रशिक्षण के बाद बीएसएफ का मेन स्ट्रीम ज्वाइन करेंगे, जहां उन्हें देश की सुरक्षा तथा सेवा का सौभाग्य प्राप्त होगा. करीम सिटी कॉलेज के एनसीसी ऑफिसर मेजर डॉ. फखरुद्दीन अहमद ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि रोहित एक्का का प्रदर्शन कॉलेज में एनसीसी कैडेट के रूप में काफी सराहनीय रहा है. आज जो कुछ उन्हें मिला है वह उनके परिश्रम और लगन का पुरस्कार है.

आज से बीएसएस में होगा राष्ट्रीय सेमिनार

धनबाद। बीएसएस महिला कॉलेज में नौ और 10 अक्टूबर को उच्च शिक्षा में अनुसंधान के लिए अभिनव दृष्टिकोण विषय पर मल्टीडिसिप्लिनीयरी नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया है. सेमिनार में इक्सओरो रिसर्च एसोसिएशन भी सहयोग कर रहा है. यह जानकारी सेमिनार की समन्वयक सह कॉलेज की प्राचार्य डॉ. करुणा ने दी. उन्होंने बताया कि सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष सांसद पीएन सिंह, बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो डॉ. कुलपति शुकदेव भोई शामिल होंगे.

चतरा में 13 को पासवा का शिक्षक सम्मान समारोह

चतरा। पासवा का चतरा में 13 अक्टूबर को जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह होगा. यह जानकारी पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने दी. रविवार को रांची में हुई एक बैठक में उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों के शिक्षक बहुत ही सीमित संसाधन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं. झारखंड के शिक्षण व्यवस्था को आधार प्रदान करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है. किंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि राज्य सरकार द्वारा निजी विद्यालयों के शिक्षकों को प्रोत्साहित करने का कार्य नहीं हुआ.

क्लासिफाइड

सेमिनार में सक्सेस गुरु ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

नेतृत्व का गुण विकसित करती है सिविल सेवा की तैयारी : मिश्रा

संवाददाता। धनबाद

बीते 30 वर्षों में देश को पांच हजार आईएएस ऑफिसर और देश के विभिन्न राज्य प्रशासनिक सेवा में 15 हजार से अधिक रिजल्ट देने वाला चाणक्य आईएएस एकेडमी अपने नेतृत्व कौशल व यूनिक मार्गदर्शन प्रकिया की वजह से देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है. सिविल सेवा की तैयारी अपने आप बेहतरीन नेतृत्वकर्ता बनने की वह प्रक्रिया है, जिसके बाद यदि अभ्यर्थी का चयन प्रशासनिक सेवा में नहीं होता तो भी वह जीवन में बेहतरीन कर लेता है. यह बातें संस्थान के संस्थापक सह सक्सेस गुरु के नाम से विख्यात एके मिश्रा ने धनबाद जिले के टाउन हॉल में आयोजित द आर्ट ऑफ सक्सेस सेमिनार को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने अपने रियल लाइफ एक्सपीरियंस को साझा करते हुए बिजनेस में सफल अपने विद्यार्थियों के विषय में बताया. साथ ही सिविल सर्विसेज में सफल विद्यार्थियों की तैयारियों की कहानी सुना कर विद्यार्थियों को मोटिवेट किया.

जिंदगी को ऑटो ड्राइव मोड पर नहीं छोड़ें : सक्सेस गुरु ने कहा कि हम क्या कर सकते हैं यह हमसे अच्छा कोई दूसरा नहीं बताएगा. अपनी जिंदगी को ऑटो ड्राइव मोड पर कभी न छोड़ें. जीवन की स्टेयरिंग हमेशा अपने हाथ में रखना सीखें, वरना पूरा जीवन आसपास की परिस्थितियों के अनुसार हिलता-डुलता रह जाएगा, लेकिन सफलता नहीं मिलेगी. कहा कि प्रकृति ने सभी को समान वक्त व समान अवसर दिए हैं.

चाणक्य आईएएस अकादमी की जर्नी के विषय में बताया.

अभ्यर्थियों से बात करते एके मिश्रा.

दूसरों की बजाय खुद अपना रास्ता बनाओ

सेमिनार में संबोधित करते हुए सक्सेस गुरु ने कई उदाहरण के जरिये बताया कि जैसे सभी अलग दिखते हैं, वैसे ही सभी के भीतर अलग-अलग चीज अलग अलग तरीके से करने की क्षमता होती है. इसलिए हमें दूसरों के बताए पुराने रास्ते से सफलता के लिए प्रयास नहीं करना चाहिए, बल्कि अपनी क्षमता के अनुसार अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहिए. कहा कि जब तक जीवन है, तब तक संघर्ष है. जब तक संघर्ष है तब तक ही जीवन है.

झारखंड को आगे ले जाने में धनबाद का रोल होगा अहम

सक्सेस गुरु ने कहा कि धनबाद जिले में केंद्र शुरू करने के बाद पहली बार वह धनबाद आए हैं. हालांकि अब उनका पूरा फोकस इसी क्षेत्र पर होगा. क्योंकि झारखंड राज्य को आगे ले जाने में धनबाद जिले का अहम योगदान होगा. उन्होंने अपनी बातों को विवेकानंद थॉमस अल्वा एडिसन, फोर्ड, आइंस्टाइन, अब्दुल कलाम, नरेंद्र मोदी जैसी विभूतियों व अटल बिहारी वाजपेयी, हरिवंश राय बच्चन, सोहन लाल द्विवेदी जैसे कवियों की कविता के माध्यम से भी समझाया. इसके पूर्व सेमिनार को चाणक्य आईएएस अकादमी के वाइस प्रेसिडेंट विनय मिश्रा ने भी संबोधित किया. उन्होंने चाणक्य आईएएस अकादमी की जर्नी के विषय में बताया. कार्यक्रम को सफल बनाने में धनबाद शाखा के प्रभारी दयानंद मिश्रा, ऑपरेशन हेड बलवंत कुमार के अलावा अन्य का योगदान रहा.

रांची में यूपीएससी जेई की परीक्षा संपन्न

रांची। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जूनियर इंजीनियर (जेई) सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का परीक्षा 8 अक्टूबर को संपन्न हुई. परीक्षा दो पालियों में हुई. पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 से 11:30 तक हुई. पहली की परीक्षा में सिविल ब्रांच की परीक्षा हुई. वहीं दूसरी पाली की परीक्षा में इलेक्ट्रिकल ब्रांच की परीक्षा हुई. दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक चली. पहली पाली की परीक्षा के लिए आठ परीक्षा केंद्र, वहीं दूसरी पाली की परीक्षा के लिए 5 परीक्षा केंद्र थे.

राज्यपाल व सीएम 11 अक्टूबर को वीमेंस यूनिवर्सिटी के कैंपस का करेंगे उद्घाटन

संवाददाता। जमशेदपुर

वर्ष 1953 में बिष्टुपुर में स्थापित 'जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज' जो अब 'जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी' बन चुका है, शहर के सिदगोड़ा स्थित नये परिसर में शैक्षणिक कार्यों के लिए तैयार है. महिसा शिक्षा को प्रयासरत, क्षेत्र की महिलाओं के लिए अब वह घड़ी आ गई जब 'जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी' के सिदगोड़ा परिसर में भी पढ़ाई शुरू होगी. इसके लिए जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी ने पूरी तैयारी कर ली है. आगामी 11 अक्टूबर को सिदगोड़ा परिसर में शैक्षणिक कार्य आरंभ करने के लिए उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया है, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन एवं विशिष्ट अतिथि राज्य के मुख्यमंत्री सह उच्च शिक्षा मंत्री हेमन्त सोरेन होंगे. इस दिन अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस भी है और इस अवसर पर जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के नए परिसर में शैक्षणिक कार्य की शुरुआत विशेष महत्व रखता है.

डॉ शुक्ला मोहंती के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर चल पर कॉलेज बना विश्वविद्यालय : जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज को वर्ष 2006 में कॉलेज की तत्कालीन प्राचार्य डॉ शुक्ला मोहंती के कुशल नेतृत्व में पहली बार "कॉलेज विथ पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस (सीपीई)" एवं वर्ष 2008 में ऑटोनोमस का दर्जा प्राप्त हुआ. उसके बाद डॉ मोहंती के नेतृत्व व मार्गदर्शन में कॉलेज ने प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नैक से ए ग्रेड हासिल किया और उसके बाद यूनिवर्सिटी के रूप में अपग्रेड हुआ.

महिला शिक्षा के लिए स्वर्णिम अवसर : कुलपति

यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता ने बताया कि "जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी 22 जून, 2022 को अस्तित्व में आथी, जब उन्होंने कुलपति के रूप में पदभार संभाला था. उसके बाद से 11 नए वोकेशनल कोर्स शुरू किये गये. एनइपी-2020 को त्वरित गति से लागू करने, पीएचडी शुरू करने, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) का शीघ्र हिस्सा बनने से लेकर छात्राओं की लगातार स्पोर्ट्स एवं अन्य उपलब्धियों के बीच एनसीसी की छात्रा का रूस में भारत के प्रतिनिधित्व जैसे कई कार्य यूनिवर्सिटी ने पूरे कर लिए हैं. सिदगोड़ा स्थित नए विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक कार्य प्रारंभ करना भी एक महत्वपूर्ण कार्य था. इसमें सभी ने अभूतपूर्व सहयोग किया और परिणामस्वरूप आगामी 11 अक्टूबर को विधिवत उद्घाटन के साथ शैक्षणिक कार्य की शुरुआत होगी. शिक्षा जगत एवं झारखंड राज्य की महिला शिक्षा के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर है.

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने किया सूची का प्रकाशन

सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में डॉ बलराम

संवाददाता। जमशेदपुर

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने शोध की गुणवत्ता, शोध कार्यों के साइटेशन के आधार पर दुनिया भर के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों सूची जारी की है. इसमें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर से डॉ. बलराम अम्बादे को शामिल किया गया है. एनआईटी जमशेदपुर को प्रौद्योगिकी शिक्षा क क्षेत्र कहा जाता है. संपूर्ण विश्व में विज्ञान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यहां के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. एक बार फिर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर के लिए कुछ ऐसी खबर आई हैं, जिसने पूरे संस्थान परिवार को गौरवान्वित किया है. दरअसल संपूर्ण विश्व के दो प्रतिशत सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों की एक सूची जारी की गयी है, जिसमें एनआईटी जमशेदपुर से डॉ. बलराम अम्बादे को शामिल किया गया है. जानकारी के अनुसार स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वैज्ञानिकों के शोध की गुणवत्ता तथा उन शोध कार्यों के साइटेशन के आंकड़ों के आधार पर यह सूची जारी की गई है. डॉ. बलराम अम्बादे एनआईटी जमशेदपुर में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं. उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि में पर्यावरण विज्ञान, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, उभरते संदूषक और मूल्य वर्धित उत्पादों के पुनर्चक्रण का उपयोग करके दूषित मिट्टी का उपचार शामिल है. उनका मुख्य शोध मिट्टी, तलछट, पानी, हवा और उनके प्रदूषण (तत्वों और पोषक तत्वों का पता लगाना) और पीएएच और माइक्रोप्लास्टिक्स पर विशेष ध्यान देने के साथ जुड़े जैव-भू-रासायनिक मुद्दों पर है.

उदय अध्यक्ष व बसंत बने प्लस टू शिक्षक संघ के सचिव

स्थानांतरित होकर गृह जिले में आए शिक्षकों का हुआ स्वागत

संवाददाता। हजारीबाग

स्थानीय जिला प्लस टू हाई स्कूल के सभागार में रविवार को झारखंड प्लस टू हाई स्कूल शिक्षक संघ हजारीबाग इकाई का पुनर्गठन किया गया. इसमें संघ के अध्यक्ष उदय शंकर मंडल और सचिव बसंत सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए. वहीं, कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों का भी निर्विरोध चयन किया गया. हालांकि, कोषाध्यक्ष पद पर चयन के लिए मतदान हुआ, जिसमें कुल 122 मत पड़े.

दो प्रत्याशियों में राजीव कुमार को 96 और मो. ऐनुल को 26 वोट प्राप्त हुए. निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में प्रांतीय संरक्षक सुनील कुमार और शशिकांत दुबे ने चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराया.

वहीं स्थांनातरित होकर हजारीबाग जिले में आए राम विलास पासवान, शंभुनाथ यादव, राजू प्रजापति, अतहर हुसैन, संतोष कुमार रवि, पुरुषोत्तम पाठक और अजय कुमार पासवान का स्वागत करते हुए माला पहनाकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन रवीन्द्र कुमार पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन विजय कुमार चौबे ने किया. आयोजन को सफल बनाने में सभी प्लस टू शिक्षकों का योगदान रहा.

चयनित पदाधिकारी

संरक्षक फणीश्वर नाथ महतो, उपकोषाध्यक्ष रामधनी कुमार, उपाध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, अरुण कुमार रवि, विजय कुमार चौबे व डॉ. विकास कुमार सिंह बने. प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार, संयुक्त सचिव अशोक कुमार व कमलेश कुमार, तकनीकी सचिव पुरुषोत्तम कुमार पाठक, संगठन मंत्री अशोक कुमार, उप संगठन मंत्री गीता कुमारी व कमलजीत सिन्हा चुने गए. वहीं राज्य प्रतिनिधि रविंद्र कुमार पांडेय व राकेश पंडित, प्रमंडलीय प्रतिनिधि सोमनाथ कुमार व भूपेंद्र कुमार बने.

वेबिनार ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन का पैन इंडिया के लिए आयोजन, शिक्षक-छात्र संबंधों पर चर्चा

ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन ने किया ओपन वेबिनार

संवाददाता। जमशेदपुर

शिक्षा के निरंतर विकसित होते परिदृश्य में, शिक्षक-छात्र संबंध, प्रभावी शिक्षण और व्यक्तिगत विकास के महत्व को पहचानते हुए, ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन ने पैन इंडिया के लिए एक ओपन वेबिनार का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित अतिथि सह वक्ता राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता शिप्रा मिश्रा, प्रियांशी भट्ट और कल्पना ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की. शिक्षा के क्षेत्र में शिप्रा मिश्रा की यात्रा उस समर्पण और जुनून का एक प्रेरणादायक प्रमाण है जो शिक्षक अपनी कला में लाते हैं. कल्पना, जो ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन में हिमाचल प्रदेश की राज्य प्रमुख हैं, उन्होंने वेबिनार की मेजबानी की और विविध शैक्षिक सेटिंग्स में मजबूत शिक्षक-छात्र संबंधों को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला. ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि नीतेश यादव और गुंजन तोमर (ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन में एचआर) तथा आकाश महतो (जीपीएफ राज्य प्रमुख झारखंड) ने अतिथि वक्ता से अपने प्रश्नों को साझा किया. बाद में आईएएस अनुज और चेतन राघव (हिमाचल से टीवी शो के निदेशक और डांस कोरियोग्राफर) वेबिनार में शामिल हुए. उनके सौहार्दपूर्ण स्वभाव के कारण विद्यार्थी उनसे आसानी से अपनी समस्या साझा कर समाधान पा सकते हैं.

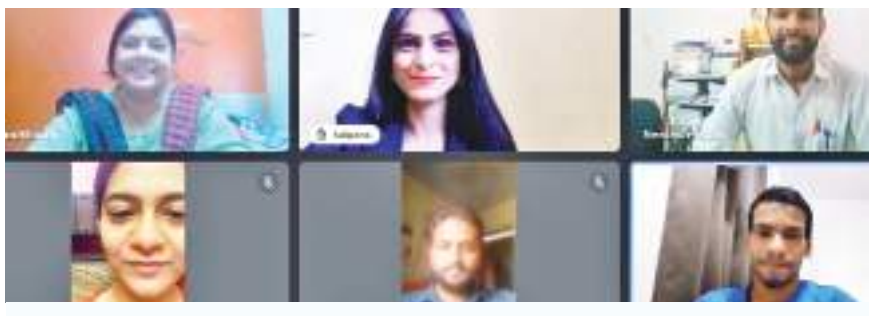

बच्चों की बेहतरी के बारे में प्रश्न पूछे

चेतन राघव ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों की बेहतरी के बारे में प्रश्न पूछे. शिप्रा मिश्रा ने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया, इस संदर्भ में उनका मानना था कि ऐसे मामलों में विकलांगता के प्रतिशत की जांच की जानी चाहिए. यदि उस विशेष बच्चे में सुधार की संभावना है तो उसे बाकी कक्षा से अलग नहीं किया जाना चाहिए और न ही अलग स्कूल में भेजा जाना चाहिए. यह कार्यक्रम शिक्षकों और छात्रों के बीच गहरे और गतिशील संबंधों को गहराई से समझने और समग्र रूप से शिक्षा और समाज की बेहतरी के लिए इसे बढ़ाने के तरीकों की खोज करने का एक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया. वेबिनार में कई गणमान्य लोग शामिल हुए और अपने प्रश्नों को रखा.

कोल्हान विवि को बी ग्रेड प्राप्त होना ऐतिहासिक : छात्र संघ

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय को अपनी स्थापना के 14 साल बाद नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) से बी ब्रेड प्राप्त हुआ है. नैक मुख्यालय की ओर से आधिकारिक रूप से बी ग्रेड का पत्र विश्वविद्यालय को प्राप्त हो गया है. पिछली बार कोल्हान विश्वविद्यालय को 1.88 प्वाइंट प्राप्त हुआ था, जिस कारण कोल्हान विश्वविद्यालय को सी ग्रेड मिला था. अब कोल्हान विश्वविद्यालय को नैक के ग्रेडेशन में सीजीपीए 2.13 प्राप्त हुआ, जिसके कारण दूसरे चक्र में बी ग्रेड प्राप्त हुआ है. यह ग्रेड 6 अक्टूबर से अगले पांच साल तक वैध रहेगा. सी ग्रेड के बाद विश्वविद्यालय को बी ग्रेड प्राप्त होने से विश्वविद्यालय में काफी खुशी का माहौल था.

खास बातें

- कोल्हान विवि को पिछली बार प्राप्त हुए थे 1.88 प्वाइंट
- दूसरे चक्र में नैक के ग्रेडेशन में 2.13 प्वाइंट हुआ प्राप्त

इस मामले पर कोल्हान विश्वविद्यालय छात्रसंघ सचिव सुबोध महाकुड़ ने नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) द्वारा कोल्हान विश्वविद्यालय को समीक्षा के बाद बी ग्रेड में उन्नयन करने पर बेहद खुशी जताई है. कहा है कि वाकई कोल्हान विश्वविद्यालय को नैक द्वारा बी ग्रेड प्राप्त होना काफी सुनहरा क्षण है और यह तमाम सभी संघर्षशील प्रयासों से ही संभव हो पाया है.

रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची ● सोमवार, 09 अक्टूबर 2023 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 174 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

दोतरफा लड़ाई में फंसा इजरायल, खूनी संघर्ष व्यापक होने के आसार

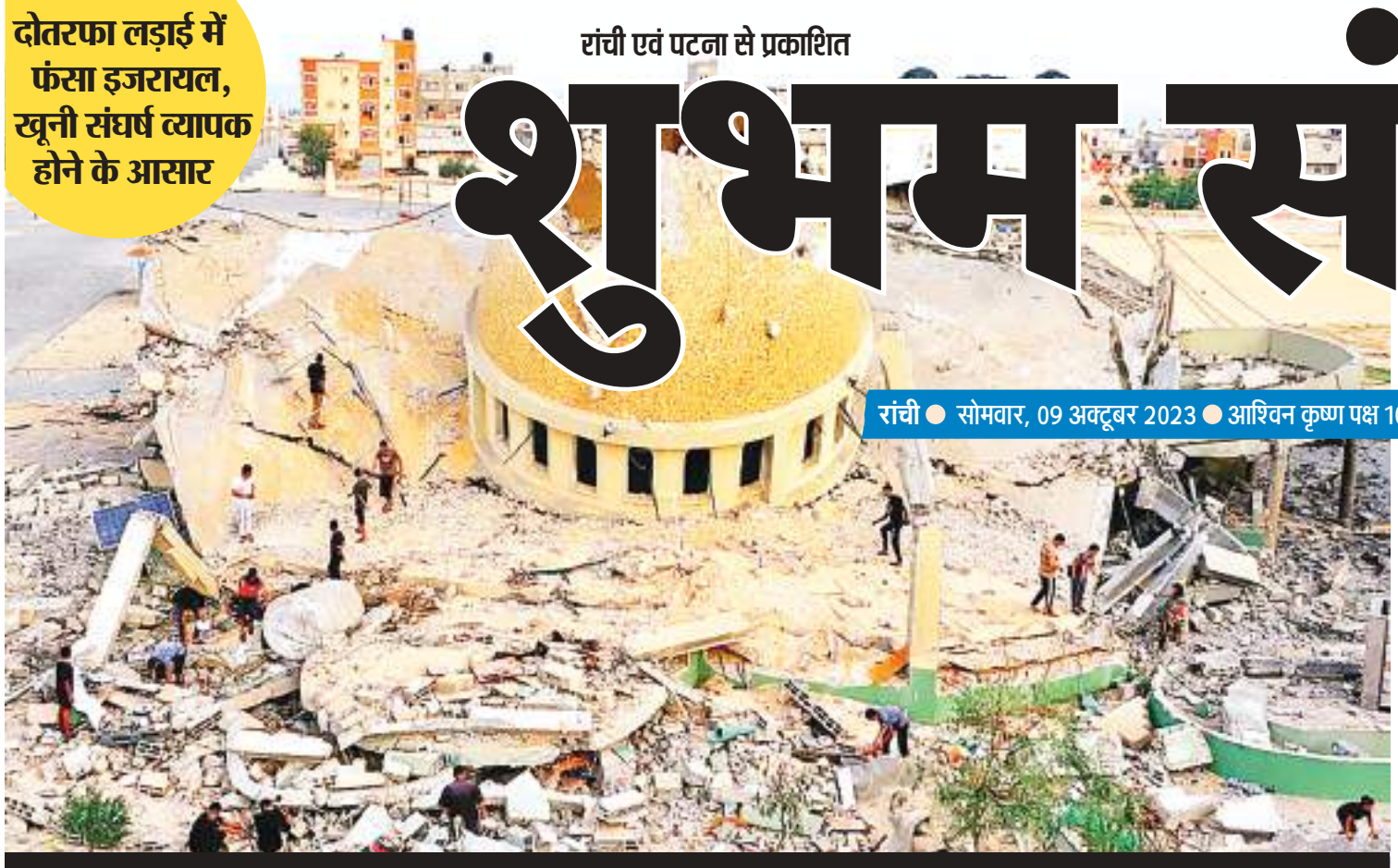

जंग में हिजबुल्लाह की एंट्री

- छापामार लड़ाई में 600 से अधिक इजरायलियों की मौत, 2000 घायल
- गाजा में 500 फिलस्तीनी और 400 लड़ाके समेत करीब 1000 मरे

मिस्र में पुलिस अफसर ने दो इजरायली नागरिकों को गोली से उड़ाया

एजेंसियां। तेलअवीव

इजरायल-हमास की जंग में लेबनान के हिजबुल्लाह की एंट्री हो गई. रविवार को हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान से इजरायल पर मोर्टर-गोले दागे. इसके जवाब में इजरायल ने भी तोपों का मुंह हिजबुल्लाह के ठिकानों की ओर मोड़ दिया. इजरायली टैंक लेबनान बॉर्डर की ओर आगे बढ़ चले हैं.दोनों छोर से तोपें और रॉकेट दागे जा रहे हैं. मोर्टारों और तोपों के गोले रिहायशी इलाकों में भीषण तबाही ढा रहे हैं.

इजरायली सेना ने कहा कि उसने लेबनान की सीमा में हिजबुल्लाह की एक चौकी पर हमला करके तबाह कर दिया है. वहीं, हिजबुल्लाह ने कहा कि वह फिलिस्तीन के प्रतिरोध समूहों के नेताओं के साथ संपर्क में है. हम हमास के हमलों के साथ हैं. हिजबुल्लाह के जंग में कूद जाने के बाद इजरायल को एक साथ फ्रंट पर लडाई लडनी पड़ रही है. इससे जंग के व्यापक होने की आशंका भी जताई जा रही है.

इजरायल और गाजा में भारतीय सुरक्षित : इजरायल पर हमास के हमले के बाद से अब तक भारतीय नागरिकों से जुड़ी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और फंसे लोगों ने सुरक्षित निकासी के लिए तेल अवीव में स्थित भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है. लगभग 18 हजार भारतीय नागरिक इजरायल में रहते और काम करते हैं तथा अब तक उनसे जुड़ी किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिली है.

इजरायल के प्रधानमंत्री ने दी अंतिम चेतावनी

इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को अंतिम चेतावनी दी कि वे एक लंबे और कठिन युद्ध की ओर बढ़ रहे है. उन्होंने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि हमास के लड़ाके जहां भी छिप कर हमला कर रहे हैं, हम उन्हें ढूंढ़ कर मलबे में बदल देंगे. मैं गाजा के लोगों से कहता हूं कि अभी भी इजरायल के शहरों को खाली कर दो क्योंकि हम हर जगह जबरदस्त कार्रवाई करेंगे. हमास हमारे करीब 700 बंधकों को तुरंत रिहा कर दे.

इजरायल के 600 नागरिक मारे गए

इजरायली कस्बों पर फिलिस्तीनी हमलों में करीब 600 इजरायली लोग मारे गए है, जबकि 2000 से अधिक घायल हैं. उधर, इजरायल बमबारी में 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं. जबकि इजरायल ने दावा किया है कि उसके देश में घुसे हमास के 400 लड़ाके ढेर हो गए. मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास के खिलाफ लड़ाई चल रही है. दक्षिणी . गाजा में फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि इजरायली हमलों में अब तक 413 लोग मारे गए हैं, और हजारों घायल हैं. उधर, मिस्र के अलेक्जेंड्रिया में एक पुलिस अधिकारी ने दो इजरायली पर्यटकों की हत्या कर दी.

हमास लड़ाके कर रहे जगह-जगह हमले

रविवार को इजरायली सेना ने बताया कि उसके सैनिक आठ स्थानों पर हमास से लड़ रहे हैं. उसने गाजा में 426 ठिकानों पर हमले किए और बड़े-बड़े विस्फोटों से कई इमारतें ढेर कर दीं. उधर, हमास के लड़ाके छोटे-छोटे गुटों में अलग-अलग स्थानों पर हमला कर रहे हैं. लड़ाकों ने अवरुद्ध भूमध्य सागरीय क्षेत्र में सीमा बाड़ को विस्फोटकों से तोड़ दिया. फिर बाइक, ट्रक, पैराग्लाइडर और नौकाओं से तट पर पहुंच गए. एक वीडियो में एक कार्यक्रम में नाच रहे सैकड़ों युवाओं को लड़ाकों के घुसने और उन पर गोलियां चलाना शुरू करने के बाद भागते हुए देखा गया.

बजरंग दल ने निकालीं शौर्य जागरण यात्राएं

बजरंग दल ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के जनवरी में उद्घाटन से पहले अनुष्ठान में लोगों को न्योता देने के लिए रविवार को रांची में चार शौर्य जागरण यात्राएं निकालीं. रातू रोड के पहाड़ी मंदिर, चुटिया के मंडा मैदान, बड़गाईं के पंचमुखी हनुमान मंदिर और रातू के रातू गढ़ से निकाली गई यात्रा में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल हुए. चार रथों के साथ विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए प्रभात तारा मैदान पहुंचे, जहां धार्मिक सभा में इसका समापन हुआ. विहिप के केंद्रीय सचिव अशोक तिवारी ने कहा, 27 जनवरी के बाद, प्रत्येक हिंदू अयोध्या जाए.

फोटो। रमीज

नक्सली फरमान

वाहन मालिक नहीं करें पुलिस की मदद

किरीबुरू। कोल्हान वन क्षेत्र में चलने वाले यात्री और मालवाहक वाहन मालिकों और चालकों क लिए नक्सलियों ने फरमान जारी किया है. फरमान में कहा गया है कि वाहन मालिक और चालक पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों की किसी भी तरह की मदद नहीं करें. भाकपा माओवादी, दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता अशोक ने बयान जारी कर यह फरमान जारी किया है. कहा है कि 15 दिसंबर 2022, 18 जनवरी 2023 और 17 अप्रैल 2023 को दक्षिणी जोनल कमेटी ने ग्रामीण जनता को बुबीट्रैप (पागल जाल) से सावधान करने और यात्री वाहन के मालिकों से पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को न ढोने और गाड़ी नहीं देने तथा शाम 6 बजे के बाद और सुबह 6 बजे के पहले तक जंगल इलाके से गुजरने वाले रोड से गाड़ी नहीं चलाने की अपील की थी. पुलिस के बहकावे में आकर जिन लोगों ने कमेटी की बात नहीं मान कर जंगल में घुसे तो बुबीट्रैप माइन में फंस कर अपनी जान गंवा दी. कुछ लोग घायल भी हुए. -पूरी खबर पेज 10 पर देखें

तबाही का मंजर

अफगानिस्तान में भूकंप से 2 हजार लोग मारे गए

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वाले लोगों की संख्या 2,000 के आंकड़े को पार कर गई है. तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी. यह देश में दो दशकों में आए सबसे विनाशकारी भूकंप में से एक है. देश के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने बताया कि पश्चिमी अफगानिस्तान में शनिवार को आए 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप और इसके बाद के झटकों से मची तबाही में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई. अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र हेरात शहर से करीब 40 किमी उत्तर-पश्चिम में था. सूचना मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रयान ने बताया कि हेरात में भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या शुरुआत में बताई गई संख्या से कहीं अधिक है. उन्होंने तत्काल मदद की अपील करते हुए बताया कि करीब छह गांव तबाह हो गए हैं और सैकड़ों लोग मलबे में दबे हुए हैं. भूकंप से 2,060 लोगों की मौत हुई है, 1,240 लोग घायल हुए हैं और 1,320 मकान पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं.

बकोरिया कांड : जानिए... किन तथ्यों के आधार पर दाखिल हुई प्रोटेस्ट पिटीशन

सौरभ सिंह। रांची

पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र स्थित बकोरिया में 8 जून 2015 को बहुचर्चित कथित पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई थी. सीबीआई ने इस चर्चित बकोरिया मुठभेड़ केस में क्लोजर रिपोर्ट दे दी थी. बीते 27 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई द्वारा दाखिल की गयी क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया था. सीबीआई ने बकोरिया मुठभेड़ कांड को सही माना है. फॉरेंसिक रिपोर्ट में आए तथ्यों के आधार पर मुठभेड़ को सीबीआई ने सही माना है, जिसके बाद मुठभेड़ में मारे गये उदय यादव के पिता जवाहर यादव ने बीती 30 अगस्त को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल की थी. झारखंड राज्य के दशकों के उग्रवाद विरोधी अभियानों के इतिहास में यह इकलौती घटना है, जिसमें सीआरपीएफ कर्मी अकेले घटनास्थल पर चले गये और उनके द्वारा किसी भी झारखंड पुलिसकर्मी को साथ नहीं लिया गया. साफ है कि वे लोग हत्या करने या हत्या के षड्यंत्र में शामिल थे, और झारखंड पुलिस को इसलिए साथ नहीं ले गये, क्योंकि अगर झारखंड पुलिस साथ जाती तो या तो वह उन्हें ऐसा करने से मना करती और वह बाहर आकर सच्चाई का पर्दाफाश कर देती. पूरे तथ्य पेज 6 पर

पहली घटना जिसमें पुलिस नहीं थी शामिल

इन तथ्यों के आधार पर सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ दाखिल की गयी प्रोटेस्ट पिटीशन

- जब बकोरिया मुठभेड़ कांड के वादी पुलिस निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम एवं तथाकथित मुठभेड़ में शामिल दिखाये गये झारखंड पुलिस के कर्मियों द्वारा मुठभेड़ में शामिल नहीं होने की बात सीबीआई को बताई गई, तब भी किस परिस्थिति में इस मुठभेड़ कांड को सही माना गया.
- **जब मुठभेड़ में मारे गये 10 व्यक्तियों, जिनमें कुछ कम उम्र के भी बच्चे थे, जिनके खिलाफ जांच में सीबीआई को उनके नक्सली होने का कोई दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ, तो किस परिस्थिति में उन्हें नक्सली मान लिया गया.**
- **पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, जब कई मृतकों के शरीर पर नजदीक से सटाकर गोली मारे जाने तथा कई मृतकों के शरीर पर मृत्यु के पूर्व पिटाई किये जाने का प्रमाण था, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा उपरोक्त महत्वपूर्ण साक्ष्य को नजरअंदाज किया गया.**
- जब सीबीआई द्वारा अपने अंतिम प्रपत्र में इस कांड की जांच के दौरान स्वयं कई प्रकार की त्रुटियों को उजागर किया गया,तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ किसी प्रकार की कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गयी.

वर्ल्ड कप आज का मैच

न्यूजीलैंड vs नीदरलैंड

दोपहर 2:00 बजे से

सर्राफा

सोना (बिक्री)	54,000
चांदी (किलो)	72,000

सीएम की मां अस्पताल में

रांची। सीएम हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत खराब हो गई है. उन्हें सांस लेने में तकलीफ के बाद रांची के हिल व्यू अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉ उज्ज्वल की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है. डॉक्टर उनकी देखरेख कर रहे हैं. डॉ नितेश ने बताया कि उनकी स्थिति में सुधार है. सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही छुट्टी दे देंगे.

कोल इंडिया की दिल्ली में हुई बैठक में बोनस पर हुआ निर्णय

कोलकर्मियों को 85 हजार मिलेगा बोनस

संवाददाता। धनबाद

दुर्गापूजा से पहले देश के 2.33 लाख कोल कर्मियों की बल्ले-बल्ले. कोल कर्मियों के बोनस को लेकर रविवार को दिल्ली के स्कोप कांप्लेक्स स्थित कोल इंडिया के कार्यालय में अधिकारियों व कोल यूनियन की बैठक में कर्मियों को 85 हजार रुपये बोनस भुगतान का निर्णय हुआ है.

बीसीसीएल के 35,285 कर्मियों सहित कोल इंडिया की अन्य अनुषंगी ईकाई से जुड़े कर्मियों को सीधा फायदा होगा. पिछले साल की तुलना में इस बार 8500 रुपये की बढ़ोतरी हुई है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोल इंडिया की चारों तिमाही में कंपनी को 28,125 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है. इसे देखते हुए बोनस में वृद्धि की गई है. कोल कर्मियों की यूनियनों ने 1 लाख 20 हजार बोनस की मांग की थी. लेकिन विचार विमर्श के बाद सबकी सहमति बन गयी है. जहां तक असंगठित मजदूरों की बात है, उस पर कोल इंडिया का कहना है कि एज पर बोनस एक्ट के तहत उन्हें बोनस का लाभ दिया जाएगा. कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने 11 वें वेतन समझोते के बारे में बताया कि जबलपुर हाईकोर्ट में सोमवार को इस मुद्दे पर सुनवाई होनी है. कोर्ट का जो फैसला आएगा, वहीं सर्वमान्य होगा. बैठक में सिर्फ बोनस पर चर्चा हुई है. सबकी सहमति से हमलोग नतीजे पर पहुंचे हैं. एटक के लखनलाल महतो व बीएमएस के उमेश सिंह ने बोनस के इस समझौते का स्वागत किया है. दोनों ने कहा कि किसी भी पब्लिक सेक्टर में अभी तक की सबसे बड़ी रकम है.

ज्ञात हो कि कोलकर्मियों के बोनस से बजार की रौनक बढ़ेगी. कीमतों में भी उछाल देखने को मिलेगा. बैठक में डीएफ देवाशीष नंदा, बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता, एमसीएल, सीसीएल के डीपी, सीएमपीडीआइ के डीटी समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे, जबकि यूनियन प्रतिनिधियों में बीएमएस के दो, एचएमएस के दो व एटक व सीटू के एक-एक प्रतिनिधि शामिल थे.

कोल कर्मियों की चांदी

- कोल इंडिया के 2 .33 लाख कर्मियों को मिलेगा सीधा लाभ
- दुर्गोत्सव में बाजार की बढ़ेगी रौनक, खरीदारों की बढ़ेगी भीड़

कुड़मी को एसटी बनाने का मामला झारखंड सरकार के प्रस्ताव पर ही केंद्र ने 8 जुलाई 2015 को खारिज कर दिया प्रस्ताव

2004 के मुंडा सरकार के प्रस्ताव को 2015 में रघुवर ने किया खारिज

कौशल आनंद। रांची

पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा कुरमी को एसटी बनाने का प्रस्ताव केंद्र के पास लंबित न होने की बात लगातार कह रहे हैं. यह भी कह रहे हैं कि राज्य सरकार ने ही उनके प्रस्ताव को खारिज कर दिया था. मुंडा के इस बयान से कुरमी समाज के लोग आंदोलित है. निशाने अर्जुन मुंडा हैं.

शुभम संदेश ने पड़ताल की, तो पाया कि 2004 में तत्कालीन सीएम अर्जुन मुंडा ने लोस चुनाव के पहले कुरमी को एसटी बनाने सहित कई जातियों को अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति में शामिल करने का प्रस्ताव कैबिनेट से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा था. लेकिन बाद में जनजातीय

शोध संस्थान की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए भाजपा की पूर्ववर्ती रघुवर सरकार ने 10 फरवरी 2015 को इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया.

इसी पत्र को आधार बनाते हुए 8 जुलाई 2015 को केंद्र सरकार ने भी कुरमी समाज को एसटी बनाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया. शुभम संदेश के पास दोनों पत्र हैं, जिनमें सीएम रहते 2004 में अर्जुन मुंडा ने प्रस्ताव भेजा और 8 जुलाई 2015 को केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के प्रस्ताव के आधार पर

यह था अर्जुन मुंडा सरकार का 2004 का प्रस्ताव

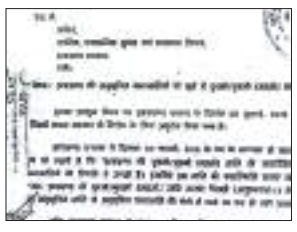

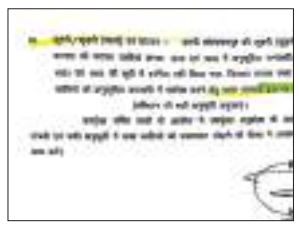

झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के तत्कालीन सचिव रहे मुख्त्यार सिंह ने केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव को पत्र भेजा था. इस पत्र में कहा गया कि राज्य सरकार ने मंत्रिपरिषद की बैठक 22 नवंबर 2004 एवं 23 नवंबर 2004 को की. इसमें झारखंड की कुल 10 जातियों को अनुसूचित जाति एवं जनजाति सूची में शामिल करने की अनुशंसा की. इस पत्र में अंतिम 10 नंबर पर झारखंड में निवास करने वाले कुरमी/कुड़मी एवं घटवार को रखा गया. कहा गया कि उत्तरी छोटानागपुर के कुरमी (कुड़मी) / महतो तथा संथालपरगना की घटवार जातियां क्रमश : 1913 और 1938 तक अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल थीं. लेकिन क्रमश : 1950 व 1952 की सूची में शामिल नहीं किया गया, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है. अतः उक्त जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के लिए भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करे.

केंद्र सरकार ने 2015 में क्या कह कर खारिज किया प्रस्ताव

केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय ने 8 जुलाई 2015 को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार को एक पत्र भेजा. पत्र में केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय के निदेशक राजीव प्रकाश ने लिखा था कि राज्य सरकार ने 10 फरवरी 2015 के पत्र से मानव जातीय रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि झारखंड में कुरमी/कुड़मी जाति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अधिसूचित जनजातियों से अच्छी है. झारखंड में कुरमी/कुड़मी (महतो) अत्यंत पिछड़ों में दर्ज है. इसलिए इसकी यथास्थिति बनाए रखने की जरूरत है. इसलिए इस जाति को एसटी की श्रेणी में लाने का प्रश्न ही नहीं है. तत्कालीन राज्य सरकार की अनुशंसा पर ही केंद्र सरकार ने कुरमी/कुड़मी (महतो) को अनुसूचित जनजाति में लाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था.

भू-धंसान से कई घर जमींदोज जोगता में मची अफरा-तफरी

संवाददाता। कतरास

बड़ी आपदा

- घरों के जमींदोज होने से लोगों के सामान भी दब गए
- पूरे धनबाद में आए दिन होते रहते हैं इस तरह के हादसे

जोगता थाना अंतर्गत 11 नंबर हरिजन बस्ती में रविवार को भू धंसान से 3-4 घरों के जमींदोज होने की खबर है. बताते हैं कि कच्चे घरों के जमीन में धंसने से यहां अफरातफरी मच गई. भू धंसान के बाद कई लोगों के घरों में रखे अनाज, कपड़ा आदि बर्बाद हो गए. हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

प्रभावित स्थल पर छोटे-बड़े गोफ बन गए हैं, जिससे जहरीली गैस निकल रही है.बताया जाता है कि लोगों में बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग कंपनी के खिलाफ भारी रोष है. आक्रोशित लोगों ने कनकनी आउटसोर्सिंग कम्पनी के परिवहन का कार्य फिलहाल रोक दिया है. बताते हैं कि जोगता की अनामिका देवी एवं पुलिस भुईया तथा एक अन्य मजदूर का घर इस घटना में धंस गया है. भुक्तभोगियों ने बताया कि जोगता के इस क्षेत्र में अक्सर जमीन धंसने की घटनाएं होती रहती हैं. मालूम हो कि विगत 14 अगस्त की रात्रि लगभग 2:15 बजे जोरदार आवाज के साथ 200 मीटर के दायरे में गहरा गोफ बन गया था, जिसमें हनुमान मंदिर सहित एक ही परिवार के तीन लोग समा गये. लोगों के बीच भागमभाग की स्थिति उत्पन हो गई थी.

ब्रीफ खबरें

चार घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

घाटशिला। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल घाटशिला सोमवार को राजस्टेट फीडर का मेंटेनेंस कार्य करेगी. इससे चार घंटा विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्युत सहायक अभियंता अमरजीत प्रसाद ने बताया कि दुर्गा पूजा त्यौहार को देखते हुए 11 केवी राजस्टेट फीडर लाइन का मेंटेनेंस कार्य के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. इस दौरान राजस्टेट, कशीदा, घाटशिला मेन रोड एवं फीडर लाइन से जुड़े क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी.

सड़क के ऊपर झूल रहे हैं हाई टेंशन तार

चाकुलिया। प्रखंड अंतर्गत बड्डीकानपुर-कालापाथर पंचायत में मधुपुर से पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे पोचापानी गांव जाने वाली सड़क के ऊपर हाईटेंशन तार झूलने से किसी अनहोनी की संभावना बनी हुई है. ग्रामीणों के मुताबिक दो खंभों के बीच हाईटेंशन तार सड़क के ऊपर झूल गए हैं. इसके साथ ही हाईटेंशन तार सड़क के किनारे स्थित एक पेड़ के डालियों के बीच से भी गुजरे हैं. इस स्थिति में कभी भी अनहोनी हो सकती है.

मधुपुर में सात पर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज

देवघर। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर कनीय अभियंता सतीश कुमार के नेतृत्व में पावरचक, पथरिया, जाभागुड़ी व ककली गांव में बिजली चोरी के खिलाफ 8 अक्टूबर को अभियान चलाया गया. इस क्रम में सात लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा गया. इन लोगों पर करीब 90 हजार रुपये विद्युत राजस्व की क्षति पहुंचाने का आरोप लगाते हुए बुढ़ई थाना में मामला दर्ज किया गया. छापेमारी में कनीय अभियंता सतीश कुमार सहित विभागीय कर्मी शामिल थे.

समिति बनाएगी बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड

जमशेदपुर। सिंहभूम केंद्रीय वरिष्ठ नागरिक समिति की साप्ताहिक बैठक में रविवार को गांधी घाट में आयोजित की गई. बैठक में सभी वरिष्ठ लोगों का राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्णय लिया गया. इसलिए सभी लोगों से आग्रह है कि जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, वे रविवार को सुबह 10 से 11 बजे तक गांधी घाट पार्क साकची में समिति के कैलाश प्रसाद, रिचर्ड पसायन, जेएन अग्रवाल और जेके राजू से संपर्क करें.

जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग

गुड़ाबांदा। प्रखंड के बालीजुड़ी पंचायत अंतर्गत बेड़ापाल ब्रिज चौक से प्रधान टोला के लिए जानेवाली सड़क जर्जर हो गई है. सड़क पर कई बड़े गड्ढे बन गए हैं. पूरी सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है. इस सड़क पर बाइक चलाना तो दूर की बात है, लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क अपने जिर्णोद्धार की बाट जोह रहा है. ग्रामीण अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से परेशान हैं. विगत दिनों हुई बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर गया है.

डीसी से कार्रवाई करने की मांग की

आदित्यपुर। जिले में सड़क बनाने वाली और आमलोगों से टोल वसूलने वाली एजेंसी जेएआरडीसीएल क्षतिग्रस्त सड़कों को जानबूझकर मरम्मत करने में कोताही बरत रही है. सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा ने कांड्रा-सरायकेला मुख्य मार्ग स्टेट हाईवे पांच पर स्थित कोलाबीरा टनल के दक्षिणी छोर की क्षतिग्रस्त सड़कें का मुद्दा उठाते हुए सरायकेला डीसी रविशंकर शुक्ला को ज्ञापन सौंपा है. इसमें सड़क निर्माण एजेंसी पर आपराधिक मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है.

लोकेसाई में बनेगा स्वास्थ्य उपकेंद्र, हुआ शिलान्यास

नोवामुंडी। प्रखंड के लोकेसाई में रविवार को स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद गीता कोड़ा एवं विधायक सोनाराम सिंकु ने किया. ग्रामीणों ने पारंपरिक ढोल नगाड़ों के साथ सांसद एवं विधायक का स्वागत किया. सांसद एवं विधायक ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इसके पश्चात दोनों अतिथियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक की एवं उनकी समस्याओं को जाना.

जिले के सभी प्रखंडों में विधिक सशक्तीकरण शिविर का आयोजन

3 करोड़ 34 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण

संवाददाता। धनबाद

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम शर्मा के निर्देश पर रविवार को विधिक सशक्तीकरण सह जागरुकता शिविर का आयोजन जिले के सभी प्रखंडों में किया गया. गोविंदपुर प्रखंड कार्यालय में आयोजित मेगा एंपावरमेंट कैंप में लोगों को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार निताशा बारला ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रति हित प्रहरी के रूप में कार्य करता है.

सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सुगमता से पहुंचाना शिविर का मुख्य उद्देश्य है. प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी एसएस तिर्की ने कहा कि सुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों को त्वरित न्याय कैसे प्राप्त हो, इस बारे में जागरूकता के लिए डालसा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहा है. लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम

सशक्तीकरणशिविर में न्यायिक पदाधिकारी व अन्य.

के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से धनबाद जिले के सभी गांवों तक पहुंचने का लक्ष्य है. प्रयास है कि ग्रामीण जनता तक सुलभ एवं त्वरित न्याय पहुंचाया जा सके.

वहीं मीडिया से बातचीत में न्यायाधीश बारला ने कहा कि जिले के सभी 10 प्रखंडों में प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी द्वारा विधिक सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया. उन्होंने बताया कि

खास बातें

- योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाना उद्देश्य : निताशा
- 36 हजार 970 लाभुकों के बीच हुआ वितरण

रविवार को विभिन्न ब्लॉकों में अवर न्यायाधीश सत्यभामा, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी,एस एस तिर्की, विशाल माझी, सुभाष बाडा, जेनिस मिंज, पूजा पांडे, सुरेश उरांव, अभिनव त्रिपाठी, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट , सहायक एलएडीसीएस नीरज गोयल, सुमन पाठक , कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति कुमारी शैलेन्द्र झा,सुमन पाठक, मुस्कान चोपड़ा व विभिन्न थाना प्रभारियों के नेतृत्व में ऑन स्पोर्ट 36 हजार 970 लाभुकों के बीच 3 करोड़ 34 लाख 74 हजार 730 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.

ग्रामीणों को दी गई बैंकिंग सेवा की जानकारी

लातेहार। सदर प्रखंड के हेठपोचरा ग्राम में रविवार को सेंट्रल बैंक की हेठपोचरा शाखा के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पोचरा पंचायत सचिवालय में आयोजित इस जागरूकता कार्यशाला में शाखा प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बैंक की कई योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया. उन्होंने कहा कि बैंक बचत करने का एक सशक्त माध्यम है. आपके जमा धन पर बैंक के द्वारा ब्याज दिया जाता है. सेंट्रल बैंक के द्वारा चलायी जा रही कई ऋण एवं अन्य स्कीम की जानकारी दी. कहा कि किसी भी प्रकार की लेन-देन के लिए ग्रामीण शाखा में आकर उनसे मिल सकते हैं.

आज से शुरू होगा सघन मिशन इंद्रधनुष

गावां। प्रखंड में सघन मशीन इंद्रधनुष 5 का तीसरा चरण 9 अक्टूबर से शुरू होगा, जो 14 तक चलेगा. प्रखंड के 394 बच्चे व 105 गर्भवती महलिाओं का टीकाकरण होगा. यह अभियान ऐसे इलाकों में चलेगा, जहां किसी भी कारण से शून्य से लेकर पांच वर्च तक की उम्र के बच्चों व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण नहीं हो पाया. यह जानकारी सीएचसी प्रभारी चंद्रमोहन कुमार ने दी. सीएचसी प्रभारी चंद्रमोहन कुमार ने बताया की अभियान के दौरान सोमवार से शनिवार तक नियमित टीकाकरण किया जाएगा.

आओ जानें

प्रमुख ऐतिहासिक पुस्तक एवं लेखक

पुस्तक	लेखक
विष्णु शर्मा	पंचतंत्र
पाणिनि	अष्टाध्याई
बाणभट्ट	कादंबरी
चाणक्य	अर्थशास्त्र
अश्वघोष	बुद्धचरित
मैथिलीशरण गुप्त	भारत-भारती
कल्हण	राज तरंगिणी
मलिक मोहम्मद	जायसी पद्मावत
रसखान	प्रेम वाटिका
शुद्रक	मृच्छकटिकम्
वात्सायन	कामसूत्र

क्वार्टरों के अवैध आवंटन पर आरडीडी ने मांगी जांच रिपोर्ट

संवाददाता। धनबाद

डॉक्टर्स कॉलोनी में क्वार्टरों को दूसरे के नाम पर आवंटित करने व आवंटित क्वार्टरों से अवैध वसूली का मामला तूल पकड़ रहा है. पिछले दिनों पूर्व सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा के समय ही यह मामला उठा था. सीएस कार्यालय के लिपिक पर आरोप लगा था कि आवंटित क्वार्टरों व सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के एवज में लाभुक से पैसे लिए जा रहे हैं. हालांकि कुछ दिनों में ही मामला ठंडे बस्ते में चला गया. अब इस मामले की जांच का आदेश छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग के आरडीडी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल ने सिविल सर्जन डॉ. सीबी प्रतापन को दिया है. मामले की जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है. बता दें कि पृथ्वी हांसदा ने स्वास्थ्य मुख्यालय को पत्र लिख कर सिविल सर्जन कार्यालय के एक लिपिक पर कोर्ट रोड स्थित डॉक्टर्स क्वार्टरों को अवैध रूप से दूसरे के नाम पर आवंटित करने व सरकारी योजनाओं के एवज में लाभुक से पैसे लेने का आरोप लगाया था.

दो महीने में छह बार जला मोटर कॉलोनी में दो दिन से पानी बंद

संवाददाता। जमशेदपुर

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना के फिल्टर प्लांट में लगा मोटर दो महीने में छह बार सात अक्टूबर को रात में जल गया. इससे कॉलोनी के 1140 घर में पानी सप्लाई बंद है. कॉलोनी वासी पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर की देर रात फिल्टर प्लांट में मोटर में लगे स्टार्टर जल जाने के कारण पानी सप्लाई बंद हो गई है. वहीं इससे पूर्व एक सप्ताह के बाद दो अक्टूबर को बिजली कनेक्शन ठीक होने के बाद पानी सप्लाई शुरू हुई थी. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन हुई. हालांकि 1.86 करोड़ की लागत से नए फिल्टर प्लांट का काम शुरू हुआ है लेकिन उसमे अभी वक्त लगेगा. इस संबंध में बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से बात हुई है उन्होंने जल्द एक नए मोटर की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है.

महाधरना में भाग लेंगी सेविका व सहायिकाएं

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले की सेविका व सहायिकाओं की बैठक रविवार को स्थानीय कांग्रेस भवन में झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष अनिता बिरुवा की अध्यक्षता में हुई. बैठक में 11 अक्टूबर को रांची के हुसैन पार्क में आठ सूत्री मांगों के समर्थन में आयोजित सेविकाओं के महाधरना पर चर्चा की गई. प्रदेश अध्यक्ष अनिता बिरुवा ने कहा कि इस महाधरना को सफल बनाने में कोई कसर न छोड़ें. पूरे राज्यभर की सेविका तथा सहायिकाएं इसमें भाग ले रही हैं. झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में होनेवाले इस महाधरना के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आठ सूत्री मांगपत्र सौंपा जाएगा. अनिता बिरुवा ने कहा कि सेविका व सहायिका के लिए निर्गत नियमावली में व्याप्त त्रुटि दूर करने तथा केंद्रीय मद में बकाया राशि के भुगतान समेत आठ सूत्री मांगें शामिल हैं. अनिता बिरुवा ने कहा कि पहले भी सरकार के समक्ष इन मांगों को रखा गया था.

वाहन मालिकों का आंदोलन समाप्त

संवाददाता। निरसा

जेम्स पोर्टल टेंडर के विरोध में ईसीएल मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य द्वार पर 6 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे वाहन मालिक व चालकों का आंदोलन शनिवार शाम करीब 8 बजे समाप्त हो गया. धरना स्थल पर आकर टेंडर स्थगित करने की प्रबंधन की घोषणा के बाद आंदोलनकारी खुशी से झूम उठे. सभी पूर्व विधायक अरुप चटर्जी के पक्ष में जमकर नारेबाजी करने लगे.

मौके पर पूर्व विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि हमारी चट्टानी एकता को देखते हुए ईसीएल प्रबंधन ने तत्काल जेम्स पोर्टल के टेंडर को स्थगित कर दिया. हाल के दिनों में नए टेंडर की अवधि 5 वर्षों तक एवं पुराने वाहन मालिकों को प्राथमिकता मिलने जैसी कई सुविधाएं लड़कर प्राप्त की. उन्होंने कहा कि ईसीएल की स्थापना काल से स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए कंपनी प्रबंधन ने छोटे

पूर्व विधायक अरूप चटर्जी को स्थगन पत्र सौपते प्रबंधन के अधिकारी.

खास बातें

- चट्टानी एकता को देख झुका ईसीएल : अरूप चटर्जी
- टेंडर स्थगित करने की घोषणा के बाद झूम उठे आंदोलनकारी

वाहन परिचालन का शुरू किया था. परंतु वर्तमान केंद्र सरकार व कोल इंडिया प्रबंधन ने पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने की नीयत से जेम्स पोर्टल के माध्यम से छोटे वाहनों

50 से अधिक छोटे वाहन मालिक थे हड़ताल पर

बीसीकेयू के बैनर तले ईसीएल मुगमा क्षेत्र के 50 से अधिक छोटे वाहन मालिक व चालकों ने वाहनों का परिचालन बंद कर ईसीएल मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किया था . टेंडर स्थगित होने की घोषणा के साथ ही वाहन चालक व मालिकों ने खुशी का इजहार करते हुए मिठाई बांटी .

मेन रोड पर बह रहा शौचालय का गंदा पानी

लातेहार। शहर के एनएच-75 पर पोचरा मोड़ के पास सड़कों में नाली व शौचालय का गंदा पानी बह रहा है. इससे लोग खासे परेशान हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि मुहल्ले के कुछ लोगों के द्वारा घर के नाली और शौचालय का गंदा पानी में सड़क पर बहाया जा रहा है. मना करने पर अभद्र व्यवहार किया जाता है. इसे लेकर लोगों में भारी आक्रोश है. कई लोगों ने बताया कि उन्होंने इस मामले की शिकायत नगर पंचायत के अधिकारियों से कई बार की है, बावजूद इसके आज तक इस समस्या के समाधान को लेकर नगर पंचायत के द्वारा कोई सार्थक प्रयास नहीं किया गया. लोगों का कहना है कि सड़क पर जब भी गाड़ियां गुजरती है तो गंदे पानी का छींटा लोगों को पड़ता है. अभी त्यौहारों का मौसम चल रहा है. ऐसे में लोगों को और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन से समस्या का समाधान कराने का आग्रह किया है.

20% बोनस की मांग, दिया धरना

संवाददाता। निरसा

एमपीएल के अधीन इंडवेल व अन्य कंपनी में कार्यरत मजदूर 20% बोनस की मांग, वेतन कटौती व प्रबंधन के तानाशाही रवैये के खिलाफ रविवार को धरना पर बैठ गये. एमपीएल कामगार यूनियन के बैनर तले मजदूरों के समर्थन में दूसरी कंपनी रमेश शर्मा व श्री गणेश (वेट ब्रिज) के भी सभी कर्मचारी धरना में शामिल हैं.

ज्ञात हो कि एक माह पहले एमपीएल के ठेकेदार व मजदूरों के बीच वार्ता हुई थी, जिसमें 5 अक्टूबर तक बोनस 8.33% से बढ़ाकर 20% कर देने पर सहमति बनी थी. परंतु सभी ठेकेदार अपनी बात से मुकर गए व 8.33% का बोनस थमा दिया. इंडवेल कंपनी के अधिकतम कर्मचारियों को 4.16% ही बोनस दिया गया. आंदोलनरत कर्मियों का कहना है कि जब

प्रबंधनके खिलाफ नारेबाजी करते मजदूर.

खास बातें

- सैलरी कटौती का विरोध व बोनस बढ़ोतरी की मांग
- एमपीएल कामगार यूनियन के बैनर तले किया प्रदर्शन

इंडवेल कंपनी के एचआर भैरव मंडल से बोनस संबंधी बात की गयी तो टालमटोल की नीति अपनाई जाती है. प्रबंधन भी चुप्पी साधे हुए है. इंडवेल में कार्यरत चिरंजीत मंडल ने कहा कि जब तक मांगें मान नहीं ली जाती, आंदोलन जारी रहेगा. धरना में हराधन बाउरी, मनोज महतो, गौतम बॉस, शमीम अथर, आनंद महतो, राम मंडल, संतोष गोराई, मनोज मोदी, पिंटू मंडल, निमाई, संदीप, दीपक महतो आदि शामिल रहे.

डेंगू व डायरिया से जनरल वार्ड फुल

संवाददाता। घाटशिला

अनुमंडल अस्पताल घाटशिला के जनरल वार्ड डायरिया, डेंगू एवं वायरल फीवर के मरीजों से पूरी तरह भरा हुआ है. रविवार को जनरल वार्ड के 23 बेड पूरी तरह फुल हो गए. अस्पताल में कुल 36 मरीज भर्ती हैं. इसके अलावा अलग से ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को लगाकर भर्ती किया जा रहा है. रविवार के कारण एक नर्स पर पूरे मरीज की जिम्मेदारी थी. अस्पताल के फार्मासिस्ट विश्वनाथ महतो ने कहा कि स्टाफ की कमी व मरीजों की बढ़ती भीड़ के कारण काम ज्यादा बढ़ गया है. इमरजेंसी वार्ड में

खास बातें

- रविवार को जनरल वार्ड के 23 बेड पूरी तरह हुए फुल
- मैन पावर की कमी है कमी फिर भी दे रहे सुविधा : डॉ. आरएन

एक चिकित्सक ड्यूटी पर हैं. अस्पताल में एक भी बेड खाली नहीं है. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरएन सोरेन ने बताया कि मैन पावर की कमी के बावजूद लोगों को बेहतर सुविधा प्रदान की जा रही है. मरीजों की भीड़ को देखते हुए अलग-अलग जगह पर बेड लगाकर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है.

डेंगू व डायरिया को लेकर एसपी ने पुलिसकर्मियों को चेताया

साहिबगंज। जिले में पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को डेंगू व डायरिया से बचाए रखने को लेकर पुलिस कप्तान नौशाद आलम ने एडवाइजरी जारी की है . इसमें उन्होंने वरीय पुलिस पदाधिकारियों को खुद बचने व कनीय को बचाने का निर्देश दिया है . कहा है कि सभी थाना प्रभारियों को भ्रमणशील रहना है, किसी क्षेत्र में डेंगू व डायरिया फैलता है तो इसकी जानकारी पहले स्वास्थ्य विभाग को दें . इसके बाद पुलिस विभाग को सूचना देकर बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था या सहयोग करें . पुलिस कप्तान ने सभी पदाधिकारी को भेजे गए पत्र में डेंगू व डायरिया से बचाव के लिए एहतियात बरतने का निर्देश दिया है . इसमें कहा गया है कि सभी पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मच्छरदानी का जरूर उपयोग करेंगे व पीने के लिए गर्म पानी का

इस्तेमाल करेंगे . सभी थाना व आवास के आसपास पूर्ण रूप से स्वच्छता का ध्यान रखेंगे . किसी भी हालत में जल जमाव नहीं होने दें . इधर पुलिस कप्तान ने बरहेट थाना में पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार सहित थाना प्रभारी व अन्य पदाधिकारी के साथ बैठक कर उन्हें डेंगू, मलेरिया, डायरिया व कालाजार से सतर्क रहने का निर्देश दिया . मालूम हो कि राजमहल एसडीओ के बॉडीगार्ड सारजेन मुर्मू को डेंगू हो गया है, उनका इलाज धनबाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में चल रहा है .

खुशखबरी स्थाई प्रकृति कार्य करने वाले अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करने की योजना प्रस्तुत करने का निर्देश

अस्थाई कर्मचारियों को जल्द स्थाई करने का निर्देश

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के उप श्रमायुक्त (डीएलसी) ने हाईकोर्ट के निर्देश पर टाटा मोटर्स प्रबंधन को स्थाई प्रकृति कार्य करने वाले अस्थाई कर्मचारियों को तीन माह के अंदर स्थाई करने की योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है.

जानकारी वरीय अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने रविवार को साकची में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को दी. उन्होंने बताया कि पिछले 30 वर्षों से टाटा मोटर्स प्रबंधन द्वारा श्रम कानून का उल्लंघन करते हुए कंपनी के अंदर स्थाई प्रकृति के कार्य को अस्थाई कर्मचारियों से कराया जाता है. कई

प्रेस वार्ता में उपस्थित वकील एवं अन्य.

ऐसे मजदूर है जो 30 वर्षों तक कंपनी में अस्थाई कर्मचारी के तौर पर काम करते हुए सेवानिवृत हो गए. वैसे कर्मियों को कोई लाभ नहीं मिल पाया. जिसको लेकर अस्थाई कर्मचारियों ने वर्ष 2018 में मुंबई हाईकोर्ट में टाटा मोटर्स प्रबंधन के खिलाफ याचिका दायर की थी.

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की थी खारिज

सुनवाई करते हुए मुंबई हाईकोर्ट ने टाटा मोटर्स द्वारा किए जा रहे श्रम कानून के उल्लंघन को सही पाया और वर्ष 2022 सितंबर को कंपनी प्रबंधन को आदेश दिया कि अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करें और जब से वो कार्यरत है उस समय से स्थाई कर्मचारियों को मिलने वाला लाभ उन्हें प्रदान करे . टाटा मोटर्स प्रबंधन ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की . सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट के आदेश को सही पाया और याचिका को खारिज कर दिया . कर्मचारियों ने मुंबई हाईकोर्ट के आदेश के आधार पर रांची हाईकोर्ट में याचिका दायर कर न्यायलय से आग्रह किया कि हाईकोर्ट टाटा मोटर्स प्रबंधन को आदेश दे . हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए डीएलसी को निर्देश दिया कि वो टाटा मोटर्स प्रबंधन से वार्ता कर सभी अस्थाई कर्मचारियों को यथाशीघ्र स्थाई कराए और उन्हें स्थाई कर्मचारियों का लाभ दिलाए . प्रेस वार्ता में अफसर जावेद उपस्थित थे .

पानी-बिजली की स्थिति चौपट दुर्गापूजा में हो सकती है खटपट

संवाददाता। धनबाद

बंगाल से सटे होने के कारण धनबाद कोयलांचल में दुर्गापूजा का विशेष महत्व है. शहर में तैयारी भी जोर-शोर से चल रही है लेकिन शहर में पानी और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था चौपट है. आए दिन शहर के किसी न किसी इलाके में जलापूर्ति ठप होने की शिकायत मिल रही है. कई स्थानों पर 20 से 25 मिनट ही जलापूर्ति की जा रही है. बारिश के कारण आधी से अधिक स्ट्रीट लाइट जबाब दे चुकी है. चौक-चौराहों पर लगा सीसीटीवी कैमरा भी बंद है. वार्डों में बनाए गए डस्टबिन से कचरा उठाव भी नहीं हो रहा है. सड़कों की स्थिति भी ठीक नहीं है. जिसपर पिछले दिनों समाहरणालय में हुई बैठक पर डीसी वरुण रंजन कड़ी नारजगी जाहिर कर चुके है.

अलग-अलग विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर असंतोष व्यक्त किया है तथा उसमें सुधार लाने की बात कही है. उन्होंने पेयजल विभाग, नगर निगम व पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को तैयार किए गए एक्शन प्लान पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया है. 10 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर नागरिकों को सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है.

ब्रीफ खबरें

संघ की बैठक को सफल बनाने पर चर्चा

चक्रधरपुर। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी संघ की ओर से रविवार को चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल परिसर में बैठक का आयोजन किया . बैठक की अध्यक्षता संघ के संरक्षक हरदेव सिंह ने की. बैठक के दौरान 5 नवंबर को संघ के होने वाले सम्मेलन को सफल बनाने पर चर्चा की गई. बैठक के दौरान मौजूद संघ के राज्य उपाध्यक्ष सदानंद होता ने कहा कि झारखंड गठन के 22 साल के बाद भी सरकारी विभागों में वर्षों से बड़ी संख्या में कार्यरत कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया है.

कृषक मित्रों का आमरण अनशन

गोड्डा। अपनी मांगों के समर्थन में राज्यभर के कृषक मित्रों की ओर से की जा रही भूख हड़ताल पर कोई सुनवाई नहीं होने पर अब आंदोलन आमरण अनशन में बदल गया है. सत्ता पक्ष के विधायकों व मंत्रियों के आवास पर पिछले तीन दिनों से भूख हड़ताल जारी है. इसी क्रम में महगामा विधायक दीपिका पाण्डेय सिंह के मेहरमा प्रखंड स्थित आवास के बाहर प्रदेश अध्यक्ष शशि भगत के नेतृत्व ने दर्जनों कृषक मित्र नारेबाजी करते हुए आमरण अनशन पर बैठ गए. अब तक राज्य सरकार ने संज्ञान नहीं लिया. इस कारण 8 अक्टूबर से कृषक मित्रों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है.

'सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं ग्रामीण'

सिमडेगा। ठेठाईटांगर मंडल के बखरी टोली गांव में भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में श्रद्धानंद बेसरा ने केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांवों और शहरों के विकास के लिए अनेक योजनाएं बनाई. ग्रामीण माताओं के लिए उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए. स्वच्छता अभियान के तहत घर-घर शौचालय बनाए गए. प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन और जल नल योजना के तहत घर-घर नल जल दिए गए.

झारखंडी हक को लेकर गरजे जयराम

चौपारण। चौपारण ब्लॉक मैदान में रविवार को झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति की ओर से बदलाव संकल्प सभा का आयोजन किया गया. इसमें जयराम महतो झारखंडी हक-अधिकार के मुद्दे पर खूब गरजे. संजय मेहता के नेतृत्व में आयोजित इस सभा में हजारों की संख्या में लोग जुटे. इस सभा की तैयारी 45 दिनों से की जा रही थी.बदलाव संकल्प सभा में जयराम महतो ने कहा कि झारखंड एक मुश्किल दौर में है. दो दशकों के बाद भी झारखंड में झारखंडियों के लिए नीतियां नहीं बन पायी.

युवा राजद ने किया कमेटी का विस्तार

रांची। युवा राष्ट्रीय जनता दल के रांची जिलाध्यक्ष गुलजार अंसारी के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें जिला कमिटी और प्रखंड कमेटी का गठन किया गया. जिला उपाध्यक्ष सलीम जावेद, जिला प्रधान महासचिव अभिमन्यु सिंह, जिला सचिव मुस्ताक़ आलम, अंजर अंसारी और कांके प्रखंड अध्यक्ष तौफीक आलम को बनाया गया. मौके पर गुलजार ने कहा कि सभी अपने क्षेत्र में लालू प्रसाद के विचारों को घर-घर तक पहुंचाए. साथ ही सदस्यता अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करें.

भाजपा की बैठक में विस्तार की रणनीति

कसमार। कसमार स्थित भाजपा प्रखंड कार्यालय में बूथ सशक्तीकरण व मेरी मिट्टी, मेरा देश कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में प्रखंड प्रभारी के रूप में पूर्व जरीडीह प्रखंड 20 सूत्री कमेटी अध्यक्ष संजय सिंह, जिला बीस सूत्री कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक व अनिल स्वर्णकार मुख्य रूप से उपस्थित थे. बैठक में बूथ कमेटी को सशक्त करने को लेकर बताया गया कि जो भी कार्यकर्ता कमेटी में सक्रिय नहीं हैं, उन्हें हटाकर सक्रिय कार्यकर्ताओं को तुरंत जोड़ने का कार्य करना है.

ग्रामीण नाराज, कहा- सांसद गीता कोड़ा ने दिया था आश्वासन, पर मामला आगे नहीं बढ़ा

नदी पर पुल नहीं बनने पर वोट बहिष्कार की घोषणा

संवाददाता। किरीबुरु

नक्सल प्रभावित सारंडा के गंगदा पंचायत का सबसे सुदूरवर्ती गांव लेम्ब्रे के ग्रामीणों ने पुल नहीं तो वोट बहिष्कार का ऐलान किया है. 8 अक्टूबर को उपायुक्त के निर्देश पर लेम्ब्रे गांव में मुंडा लेबेया देवगम की अध्यक्षता में गांव के विकास को लेकर ग्राम सभा आयोजित हुई थी. इस बैठक में सर्वसम्मति से मुख्य सड़क से लेम्ब्रे गांव तक जाने के लिए कोयना नदी पर पुल का निर्माण, गांव में पीसीसी सड़क, स्कूल की चहारदीवारी, शुद्ध पेयजल आदि की व्यवस्था का प्रस्ताव पारित किया गया. गांव के मुंडा लेबेया देवगम ने बताया कि उनके गांव से जिला, प्रखंड, पंचायत मुख्यालय, थाना, अस्पताल आदि को जोड़ने में सबसे बड़ी बाधक बनी कोयना नदी पर अगर पुल का निर्माण चुनाव से पूर्व नहीं हुआ तो गांव का एक भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने मतदान केन्द्र पर नहीं जाएंगे. मुंडा ने कहा कि बीते दिनों गर्मी में जब नदी का पानी काफी कम था तो सांसद गीता कोड़ा पहली बार वाहन से नदी पार कर उनके गांव पहुंची थी. उन्होंने नदी पर पुल बनाए जाने का आश्वासन दिया था. उसके बाद विभागीय अधिकारी सर्वेक्षण के लिए भी आये थे.

किसी राजनीतिक नेताओं से कोई नाराजगी नहीं

मुंडा लेबेया देवगम ने कहा कि बारिश के दिनों में उनका गांव टापू में तब्दील हो जाता है. कोई बीमार हो जाए या सांप आदि काट ले तो इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जा सकते हैं. ऐसे में मरीज गांव में ही दम तोड़ देता है. यह समस्या सबसे बड़ी व मुख्य समस्या है. पंचायत चुनाव के बाद से मुखिया राजू सांडिल कभी भी लेम्ब्रे गांव नहीं आए और न ही कभी ग्राम सभा में शामिल हुए. पंचायत की कोई भी योजना इस गांव में संचालित नहीं हो रही है. ग्रामीणों को किसी राजनीतिक नेताओं से कोई नाराजगी नहीं है. लेकिन जबतक कोयना नदी पर पुल नहीं बनेगा तब तक ग्रामीण हर चुनाव में वोट बहिष्कार करेंगे. इस बैठक में दुला चाम्पिया, चरण सिंह चाम्पिया, कानु चाम्पिया, मान सिंह चाम्पिया, उगीराम चाम्पिया, कांडे देवगम, जुनेया अंगारिया, बुधु चाम्पिया, बेसरा चाम्पिया, मोटाय चाम्पिया, सोमबारी चाम्पिया आदि ग्रामीण मौजूद थे.

आजसू पार्टी में युवाओं, महिलाओं की होगी महत्वपूर्ण भागीदारी

सीएम जातीय जनगणना पर बरगलाना बंद करें : सुदेश

पार्टी के केंद्रीय समिति में 50 प्रतिशत युवा सदस्य, 30 प्रतिशत महिला को दिया जायेगा पद

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी का संगठन में युवाओं और महिलाओं को तबज्जो दी जायेगी. इसको लेकर पार्टी के केन्द्रीय कार्यलाय में संगठन के विस्तार पर चर्चा हुई. बैठक की आध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने किया. बैठक में पार्टी के भावी केंद्रीय समिति का स्वरूप तय किया गया. इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय समिति में 50 प्रतिशत युवा,जिनकी उम्र 40 वर्ष से कम होगी उनको स्थान दिया जाना तय किया गया. साथ ही 30 प्रतिशत महिलाओं को भी पार्टी संगठन मे पदाधिकारी बनाया जायेगा. राज्य के आबादी के आधार पर केंद्रीय समिति में पदाधिकारियों को स्थान दिया जाएगा. राज्य के सभी प्रखंड और नगर निकाय से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने वाले कम से कम एक महिला एवं एक पुरुष केंद्रीय समिति में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे. बैठक में शामिल पार्टी नेताओम को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी अनुशासन से ही लक्ष्य तक पहुँच सकती है. राज्य में पार्टी की जड़े मजबूत करनी होगी.

पार्टी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सभी पर. सभी को मिलकर जिम्मेदारी लेते हुए तीन महीने के अंदर एक लाख सक्रिय सदस्यों को पार्टी से जोड़ना है. महाधिवेशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के बड़ी आबादी पर महाधिवेशन का साकारत्मक असर है, लोग महाधिवेशन के सोच और प्रयास को सरहा रहे हैं. महाधिवेशन में लिए गए संकल्पों को अब धरातल पर उतारने का समय आ गया है.

जातीय जनगणना राज्य के हर वर्ग के लिए जरुरी

सुदेश महतो ने जातीय जनगणना को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जातीय जनगणना के मुद्दे पर राज्य की जनता को चिट्ठी लिख कर और अन्य तरीके से बरगलाना बंद करे . सरकार जल्द से जल्द जातीय जनगणना करवाएं. यह मुख्यमंत्री के एकाधिकार का विषय है. जातीय जनगणना इस राज्य में रहने वाले हर वर्ग के लोगों के लिए बहुत आवश्यक है. इसके आधार पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं जिससे अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति का भी विकास हो पाए .इस बैठक में पार्टी के सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री, जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी जिला अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रमुख नेता हुए शामिल रहे.

विभिन्न मुद्दों को लेकर सेवानिवृत्त संघ ने की बैठक

सेल पेंशन का भुगतान नहीं कर रहा

- सेल प्रबंधन द्वारा सेल पेंशन को एनपीएस बनाकर चालू किया जा रहा है

संवाददाता। नोवामुंडी

सेवानिवृत्त श्रमिक संघ ने विभिन्न मुद्दों को लेकर रविवार को गुवा सेल क्लब में बैठक की. बैठक की अध्यक्षता विश्वकेशन महापात्रों ने की. इस दौरान विश्वकेशन महापात्रों ने कहा कि सेल प्रबंधन रिटायर्ड सेल कर्मियों को ईपीएस-95 सरकारी पेंशन का भुगतान करती है, परंतु गुवा सेल प्रबंधन रिटायर्ड सेल कर्मियों को विगत 10 सालों से इसका भुगतान नहीं कर रही है.

सेल प्रबंधन द्वारा सेल पेंशन को एनपीएस बनाकर चालू किया जा रहा है. एक जुलाई 2021 से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को ही एनपीएस का नया नाम देकर भुगतान कर रही है. एक जुलाई 2021 से पहले सेवानिवृत्त हुए सेल कर्मियों को सेल पेंशन का भुगतान नहीं कर रही है, जबकि दोनों पेंशन एक ही है.

आंदोलन की दी चेतावनी

विश्वकेशन महापात्रो ने कहा कि सेल अस्पताल में दवा की पूर्ण व्यवस्था करने, 2.5 लाख रुपए का स्कीम चालू करने, सेवानिवृत्त कर्मियों के आश्रितों को नौकरी देने और सेवानिवृत्त तिथि से ग्रेच्युटी का इंटरेस्ट देने की मांग की हैं. कहा है कि उनकी मांगों पर सेल प्रबंधन अगर विचार नहीं करता है तो जल्द ही जिप अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन की अध्यक्षता में आंदोलन किया जाएगा. बैठक में विश्वकेशन महापात्रो, बलदेव दास, मंगल लकड़ा, मुरली तांती, नभीदत, रवि सांडिल, मुरली राउत,सरयू दास,सोमा महतो, जगन्नाथ दास,राम सिंह, मंगल तुबीद,ओलिवर तिर्की, पद्मलोचन तांती, हरिपदो दास,सोमरा मिंज, बनारस प्रसाद, अजीत सिंह, दासों तिरिया सहित अन्य मौजूद थे.

सरगर्मी तेज, आज से शुरू होगी चुनावी प्रक्रिया

हजारीबाग। हजारीबाग बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है. नई कमेटी के गठन को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह भी दिख रहा है. नौ अक्तूबर से चुनावी प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी. 20 अक्तूबर को मतदान होगा. इसमें लगभग 700 अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. बार चुनाव में पुराने और दिग्गज अधिवक्ता फिर ताल ठोंकने को तैयार हैं. अधिवक्ताओं की मानें, तो चुनावी प्रक्रिया में बार के पर्यवेक्षक और चुनाव पदधिकारी को पारदर्शिता दिखानी होगी. वहीं अधिवक्ताओं का एक गुट चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता दिख रहा है. वहीं, मतदाता सूची जल्द प्रकाशित करने को लेकर भी सवाल खड़ा किया जा रहा है.

युवा कांग्रेस का मिलन समारोह संवाद के लिए जुटे सभी 24 जिलों के कार्यकर्ता

जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया का नारा किया बुलंद

संवाददाता। रांची

झारखंड युवा कांग्रेस का मिलन समारोह रविवार को गीतांजलि बैंक्वेट हॉल, मोरहाबादी में आयोजित किया गया. इसमें कांग्रेस महासचिव सह झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. इनके अवावा, एआईसीसी सचिव सह भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अलावरु, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री बादल पत्रलेख, विधायक अनूप सिंह, दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव पूर्व विधायक ममता देवी गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव, बाल आयोग के सदस्य उज्जवल प्रकाश तिवारी और झारखंड युवा कांग्रेस के सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित रहे.

इस मिलन समारोह का उद्देश्य वर्तमान और पूर्व जिलाध्यक्षों,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को संवाद के लिए एक मंच पर लाना था. कार्यक्रम में सभी 24 जिलों के कार्यकर्ता शामिल हुए. इस मौके पर अविनाश पांडे ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी के लिए ईमानदारीपूर्वक काम करें. यह समय काफी कठिन है. कोई अगर विधायक बना हो, सांसद बना हो, मंत्री बना हो तो यह युवा कांग्रेस की ही देन है. जिसे पद नहीं भी मिला वह कार्य करते रहें, आज न कल उन्हें भी जरूर पद मिलेगा.

इस मौके पर विधायक अनूप सिंह ने कहा कि मैं भी यूथ कांग्रेस का प्रेसीडेंट था, क्योंकि युवा राजनीति यही से शुरू होती है. जितने भी प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं, वह यूथ कांग्रेस से ही रहे हैं. मैं खुद भी 7 सालों तक यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रहा हूं. अपने युवा काल में जो हम काम करते हैं, उसको दिखाना जरूरी होता है.

राहुल का डर भाजपा को सता रहा है

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया का नारा बुलंद किया .उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी देश के उभरते नेता में शामिल होने जा रहे हैं. जिसका डर भाजपा को सता रहा है. उनकी लोकप्रियता से भाजपा वाले बौखला गए हैं. उन्होंने कहा देश में तानाशाही सरकार है. देश के युवाओं ने बदलाव करने को लेकर ठान लिया है. नौजवान, किसान और महिलाएं त्रस्त हैं. इस सरकार में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस के पुराने और नए कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाने के लिए यह मिलन सम्मेलन किया गया है.

आओ जानें

बेरमो से कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	कांग्रेस	राजेंद्र प्रसाद सिंह
2005	भाजपा	योगेश्वर महतो
2009	कांग्रेस	राजेंद्र प्रसाद सिंह
2014	भाजपा	योगेश्वर महतो
2019	कांग्रेस	राजेंद्र प्रसाद सिंह
2020	कांग्रेस	कुमार जयमंल सिंह

एनोस ने बैठक कर जन समस्याओं को जाना

सिमडेगा/जलडेगा। झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एक्का और झापा युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का रविवार को जलडेगा प्रखंड क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ बैठक की. एनोस एक्का ने उनकी समस्याओं को जाना. ग्रामीणों ने बताया कि आज भी यहां पर आवागमन की काफी परेशानी है. कच्ची सड़क बारिश के दिनों में जलमग्न हो जाती है. बिजली की भारी समस्या है और कई गांवों में अभी तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है. इसके अलावा कई लोगों के पास डबल मीटर का बिल आ रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आज भी लोग प्रधानमंत्री आवास की बाट जोह रहे हैं. मौके पर पूर्व मंत्री एनोस एक्का ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आपकी समस्याओं को अपनी समस्या मानते हुए दूर करने का प्रयास करूंगा.

रांची में युवाओं ने झारखंड बिरसा सेना का दामन थामा

संवाददाता। रांची

रविवार को झारखंड बिरसा सेना के बैनर तले सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में रांची विधानसभा के अंतर्गत रातू रोड निवासी सुमित वर्मा एवं सोनू सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने झारखंड बिरसा सेना का दामन थामा और पार्टी की विचारधारा पर चलने का संकल्प लिया. सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय इटकी रोड रातू रोड रांची में संपन्न किया गया. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष रवि कुमार ने एवं प्रधान महासचिव अभिषेक कुमार युवाओं को माला पहना कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया और साथ में पार्टी के प्रवक्ता सुशांत प्रियदर्शी, राहुल कुमार मौजूद रहे तथा सदस्यता ग्रहण करने वालों में विक्की वर्मा, बादल ठाकुर,अमित वर्मा, राहुल साहू, माही सिंह एवं सैकड़ों के संख्या में युवा मौजूद रहे.

आजसू नेता भोला महतो को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। मनोहरपुर

आजसू नेता शहीद भोला महतो की पुण्य तिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई. मनोहरपुर मुहलडीहा चौक में स्थापित उनकी प्रतिमा पर आजसू नेता रूपलाल महतो ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया. मौके पर पार्टी के अन्य कार्यकर्ता समेत उनके परिवार वालों ने भी श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी. सभी लोगों ने एक मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की.

ये थे उपस्थित : इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी सभा को संबोधित किया. मौके पर मुख्य रूप से श्याम महतो, सुनील महतो, कार्तिक महतो, नमिता देवी, रुकमनी देवी, अंकिता महतो, सचिन महतो, सुरेश महतो, रेशमी महतो, आशीष महतो, कृष्णा महतो, टिकेश्वर महतो, सौरव महतो, योगेश्वर महतो, गोपाल कोड़ा, सावित्री कोड़ा, दीपक महतो, प्रदीप महतो, सत्यभामा महतो, सूर्या कोड़ा, पूर्णिमा कोड़ा, चंदन महतो निखिल महतो आदि उपस्थित थे.

अन्य वक्ताओं ने भी सभा को संबोधित किया

आजसू नेता रूपलाल महतो ने कहा कि मनोहरपुर प्रखंड के प्रथम आजसू पार्टी के अध्यक्ष रहे स्व .भोला महतो के अथक प्रयास से ही पार्टी का गठन व विस्तार हुआ था. उन्हीं के मार्गदर्शन पर आज पार्टी का संगठन सुदूरवर्ती सारंडा समेत मनोहरपुर व आनंदपुर प्रखंड में आजसू मजबूत हुआ है. वहीं आजसू पार्टी द्वारा समय समय पर क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं से लेकर स्थानीय पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए आवाज बुलंद किया था. इससे क्षेत्र में आजसू पार्टी के संगठन का विस्तार एवं लोगों में आजसू पार्टी का रुझान बढ़ा है.

जमशेदपुर के कांग्रेसियों को रांची में सम्मानित किया गया

संवाददाता। जमशेदपुर

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) रांची में आयोजित प्रदेश स्तरीय मिलाप सम्मेलन में कांग्रेस से जुड़े पुराने एनएसयूआई के पदाधिकारियों तथा पूर्व व वर्तमान में अच्छे कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया. जिसमें कांग्रेस के झारखंड प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने सभी लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया.

सम्मानित होने वालों में जमशेदपुर के महिला जिलाध्यक्ष नलिनी सिन्हा, शबाना परवीन, संतोष साहू, सिकंदर आदिल समेत अन्य शामिल हैं. कार्यक्रम को पार्टी के मौजूदा प्रदेश महासचिव परविंदर सिंह ने भी संबोधित किया.

मरांडी ने हर संभव मदद की बात कही

लातेहार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी बरवाडीह के संकल्प यात्रा के दौरान गारू प्रखंड के वनवासी कल्याण केंद्र पहुंचे. यहां शिशु विद्या मंदिर के छात्राओं ने पारंपरिक स्वागत गीत कर उनका स्वागत किया. मौके पर मरांडी ने केंद्र की सराहना की और उन्हें संभव मदद देने की बात कही. उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी निःस्वार्थ एवं बिना किसी लालच के कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि झारखंड को अपराध व भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है और इसमें आम लोगों की सहयोग की जरूरत है. पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश चंहुमुखी विकास की ओर अग्रसर है. आगामी लोकसभा चुनावों में भी केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी.

पुण्यतिथि पर याद किये गए राम विलास पासवान

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के गांधी सेवा सदन में रविवार को लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष रामनंदन पासवान की अध्यक्षता में पार्टी के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. सभा में लोक जनशक्ति पार्टी के झारखंड प्रदेश महासचिव सह प्रभारी राकेश कुमार सिंह, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष आशा राय, प्रदेश सचिव बिहारी लाल चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष रूपमति देवी व वरीय उपाध्यक्ष नागेश्वर पासवान उपस्थित थे. सभी ने राम विलास पासवान की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये व उनके बताए मार्ग पर चलने और अधूरे कार्यो को पूरा करने का संकल्प लिया.

ब्रीफ खबरें

धनसार में तालाब में मिला महिला का शव

धनबाद । धनसार थाना क्षेत्र के मनईटांड़ छठ तालाब में रविवार को 66 वर्षीय महिला का शव मिला. महिला का नाम आसमा बेगम बताया गया है. शव मिलने के बाद पूरे इलाके में खलबली मची हुई है. स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला रविवार की सुबह 5 बजे घर से निकली थी. घर नहीं लौटी तो परिजन खोजबीन में लगे थे. दोपहर लगभग 1.30 बजे पता चला कि छठ तालाब में महिला का कपड़ा पानी के ऊपर तैर रहा हुआ है.

देवघर में जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट

देवघर । मधुपुर में दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया है. घटना मधुपुर थाना के कुशमाहा की है, जहां जमीन विवाद को लेकर रविवार को दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले. इसमें एक पक्ष का युवक अमृत आनंद बुरी तरह घायल हो गया है, उसका इलाज स्थानीय अस्पताल में किया गया. थाने में आवेदन देकर घायल अमृत आनन्द ने आरोप लगाया है कि उसकी जमीन को कारू शेख, ताहिर शेख, फिरोज शेख आदि जबरन घेर रहे थे.

मैथन में चोरी का लोहा सहित युवक धराया

मैथन । गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के सन्नी होटल के पास शनिवार की शाम चोरी का लोहा सहित एक आरोपी को लोगों ने पकड़ कर कुमारधुबी पुलिस के हवाले कर दिया. आरोपी ने अपना परिचय शिवलीबाड़ी संजय नगर निवासी बाबू राणा के रूप में दिया है. उसने बताया कि चुराये गए साइलेंस बोर्ड को वह झोले में लेकर होटल के पास कबाड़ी दुकान बेचने जा रहा था. हालांकि बोर्ड का एंगल नहीं मिल पाया है. उसने चोरी में शामिल कुछ साथियों के नाम भी बताए हैं.

महिलाओं का बना रहा था वीडियो, धराया

धनबाद । लुबी सर्कुलर रोड स्थित उत्सव भवन में शनिवार को स्पंदन ने संस्कृतिक कार्यक्रम महालया आगोमोनी गीतनाट्य का आयोजन किया गया था. इस दौरान एक युवक को महिलाओं का वीडियो बनाते पकड़ा गया. जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी. तलाशी के दौरान युवक के पास से एक डेंड्राइड और बिना नंबर की बाइक मिली है. मामले की जानकारी पाकर धनबाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पकड़ कर ले गयी.

पुलिस ने अवैध कोयला लदे ट्रक को किया जब्त

गिरिडीह । कुछ दिनों से कोयले की तस्करी कर जिले से बिहार, उत्तर प्रदेश इत्यादि जगहों पर भेजी जा रही थी. इसकी खबर पहुंचते ही एसपी दीपक कुमार शर्मा ने कड़ा रुख अख्तियार कर मातहत पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया. इसी कड़ी में एसपी दीपक कुमार शर्मा के निर्देश पर शनिवार की रात डुमरी थाना की पुलिस ने जीटी रोड पर कोयला लदे एक ट्रक को पकड़ा. यह कोयला बिहार भेजा जा रहा था. इस संबंध में अवैध कारोबारी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

टाटा विंगर से पांच लाख की अंग्रेजी शराब जब्त, एक गिरफ्तार

मनोहरपुर। पुलिस ने एक अवैध शराब लदा टाटा विंगर वाहन जब्त किया है. साथ ही वाहन के चालक मिथुन प्रमाणिक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. टाटा विंगर का चालक मिथुन जमशेदपुर के बोड़ाम का निवासी हैं. पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम संत अगस्तीन कॉलेज कोयल नदी के पास मनोहरपुर-आनंदपुर मुख्य सड़क में आने-जाने वाले वाहनों जांच पुलिस टीम द्वारा की जा रही थी. तभी मनोहरपुर रेलवे फाटक की ओर से आ रही एक विंगर गाड़ी पुलिस पार्टी को देखकर कुछ दूर ही रूक गई.

पारिवारिक विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट

धनबाद । भूली थाना क्षेत्र स्थित पांडरपाला दास बस्ती में शनिवार को पारिवारिक विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गयी. इस दौरान दोनों तरफ से लाठी-डंडे और रॉड भी चले. इस घटना में दोनों पक्षों के छह से अधिक लोग घायल हुए हैं. सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है. घायलों में पांडरपाला निवासी वरुण दास, उनका बेटा आकाश, चक्रधर कुमार व सुमित कुमार और दूसरे पक्ष के विजय दास, कुश कुमार, लव कुमार व किशोर कुमार शामिल हैं.

पुलिस व नक्सलियों की लड़ाई में अब तक मरे 16 ग्रामीण

संवाददाता। रांची

झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में बीते 11 जनवरी से पुलिस और नक्सलियों के बीच निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है. इस लड़ाई में निर्दोष ग्रामीण मारे जा रहे हैं. इस लड़ाई में अबतक 16 ग्रामीण मारे जा चुके हैं. जिनमें नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी के चपेट में आकर 11 ग्रामीणों की मौत हो गई. जबकि पांच ग्रामीणों की नक्सलियों ने गोली मारकर हत्या कर दी. कोल्हान में सुरक्षाबलों के कुल 40 कैंप स्थापित किए गए हैं, जिनमें सीआरपीएफ के 31 और झारखंड पुलिस के नौ कैंप शामिल हैं.

चार जवान हुए शहीद 29 जवान और ग्रामीण हुए घायल : नक्सलियों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के दौरान चार जवान शहीद हो गए. जिनमें एक जवान आईईडी ब्लास्ट होने से और तीन जवान नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए हैं. इसके अलावा 21 जवान घायल भी हुए हैं. साथ ही आठ ग्रामीण भी घायल हुए है. कोल्हान के टोंटो और गोईलकेरा में नक्सलियों का जमावड़ा लगा हुआ है.

मिसिर, असीम और पतिराम समेत 100 नक्सली हैं मौजूद : कोल्हान में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, असीम मंडल, चमन, संतोष, अजय महतो, अनमोल दा, बेला सरकार, रामप्रसाद मारड़ी, अमित मुंडा, गुलशन मुंडा, संतोष महतो, भवानी, मदन महतो, मेहनत, कांडे होगहांगा, जयंती, सालुका कायम, प्रभात मुंडा, रवि सिंह सरदार, नयनतारा, अमोज मोदक, सागेन अंगारिया, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, बबलू और गौरी समेत 100 की संख्या में नक्सली मौजूद हैं.

पुलिस और नक्सलियों की लड़ाई में मारे जा रहे ग्रामीण

- 20 नवंबर 2022 : चेतन कोड़ा की टोंटो के रेंगड़ाहातु में आईईडी ब्लास्ट में मौत हो गई.
- 28 दिसंबर 2022 : सिंगराय पूर्ति की गोइलकेरा के छोटाकुइड़ा में आईईडी ब्लास्ट में मौत हो गई.
- 21 फरवरी 2023 : हरिश्चंद्र गोप की गोइलकेरा के मेरालगढ़ा में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 01 मार्च 2023 : कृष्णा पूर्ति की गोइलकेरा के ईचाहातु में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 25 मार्च 2023 : गुरुवारी तामसोय की मुफस्सिल थाना क्षेत्र चिड़ियाबेड़ा में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 14 अप्रैल 2023 : जेना कोड़ा उर्फ मोटका की टोंटो के रेंगड़ाहातु में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 28 अप्रैल 2023 : गांगी सुरीन की गोइलकेरा के पाताहातु में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 18 मई, 2023 : नारा कोड़ा की टोंटो के रेंगड़ाहातु बांग्लागुटु टोला में आईईडी ब्लास्ट में मौत.
- 19 अगस्त 2023: चाईबासा जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के गितिलपी में नक्सलियों ने रांदो सुरीन नाम के व्यक्ति की हत्या गला रेतकर कर दी थी.
- 22 अगस्त 2023: एक करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर मिसिर बेसरा के दस्ते ने टोंटो के रेंगड़ाहातु के सुपाई मुंडा की हत्या कर दी थी.
- 29 अगस्त 2023: चाईबासा के गोइलकेरा के कुटुंबा गांव निवासी कान्हूराम अंगरिया की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी.

आओ जानें

नक्सल मामले हुए दर्ज

वर्ष	मामले दर्ज		
2000	24	2012	219
2001	106	2013	219
2002	72	2014	244
2003	113	2015	196
2004	88	2016	266
2005	118	2017	258
2006	108	2018	165
2007	122	2019	133
2008	147	2020	110
2009	321	2021	137
2010	257	2022	197
2011	302	2023	111
		कुल	4033

बकोरिया कांड : पलामू के सतबरवा के बकोरिया में 8 जून 2015 को बहुचर्चित कथित पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई थी

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट पिटीशन

सौरभ सिंह। रांची

पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र स्थित बकोरिया में 8 जून 2015 को बहुचर्चित कथित पुलिस-नक्सली के बीच मुठभेड़ हुई थी. सीबीआई ने इस चर्चित बकोरिया मुठभेड़ केस में क्लोजर रिपोर्ट दे दी थी. बीते 27 अगस्त को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई द्वारा दाखिल की गयी क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया था. सीबीआई ने बकोरिया मुठभेड़ कांड को सही माना है. फॉरेंसिक रिपोर्ट में आये तथ्यों के आधार पर मुठभेड़ को सीबीआई ने सही माना है, जिसके बाद मुठभेड़ में मारे गये उदय यादव के पिता जवाहर यादव ने बीते 30 अगस्त को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल की थी.

इन तथ्यों के आधार पर दाखिल हुए प्रोटेस्ट पिटीशन

- जब बकोरिया मुठभेड़ कांड के वादी पुलिस निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम एवं तथाकथित मुठभेड़ में शामिल दिखाये गये झारखंड पुलिस के कर्मियों द्वारा मुठभेड़ में शामिल नहीं होने की बात सीबीआई को बताई गई, तब भी किस परिस्थिति में इस मुठभेड़ कांड को सही माना गया.
- जब मुठभेड़ में मारे गये 10 व्यक्तियों, जिनमें कुछ कम उम्र के भी बच्चे थे, जिनके खिलाफ जांच में सीबीआई को उनके नक्सली होने का कोई दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ, तो किस परिस्थिति में उन्हें नक्सली मान लिया गया.
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, जब कई मृतकों के शरीर पर नजदीक से सटाकर गोली मारे जाने तथा कई मृतकों के शरीर पर मृत्यु के पूर्व पिटाई किये जाने का प्रमाण था, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा उपरोक्त महत्वपूर्ण साक्ष्य को नजरअंदाज किया गया.
- जब सीबीआई द्वारा अपने अंतिम प्रपत्र में इस कांड की जांच के दौरान स्वयं कई प्रकार की त्रुटियों को उजागर किया गया,तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ किसी प्रकार की कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गयी.
- किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा अनुसंधान के दौरान घटना में शामिल सीआरपीएफ के पदाधिकारियों और कर्मियों को घटनास्थल पर लाकर घटनाक्रम को रीक्रिएट नहीं किया गया. संभवत, सीबीआई जानबूझकर उन्हें घटनास्थल पर नहीं लायी, क्योंकि उसे मालूम था कि वह घटनास्थल पर आयेंगे तो उनके झूठ का स्वयं पर्दाफाश हो जायेगा.
- जब यह जगजाहिर है, कि यह घटना जेजेएमपी के उग्रवादियों द्वारा कतिपय सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के पदाधिकारियों की मिलीभगत से की गयी, तो किस परिस्थिति में किसी भी जेजेमपी उग्रवादी को इस कांड के क्रम में ना तो गिरफ्तार किया गया ना ही उनसे पूछताछ भी की गयी.
- इतने गंभीर कांड में किस परिस्थिति में किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं की गयी और ना ही किसी व्यक्ति की किसी प्रकार की फॉरेंसिक जांच भी करायी गयी. जब झारखंड पुलिस के कई पदाधिकारियों द्वारा खुद की फॉरेंसिक जांच कराये जाने की सहमति दी गयी थी, तो किस परिस्थिति में उनकी फॉरेंसिक जांच नहीं करायी गयी. सीबीआई भली-भांति जानती थी कि उपरोक्त पदाधिकारी सच बोल रहे हैं, और उनकी फॉरेंसिक जांच कराये जाने से उनकी सच्चाई का अतिरिक्त सत्यापन हो जायेगा और सीबीआई इस कांड के अभियुक्तों को नहीं बचा पायेगी. अभियुक्तों को बचाने की नियत से ही जानबूझकर सीबीआई द्वारा ऐसा नहीं किया गया.

- जब सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के पदाधिकारियों के बयानों में इतना विरोधाभास था, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा किसी भी सीआरपीएफ पदाधिकारी व कर्मी को ना तो गिरफ्तार किया गया ना ही उनकी फॉरेंसिक जांच करायी गयी और यहां तक कि उन्हें घटनास्थल पर भी जानबूझकर नहीं लाया गया.
- जब कांड की प्राथमिकी, सीजर लिस्ट, इंक्वेस्ट रिपोर्ट और संबंधित जनरल डायरी एंट्री झूठी प्रमाणित हुई, तो किस परिस्थिति में उपरोक्त मुठभेड़ कांड को सत्य मान लिया गया.
- जब यह प्रमाणित हुआ कि इस कांड में बरामद दर्शाये गये हथियारों को बाद में मरम्मत किया गया, बरामद स्कॉर्पियो के शीशे को जानबूझकर तोड़ा गया तथा अन्य साक्ष्यों को भी नष्ट किया गया, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा इसके लिए किसी भी पुलिसकर्मी को दोषी नहीं माना गया.
- किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा इस महत्वपूर्ण साक्ष्य को नजरअंदाज किया गया कि इस कांड में बरामद हथियार एवं अन्य प्रदर्श को अत्यधिक विलंब से न्यायालय में जमा किया गया तथा इस अवधि में उनके साथ छेड़छाड़ की.
- जब गवाह के बयान, घटनास्थल के फोटोग्राफ एवं फॉरेंसिक एविडेंस से यह स्पष्ट हुआ कि मुठभेड़ की घटना घटी ही नहीं थी, और मृतकों को बाहर से मारकर घटनास्थल पर लाकर रख दिया गया था, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा इस कांड में आरोप पत्र दाखिल नहीं किया गया.
- किस परिस्थिति में इस घटना के दोषी सीआरपीएफ एवं झारखंड पुलिस के कतिपय पदाधिकारियों के बयानों को ही सत्य माना गया और निष्पक्ष गवाह, वैज्ञानिक साक्ष्य और फोटोग्राफिक एविडेंस को नकार दिया गया.
- जब प्राथमिकी में यह बात अंकित की गयी कि इस घटना में एक अन्य वाहन घटनास्थल से भागने में सफल हो गया, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा उस वाहन को खोजने का कोई प्रयास नहीं किया गया. किस परिस्थिति में इस आशय की सूचना देने के लिए सीबीआई द्वारा किसी प्रकार का इनाम घोषित नहीं किया गया.
- किस परिस्थिति में इस घटना के विषय में सही जानकारी देने के लिए सीबीआई द्वारा किसी प्रकार की इनाम राशि की घोषणा नहीं की गयी.
- जब इस कांड में कम से कम छह आईपीएस पदाधिकारियों द्वारा सीबीआई को घटना के झूठा होने की सूचना दी गयी और इस आशय का बयान दर्ज कराया गया, फिर भी सीबीआई द्वारा किस परिस्थिति में इस कांड को सही माना गया.
- जब यह प्रमाणित हुआ कि इस कांड को सच ठहराने के लिए काफी मात्रा में फर्जी दस्तावेज तैयार कराये गये थे, तो किस परिस्थिति में सीबीआई द्वारा इस महत्वपूर्ण साक्ष्य को नजरअंदाज किया गया.
- सीबीआई द्वारा किस परिस्थिति में इस एविडेंस को नजरअंदाज किया गया, कि सीआरपीएफ के कतिपय पुलिस कर्मियों के जेजेएमपी के साथ नजदीकी संबंध थे और इस आशय का फोटोग्राफिक साक्ष्य भी उपलब्ध था, क्यों सीबीआई द्वारा ऐसे पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, जिनके प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के साथ नजदीकी संबंध थे?
- साफ है कि यह घटना रघुवर दास की बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान घटी थी,सीबीआई द्वारा इस घटना पर पर्दा डालकर अभियुक्तों को बचाने का प्रयास किया गया. अगर घटना की सही जांच होती, तो रघुवर दास के कार्यकाल के कई बड़े चेहरे बेनकाब हो सकते थे, जिनके द्वारा निर्दोष व्यक्तियों की हत्या कर उच्च स्तर के उग्रवादी अभियान को प्रमाणित करने का कुत्सित प्रयास किया गया.
- इस कांड के भुक्तभोगी जवाहर यादव (जिनके पुत्र उदय यादव और भतीजे की निर्मम हत्या कर दी गयी थी) द्वारा माननीय उच्च न्यायालय और सीबीआई के डायरेक्टर को बार-बार पत्र लिखकर इस आशय की सूचना दी जाती रही कि उनके मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जा रहा है. फिर भी उनके मामले की सही तरीके से जांच नहीं की गयी.
- जिन दस व्यक्तियों को सीबीआई गलत तरीके से नक्सली बता रही है, उनके खिलाफ किसी भी जिले के किसी भी थाने में उनके नक्सली होने के संबंध में किसी भी दस्तावेज में कोई भी प्रविष्टि नहीं पायी गयी. स्पष्ट है कि झूठे आधार पर सीबीआई द्वारा उन्हें नक्सली घोषित कर उनकी निर्मम हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया गया.
- सीआरपीएफ द्वारा इस आशय का फोटोग्राफ सीबीआई को उपलब्ध कराया गया कि स्कॉर्पियो के मृतक ड्राइवर एजाज अहमद का शव स्कॉर्पियो में नहीं पाकर कहीं अन्य जगह पाया गया था. प्राथमिकी, इंक्वेस्ट रिपोर्ट एवं जब्ती सूची में मृतक एजाज अहमद के शव को स्कॉर्पियो के अंदर बरामद होने की बात अंकित की गयी थी. इतना गंभीर विरोधाभास स्पष्ट रूप से सामने आने के बावजूद किसी भी पुलिस पदाधिकारी को इसके लिए दोषी नहीं मानकर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना यह स्पष्ट करता है कि सीबीआई अभियुक्त पुलिसकर्मियों और सीआरपीएफ कर्मियों को बचाने का प्रयास कर रही थी.
- सीबीआई ने इस आशय का सत्यापन जानबूझकर नहीं किया कि मृतकों के शव वास्तव में कहां से बरामद किये गये थे और ना ही उन घटनास्थल को चिन्हित कर वहां की मिट्टी बरामद कर उसकी फॉरेंसिक जांच करायी गयी.
- सीबीआई यह प्रमाणित करने में असफल रही कि नौ मृतकों के हाथों से उनके द्वारा फायरिंग किये जाने का कोई प्रमाण सामने क्यों नहीं आया?
- सीबीआई ने जानबूझकर यह जांच नहीं की कि जिन तीन मृतकों के हाथ से फायरिंग किये जाने का साक्ष्य सामने आया था. उनके बाएं हाथ पर ही फायरिंग का साक्ष्य क्यों था, क्या वह सभी लेफ्टी थे और दाहिने हाथ से फायरिंग किये जाने का कोई साक्ष्य सामने क्यों नहीं आया था? स्पष्ट था कि उपरोक्त साक्ष्य गलत तरीके से तैयार किया गया था, क्योंकि संबंधित प्रदर्श कोर्ट में ना जमा कर हफ्तों तक अभियुक्तों के पजेशन में रहे थे तथा इस अवधि में उन प्रदर्श के साथ छेड़छाड़ की गयी थी.
- जब रांची स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला और दिल्ली स्थित केंद्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा यह फॉरेंसिक रिपोर्ट जमा किया गया कि एक हथियार बिल्कुल भी कारगर नहीं था, तो किस परिस्थिति में उससे फायरिंग किये जाने की बात कही जा रही थी? क्या एक खराब हथियार से फायरिंग संभव थी? सीबीआई ने इस आशय की जांच क्यों नहीं की.
- क्या सीबीआई सीआरपीएफ वालों के साथ इतनी मिलीभगत में थी, कि इस घटना में तथाकथित रूप से शामिल सीआरपीएफ कर्मियों को घटनास्थल पर लाकर उनसे सीन ऑफ क्राइम भी रीक्रिएट नहीं कर पाई? सीबीआई द्वारा अपनी फाइनल रिपोर्ट में यह कहना कि उपरोक्त सीआरपीएफ कर्मी जांच के लिए उपलब्ध नहीं हुई, सीबीआई की जांच क्षमता पर गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देता है.
- झारखंड राज्य के दर्शकों के उग्रवाद विरोधी अभियानों के इतिहास में यह इकलौती घटना है, जिसमें सीआरपीएफ कर्मी अकेले घटनास्थल पर चले गये और उनके द्वारा किसी भी झारखंड पुलिसकर्मी को साथ नहीं लिया गया. साफ है कि वे लोग हत्या करने या हत्या के षड्यंत्र में शामिल थे, और झारखंड पुलिस को इसलिए साथ नहीं ले गये, क्योंकि अगर झारखंड पुलिस साथ जाती तो या तो वह उन्हें ऐसा करने से मना करती और वह बाहर आकर सच्चाई का पर्दाफाश कर देती.

हथियागढ़ में मवेशी लदे 6 पिकअप वैन जब्त

धनवार (गिरिडीह) । पिकअप वैन पर लदे 15 मवेशियों को धोडथबा और तिसरी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर हथियागढ़ में जब्त किया. हालांकि मौके से सभी चालक फरार हो गए. जानकारी के अनुसार गिरिडीह बजरंग दल के महामंत्री निरंजन कुमार किसी कार्य से गावां से गिरिडीह जा रहे थे. इसी दौरान दोनों थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित हथियागढ़ के समीप उनके आगे चल रही 6 बोलेरो पिकअप वैन रुकी. उनमें से एक पिकअप का ड्राइवर मरा हुआ बछड़ा को सड़क के किनारे फेंक दिया. निरंजन कुमार ने इसकी जानकारी दोनों थाना क्षेत्र के पुलिस को दी, साथ ही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को भी इसकी सूचना दी गई. पुलिस व बजरंग दल के कार्यकर्ता स्थल पर पहुंचे तो देखा कि छह पिकअप वैन पर 15 मवेशी लदे हुए हैं.

पुलिस रिमांड पर अकील पूछताछ में उगले कई राज

संवाददाता। धनबाद

तोपचांची के एनसीपीएल के प्रतिनिधि से एक करोड़ रंगदारी मांगने के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजे गये अकील हासमी उर्फ रजा को पुलिस ने रिमांड पर लिया है. बैंकमोड़ थाना की पुलिस ने अकील हासमी से पूछताछ शुरू कर दी है. शनिवार को डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर अरविंद बिन्हा सहित कई थाने के थानेदार उससे पूछताछ करने पहुंचे थे.

इस दौरान अकील ने कई राज उगले. अभी तक की पूछताछ में रजा ने पुलिस को बताया कि फहीम खान अभी भी वासेपुर में रंगदारी वसूलता है. जमीन का कारोबार करने वाले सिर्फ प्रिंस खान को ही नहीं बल्कि फहीम खान को भी पैसा पहुंचाते हैं. रजा ने पुलिस को बताया कि वासेपुर, पांडरपाला, नया बाजार, भूली बायपास रोड सहित अन्य जगहों पर फहीम के आदेश पर उसके लोग डील कर रहे हैं. रजा ने फहीम के कुछ साथियों के नाम भी बताये हैं. वह वासेपुर के ही हैं. हालांकि पुलिस ने उसके नाम का खुलासा नहीं किया है. शनिवार को बैंक मोड़ की पुलिस ने फहीम गैंग के जामाडोबा निवासी शेरु खान की तलाश के लिए झरिया, लोदना व वासेपुर में छापेमारी की थी.

चोरी और रंगदारी मामले में 3 गिरफ्तार

देवघर । शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं में शामिल 2 अपराधियों को पकड़ने का दावा किया है. वहीं दूकान दार के साथ चाकू करने एक आरोप में एक को देवघर पुलिस ने गिरफ्तार किया है. देवघर एसडीपीओ पवन कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में दुकानों में चोरी की घटना में एक इंटरस्टेट गिरोह का हाथ है. एसडीपीओ के अनुसार देवघर के टावर चौक के समीप एक ही रात चार दुकानों में चोरी में संलिप्त गिरोह में एक संजय साहनी, पिता देवकी साहनी, बाभनगामा थाना रिवा जिला सीतामढी का निवासी है. वहीं वीआईपी चौक के समीप कनिष्क इंटरप्राइजेज में चोरी के मामले में आयुष पांडेय, पिता जयकांत पांडेय, देवघर नगर थाना इलाके के गुलीपाथर का निवासी है.

तोपचांची पुलिस ने कोयला लदे 6 ट्रकों को किया जब्त

संवाददाता। तोपचांची

विगत कुछ दिनों से तोपचांची थाना क्षेत्र के विभिन्न पंप व रोड किनारे खड़े कोयला लदे ट्रक पर पुलिस ने शिकंजा कसा है. रविवार को तोपचांची पुलिस ने कोटाडीह स्थित नेशनल हाईवे के सर्विस रोड व पंप के समीप से छह कोयला लदे ट्रकों को जब्त किया है. पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है.

ट्रक चालकों ने बताया कि कागज का इंतजार कर रहे हैं. कागज मिलने के बाद ही ट्रक आगे जा पाएंगे. पुलिस की कार्रवाई के बाद थाना क्षेत्र की विभिन्न जगहों पर खड़े कोयला लदे ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया है. चालक अपने कोयला लदे ट्रकों को नेशनल हाईवे किनारे से हटा कर धनबाद दिशा की ओर जाने लगे. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोयला लदे ट्रकों के पास चालान नहीं है. चालान नहीं होने के कारण इन ट्रैकों को जीटी रोड पर गिरिडीह बॉर्डर पर एंट्री नहीं मिल रही है. इसी कारण ट्रक खड़े हैं. खड़े ट्रकों पर सभी नंबर प्लेट उत्तर प्रदेश व बिहार के हैं. थाना प्रभारी अनिल विद्यार्थी ने बताया कि वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है.

जंगल में मिला महिला का क्षत-विक्षत शव

नावाडीह । नावाडीह प्रखंड के भलमारा पंचायत अंतर्गत बिरनी गांव के निकट जमुनिया गढ़ा जंगल में रविवार की सुबह एक वृद्ध महिला का क्षत-विक्षत शव मिला. शव की पहचान नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत परसबनी पंचायत के कंचनपुर निवासी स्व दुलाल महतो की पत्नी बिलसी देवी के रूप में हुई है. जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी महावीर पंडित दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं. वहीं सूचना मिलने पर उत्पाद मंत्री सह डुमरी विधायक बेबी देवी भी मौके पर पहुंचकर घाटना की जानकारी ली. मृतका के पुत्र रामशंकर, पुत्री मीना देवी, पुतोह गीता देवी आदि ने पुलिस को बताया कि पिता के निधन के बाद मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी.

अपराध दो स्थानों पर महिला के गले से सोने की चेन छीनकर अपराधियों ने पुलिस को चुनौती दी

बोकारो में सोने की चेन झपटने वाले गिरोह का बढ़ा आतंक

संवाददाता। बोकारो

शहर में इन दिनों महिलाओं के गले से सोने की चेन झपटने वाले गिरोह का आतंक है. बीते 14 दिनों के अंदर शहर के अंदर दो जगहों पर महिलाओं से चेन छीनकर अपराधियों ने बोकारो पुलिस को चुनौती दी है, लेकिन पुलिस को कोई सफलता के हाथ नहीं लगी है. बीते 24 सितंबर को सेक्टर-12 थाना इलाके के बारी कॉपरेटिव कॉलोनी में मंदिर से पूजा कर घर लौट रही महिला को अपराधियों ने निशाना बनाया.

दो बदमाशों ने महिला पर पिस्टल तक तान दी थी. उन दोनों बाइक सवार स्नैचरों की तस्वीर सीसीटीवी से पुलिस के हाथ लगी, लेकिन पुलिस उन तक नहीं पहुंच सकी है. दूसरी घटना बीएस सिटी थाना इलाके में 7 अक्टूबर की शाम 6.30 बजे बाइक सवार दो स्नेचरों ने सेक्टर-3 डी में बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया. बुजुर्ग महिला बीएसएल अधिकारी जितेंद्र कुमार की मां शांति देवी हैं. गले से चेन झपटने के बाद सड़क किनारे नाली में जाकर धकेल दिया.

अब कुछ दिनों के बाद दुर्गा पूजा का बाजार शुरू हो जाएगा. ऐसे में जिस तरह बदमाशों ने उत्पात है, उससे महिलाएं जेवर पहन कर बाहर निकलने में कतराने लगी हैं. बदमाश महिला के गले से चेन कब और कहा छीन लेंगे, वह कोई नहीं जानता. दो दिन पहले अपराधी एक सोनार की बाइक की डिक्की में रखे जेवरात जैनामोड़ बाजार से लेकर भाग निकले. इस घटना से तय हो गया है कि बदमाश कम कीमत के गहनों पर भी नजर लगाए हैं.

24 सितंबर की घटना को अंजाम देने वाले बाइक सवार.

अपराधी बेलगाम

- 24 सितंबर को सेक्टर-12 में घटना को अंजाम दिया
- चेन झपटने के बाद महिला को नाली में धकेल दिया

पुराने हिस्ट्रीशीटरों को पकड़ने में लगी है पुलिस

लगातार चेन छिनतई के बाद पुलिस टीम पुराने हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने में लगी है, जबकि इन दिनों बोकारो में दूसरे जिले के गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आ रही है. कुछ दिन पहले धनबाद पुलिस ने सेक्टर-12 थाना इलाके के बारी कॉपरेटिव कॉलोनी के एक जेवर दुकानदार को पकड़कर ले गई थी. उसके पास धनबाद के चेन स्नेचरों ने जेवरात बेचे थे. ऐसे में उन्ही गिरोह के लोग धनबाद व बोकारो को अपना ठिकाना बनाये हुए हैं, जबकि पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है.

लूटकांड के आरोपितों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

लोकाय नयनपुर थाना की पुलिस ने बिहार के गरही पुलिस के सहयोग से रविवार को लूटकांड के पुराने मामले के आरोपित के घरों पर इश्तेहार चिपकाया है. मालूम हो कि लोकाय थाना कांड संख्या 5/2020 धारा 395/397 भा.द.वि व 27 शस्त्र अधिनियम के अप्राथमिक अभियुक्त बिहार के गरही थाना अंतर्गत चंदरबर निवासी संजय साव, पिता जयप्रकाश साव व महेगरो गांव निवासी दया उर्फ़ देवा रविदास पिता भुनेश्वर दास के घर पर थाना सिंहडीह ओपी प्रभारी उदित बेदिया के नेतृत्व में इश्तिहार चिपकाया गया.

इसमें आरोपितों को अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया गया है. बताया गया कि बिहार के चंद्रावर निवासी संजय साव व देवा रविदास पर लूट के आरोप हैं. इन दोनों के विरुद्ध वर्ष 2020 में लोकाय थाने में प्राथमिक दर्ज की गई थी. इसके बाद से ही इन दोनों की गिरफ्तारी को पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी. अब न्यायालय के आदेश पर दोनों के घर के मुख्य दरवाजे सहित चौक - चौराहों पर इश्तिहार चिपकाया गया. दोनों आरोपी कोर्ट में हाजिर नहीं होते हैं तो आगे की कार्रवाई की जाएगी.

शंखनाद : धुर्वा में धर्म सभा, श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव सफल बनाने का संकल्प

प्राण प्रतिष्ठा से होगी सनातन की गूंज : चैतन्य

संवाददाता। रांची

संत समाज के मार्गदर्शक मंडल के झारखंड प्रांतीय संयोजक स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी ने कहा कि 2024 में सनातन की गूंज श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से प्रारंभ होगी. स्वामी जी रविवार को धुर्वा के जगन्नाथ मैदान में शौर्य जागरण रथ यात्रा के दौरान आयोजित धर्म सभा में विचार व्यक्त कर रहे थे. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म हजारों वर्ष पुराना है. इतिहास साक्षी है कि कई बार सनातन धर्म पर प्रहार किया गया और इसे मिटाने का प्रयास अब तक जारी है. लेकिन हर बार सनातन राख पर उठा खड़ा हुआ है.

विजय महामंत्र से प्रारंभ हुई सभा : विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा पर आयोजित धर्म सभा में देश के कई राज्यों से पधारे संत महात्माओं ने अपने विचार रखे. उल्लेखनीय है कि रथ यात्रा सभी जिला का भ्रमण और 156 सभाएं करते हुए रांची में संपन्न हो गयी. इस क्रम में धर्म सभा का आयोजन कर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का शंखनाद किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत रंगनाथ महतो द्वारा विजय महामंत्र के उच्चारण से हुई.

धार्मिक न्यास बोर्ड के धार्मिक घुसपैठ पर प्रहार

धर्म सभा को संत महंत और अखिल भारतीय अधिकारियों द्वारा संबोधित किया गया, जिसमें महामंडलेश्वर सूर्यनारायण दास महात्यागी महाराज ने यात्रा का अनुभव एवं शिलान्यास कार्यक्रम के संदर्भ में बताया. बाल विदुषी साध्वी लाडलीशरण ने मातृ शक्ति जागरण के संदर्भ अपनी बात रखी. अशोक तिवारी और चंद्रकांत रायपत ने धार्मिक न्यास बोर्ड की वर्तमान धार्मिक घुसपैठ पर प्रहार करते हुए कहा कि देश के सभी बड़े मंदिरों पर गैर हिंदू सरकारें अपना अधिकार कर उसका दुरुपयोग कर रही हैं. स्वामी भूतेशानंद महाराज ने सेवा के महत्व पर कहा कि देश सेवा भाव से चलता रहा है, लेकिन आज अधिक संपति अर्जित कर लोग सेवा कार्यो से दूर होते जा रहे हैं. वीरेंद्र विमल ने झारखंड के महापुरुषों का प्रक्रम की व्याख्या करते हुए बताया की यहां के युवाओं तक महापुरुषों की गाथा बताया जाना चाहिए तभी आने वाले युवा उनका महत्वा को समझ पाएंगे.

श्री राम मंदिर के बाद श्री कृष्ण मंदिर की बारी

सीताराम शरण महाराज ने कहा कि भगवान राम के बाद बारी है श्री कृष्ण मंदिर निर्माण का. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि सामाजिक समरसता समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है. स्वामी दिव्यज्ञान महाराज ने मंदिर के निर्माण और क्रियाकलाप के बारे में अपने विचार प्रकट किए, दीपक ठाकुर ने इसे शौर्य जागरण यात्रा का उद्देश्य को बताया. मौके पर जन्मेजय कुमार, वीरेंद्र साहू, जगलाल शाही ने सत्संग के महत्व पर विचार प्रकट किए. कैलाश केसरी धन्यवाद ज्ञापन दिए. मंच संचालन मिथिलेश्वर मिश्र और दीपक ठाकुर ने की. कार्यक्रम में अशोक तिवारी विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री एवं केंद्रीय धर्मा प्रचार्य संपर्क प्रमुख, महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी सूर्य नारायण दास महात्यागी, जगन्नाथ शाही, रामस्वरूप रोंगटा ,क्षेत्रीय अध्यक्ष, वीरेंद्र विमल क्षेत्रीय मंत्री, तिलकराज मंगलम कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष, चंद्रकांत रायपत संयोजक धर्म सभा प्रांत उपाध्यक्ष, सिद्धनाथ सिंह, जन्मजय कुमार क्षेत्रीय संयोजक बजरंग दल, परिपूर्णेन्दु महाराज चिन्मय आश्रम, गोकुल दस राम मंदिर चुटिया, ओमप्रकाश शरण तपोवन श्री राम जानकी मंदिर, भूतेशानंद महाराज भारत सेवा आश्रम संघ, सीताराम शरण, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह,ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, गोपी लाल जी गंगा प्रसाद यादव आदि शामिल रहें.

धर्म सभा में पांकी विस क्षेत्र के विहिप कार्यकर्ता भी शामिल हुए

कार्यकर्ताओं को रांची रवाना करते विधायक डॉ एसबीपी मेहता.

संवाददाता। पांकी (पलामू)

नीलांबर पीतांबरपुर मौर्या फार्म हाउस से विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भारी संख्या में रांची पहुंचे. देशव्यापी शौर्य जागरण प्रांत धर्मसभा का आयोजन रांची के धुर्वा मैदान में किया गया था. पांकी के विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से भरी बस को झंडा दिखाकर रांची के लिए रवाना किया. उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान लोगों को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की जनवरी में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन के लिए निमंत्रण भी दिया गया. उन्होंने कहा कि लोगों को लव-जिहाद, लैंड जिहाद, अलगाववाद से सचेत रहने की जरूरत है.

क्रांतिवीरों का किया जाएगा स्मरण : विधायक : विधायक ने कहा कि यात्रा में धार्मिक आस्था केंद्रों के साथ-साथ प्रांत के उन क्रांतिवीरों को भी स्मरण किया गया, जिन्होंने अपने समाज, देश, धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए अपनी प्राणों की आहुति दे दी. आज के युवाओं को उनके बलिदानों की गाथाओं को बताना जरूरी है. मौके पर पर जिला मंत्री दामोदर मिश्रा, जिला संयोजक संदीप गुप्ता, जिला सह संयोजक अमित तिवारी, जिला उपाध्यक्ष लाला प्रसाद यादव, नगर सहसंयोजक दिलीप तिवारी, नावा बाजार प्रखंड अध्यक्ष हिमांशु कुमार, नीलांबर पीतांबरपुर मंत्री रोशन कुमार मेहता समेत कई लोग मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय सामान्य है. किसी कार्य के पहले सोच विचार कर लें. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वहीं परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवारिक जीवन सुखमय होगा.

वृषभ समय उत्तम फल प्रदान करेगा. आय का मार्ग खुलेगा.आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन काम में मन लगेगा. संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क लग्न का मालिक स्वग्रही है. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. समय थोड़ा आलस वाला होगा.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. अपनों से किसी बात को लेकर विवाद से दूर रहें.

कन्या रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम-काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. मेहनत का सही लाभ मिलेगा. गाय को गुड़ खिलाएं.

तुला काम-काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं. किसी गलतफहमी की वजह से परिवार या मित्र से मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं.

वृश्चिक समय अनुकूल है. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. कोई बड़ी यात्रा आवश्यक नहीं हो तो टाल दें.

धनु कोई उलझन हो सकता है. कार्य करने से पूर्व विचार कर लें, पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

मकर जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग है. कार्य योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आपके प्रयास से परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा.

कुंभ समय सामान्य है. कोई शोक या रोग हो सकता है. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. किसी प्रकार के विवाद में न पड़ें. झाड़ू का दान मंदिर में करें.

मीन आपके कार्य और प्रभाव में निखार आयेगी. भाग्य साथ देगा. किसी से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

सोनारी में स्थापित की जाएगी मां दुर्गा की 22 फीट की प्रतिमा

जमशेदपुर। दुर्गा पूजा के अवसर पर सोनारी वेस्ट दुर्गा पूजा समिति (सोनारी तरुण संघ) के तत्वावधान में इस वर्ष स्वर्ण जयंती समारोह 18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक सोनारी तरुण संघ मैदान में आयोजित होगा. उक्त जानकारी समिति के प्रवक्ता उत्पल घोष ने रविवार को क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्वर्ण जयंती समारोह के तहत समिति द्वारा पूजा पंडाल अक्षर धाम के प्रारूप में तैयार किया जा रहा है. इस वर्ष 22 फीट ऊंची देवी दुर्गा की प्रतिमा तैयार की जा रही है, जिसे पश्चिम बंगाल के सनातन रुद्रपाल तैयार कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल के चंदन नगर की आकर्षक विद्युत सज्जा पूजा पंडाल तथा आसपास लगायी जा रही है. बांग्ला देश से ढाक वादक दुर्गा पूजा में अपनी प्रस्तुति पेश करेंगे. समिति द्वारा चतुर्थी के दिन जरूरमंद 25 बच्चों को नया वस्त्र दिया जाएगा व सप्तमी के दिन जमशेदपुर वृद्धाश्रम के बुजुर्ग महाप्रसाद ग्रहण करेंगे.

बागबेड़ा में दुर्गा पूजा कमेटी की बैठक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर एक स्थित ब्राह्मण भवन में रविवार को केंद्रीय दुर्गा पूजा कमेटी साउथ जोन की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता कमेटी के उपाध्यक्ष परमात्मा मिश्र ने की. स्वागत भाषण कमेटी के सचिव हरि मुखी ने की. बैठक में जुगसलाई, बागबेड़ा, हरहरगुट्टू व बर्मामाइंस की सभी 30 पूजा कमेटियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे. इस दौरान उपस्थित जुगसलाई, बागबेड़ा एवं जुगसलाई थाना प्रभारियों ने पूजा कमेटियों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों की ओर से रखी गयी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया.

साकची गुरुद्वारा में हुआनेत्र जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता। जमशेदपुर

साकची गुरुद्वारा के गोबिंद भवन में एकदिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन रविवार को किया गया. रोट्रैक्ट क्लब ऑफ आर्का जैन यूनिवर्सिटी, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी साकची और पूर्णिमा नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया. गुरुद्वारा परिसर में कई लोगों ने अवसर का लाभ उठाते हुए अपने नेत्रों की जांच कराई. शिविर में कुल 109 लोगों की जांच की गई. उसके बाद डॉक्टर्स द्वारा लोगों को दवा दी गई. पूर्णिमा नेत्रालय के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुमन जाना, डॉ. सुबीर शेख, आंचल सिंह, श्वेता कुमारी और जे मनीष राज की देख रेख में हुए जांच शिविर में कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिमा नेत्रालय भेजा जाएगा. मौके पर साकची गुरुद्वारा के प्रधान निशान सिंह व महासचिव परमजीत सिंह काले ने कहा कि साकची गुरुद्वारा कमेटी धार्मिक समागमों के अलावा सामाजिक दायित्व निभाने के लिए तत्पर है. शिविर को सफल बनाने में सतनाम सिंह घुम्मन, ट्रस्टी सतनाम सिंह, जयमल सिंह, मनोहर सिंह मीते, जसबीर सिंह गांधी, त्रिलोचन सिंह तोची और दमनप्रीत सिंह का सराहनीय योगदान रहा.

मैथन में विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण समिति का चुनाव

मैथन(धनबाद)। गलफरबाड़ी क्षेत्र के कामिनी मैरिज हॉल में रविवार को झारखंड विश्वकर्मा बढ़ई कल्याण समिति एग्यारकुंड शाखा का सम्मेलन जिला अध्यक्ष लखनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुआ. उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षा पर जोर एवं दहेज प्रथा पर रोक लगाने की अपील की. जिला महामंत्री गुप्तेश्वर शर्मा ने संगठन पर विस्तार से चर्चा की. इसके बाद एग्यारकुंड प्रखंड कमेटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें अध्यक्ष उमेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष विजय शर्मा, सचिव दीपक कुमार शर्मा, सह सचिव राजकुमार शर्मा, संगठन सचिव कमलेश शर्मा, संगठन महामंत्री रामकृपाल शर्मा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, राजू शर्मा, लेखापाल कृष्णा शर्मा, क्षेत्रीय संगठन सचिव अजय शर्मा, सुदामा शर्मा, कैलाश शर्मा, संजय शर्मा, जयनारायण शर्मा, प्रेम शंकर शर्मा एवं कानूनी सलाहकार अधिवक्ता राजेश कुमार शर्मा चुने गये. सम्मेलन में जिला कोषाध्यक्ष उमेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष बैजू शर्मा आदि उपस्थित थे.

जमशेदपुर से आकर धर्मसभा में शामिल हुए विहिप कार्यकर्ता

संवादाता। जमशेदपुर

रांची जगन्नाथ मैदान में रविवार को आयोजित बजरंगदल शौर्य जागरण धर्मसभा में जमशेदपुर से सैकड़ों की संख्या में विश्व हिन्दू परिषद (वीएचपी) बजरंगदल के कार्यकर्ता शामिल हुए. रविवार सुबह जमशेदपुर से सैकड़ों की संख्या में विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल के कार्यकर्ता धर्मसभा में भाग लेने के लिए बस से रवाना हुए. जमशेदपुर महानगर जिला मंत्री चंद्रिका भगत व जिला समिति के नेतृत्व में सैकडों की संख्या में बसों व कारों से कार्यकर्ता रांची पहुंचे.

इस संबंध में जमशेदपुर महानगर जिला मंत्री चंद्रिका भगत ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल द्वारा 500 वर्षों के आंदोलन में हिंदू समाज के त्याग, शौर्य व बलिदान और उसमें संघ, विहिप बजरंगदल की प्रमुख भूमिका और हिंदू समाज के सहयोग को लेकर समस्त हिंदू समाज में जन जागृति हो. राष्ट्र तथा सनातन धर्म के विरोध में हो रहे षडयंत्र के प्रति सनातन हिंदू समाज एकजुट करने के उद्देश्य से रांची के जगन्नाथ मैदान में विराट धर्मसभा का आयोजन किया गया है. इसमे राज्य के कोने-कोने से वीएचपी कार्यकर्ता हिंदू भाई शामिल हुए. इससे पूर्व पूरे राज्य में शौर्य जागरण यात्रा निकाली गई.

आदि महोत्सव: झारखंडी दुसका और तेलंगाना की बिरयानी सबकी पसंद

संवाददाता। जमशेदपुर

बिष्टुपुर गोपाल मैदान में रविवार को आदि महोत्सव प्रारंभ हुआ. इस दौरान लोगों की भीड़ देखने को मिली. लोग हथकरघा उत्पाद को काफी पसंद करते नजर आए. इस महोत्सव में भाग लेनेवाले लोग स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठाते रहे. यहां लोगों को झारखंडी व्यंजन ढुसका और तेलंगाना की हैदराबादी बिरयानी खूब रास आ रही है. इसके अलावा राजस्थान की दाल बाटी चुरमा और मड़ुआ से बने लड्डू और पिज्जा भी काफी पसंद किए जा रहे हैं. वहीं लोगों को झारखंड में बनने वाली लाह की चूड़ियां और छत्तीसगढ़ के डोखरा भी पसंद आ रही है. जानकारी देते हुए ट्राईफेड से भास्कर झा ने बताया कि रविवार का दिन होने के कारण शाम होते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. ज्यादातर लोगों ने आदिवासी व्यंजन को खूब पसंद किया.

जड़ी बूटियां और खाद्य पदार्थ भी

उन्होंने बताया कि महोत्सव में पहली पाली में काफी लोग मौजूद रहे. इस महोत्सव में जड़ी-बूटी, तेल, खाद्य सामग्री और खेत में ऑर्गेनिक तरीके से उगाए गए दाल-चावल मौजूद हैं. वहीं स्टॉल में अंचार भी मौजूद है. लोगों को सोहराई पेंटिंग और आदिवासी परिधान भी पसंद आ रहे हैं. इस महोत्सव में कुल 336 कारीगर अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं. .लोग 16 अक्टूबर तक इस आदि महोत्सव का लुत्फ ले सकते हैं.

महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए डॉ षाड़ंगी

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत के जुगीपाड़ा स्थित सार्वजनिक रंकिणी मंदिर में आयोजित दो दिवसीय पूजा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को विधिवत रूप से पूजा-अर्चना हुई. उसके बाद महाप्रसाद का आयोजन किया गया. पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दिनेश कुमार षाड़ंगी ने महाप्रसाद वितरण की शुरुआत की. सैकड़ों पुरुष और महिला श्रद्धालुओं ने जमीन पर बैठकर महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी खायी. मौके पर दिनेश सिंह, गोपन परिहारी, सुमित कुमार लोधा, पूर्व वार्ड पार्षद असगर खान, मिन्हाज अख्तर, अशोक पति, रोहित पति समेत समिति के अध्यक्ष समीर नाथ,उपाध्यक्ष गोविंद गोराई, निमाई नाथ, सचिव मंतोष सीट, सह सचिव संजीव दास, कोषाध्यक्ष बलराम दास, संजय नाथ, सदस्य वीरू गोराई, झंटू नाथ, संजय दास समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे. शाम को बच्चों और महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

चिरकुंडा में निःशुल्क कृत्रिम पैर और कैलिपर्स कैंप का समापन

संवाददाता। मैथन

प्रेरणामय महिला समिति द्वारा चिरकुंडा एफसीआई गोदाम में आयोजित नौ दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम पैर व कैलिपर्स कैंप का समापन रविवार 8 अक्टूबर को हुआ. समारोह का उद्घाटन क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति विनोद कुमार अग्रवाल व समिति के अध्यक्ष श्रुति दुदानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. मुख्य अतिथि ने संस्था की इस पहल की सराहना की और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया. समिति के अध्यक्ष श्रुति दुदानी ने कहा कि इस शिविर के आयोजन में सभी वर्गों का सहयोग मिला, सभी को धन्यवाद. कहा कि समिति का लक्ष्य है कि क्षेत्र में एक भी दिव्यांग दूसरे पर आश्रित न रहे. समिति के सदस्यों ने बताया कि शिविर में महावीर सेवा संस्थान कोलकाता ने दिव्यांगों के कृत्रिम पैर व हाथ लगाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया. प्रत्येक 4 वर्ष पर एक बार चिरकुंडा में कैंप आयोजित किया जाता है. कैंप में 215 लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ और 165 लोगों को कृत्रिम पैर लगाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया.

लवली ने जितिया झूमर मेले का किया उद्घाटन

पांकी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व जिला पार्षद लवली गुप्ता ने जितिया झूमर मेला का फीता काटकर उद्घाटन किया. यह मेला पांकी प्रखंड के लोहरसी पंचायत के चट्टी, राजा गोसाई, लेखाअहरा, तेली पट्टी सहित कई जगहों पर आयोजित की जा रही है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लवली गुप्ता ने सभी पंचायत वासियों को जितिया पर्व की शुभकामनाएं दी. कहा कि जितिया पर्व हिंदू धर्म में संतान की लंबी उम्र की कामना के लिए किया जाता है. जीवन में मां का स्थान सबसे ऊंचा होता है. वह दया और ममता की सागर होती है. इसका कोई किनारा नहीं होता. मां 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर संतान के लिए सुख-समृद्धि की कामना करती है. झूमर मेला का आयोजन प्रमोद पासवान, बिना भुंया, भोला, मुकेश, विनय मेहता सहित अन्य ने किया. मौके पर समाज सेवी अनुप गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण सिंह, महामंत्री विनोद प्रजापति आदि उपस्थित रहे.

कविता पाठ आदित्यपुर में मैथिली कवि सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

कवियों ने श्रोताओं को विभिन्न रसों से किया सराबोर

संवाददाता। आदित्यपुर

अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद सरायकेला-खरसावां के तत्वावधान में रविवार की शाम सामुदायिक भवन श्रीराम मंदिर, रोड न0 13-14 आदित्यपुर-2 में मैथिली कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. दो सत्रों के कार्यक्रम में पहला सत्र कार्यक्रम के उद्घाटन का रहा, जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय शंकर मिश्र एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया. मौके पर डॉ. अशोक अविचल प्राचार्य एलबीएसएम महाविद्यालय, डॉ रविन्द्र चौधरी प्राचार्य घाटशिला कॉलेज, पंकज झा प्रदेश सचिव अंतरराष्ट्रीय मैथिल परिषद मौजूद रहे. स्वागत भाषण महासचिव गोपाल चन्द्र झा ने तथा अध्यक्षीय उद्बोधन अध्यक्ष हंसराज जैन दिया. संचालन राजीव रंजन एवं धन्यवाद ज्ञापन तरुण कुमार मिश्र ने दिया.

प्रथम सत्र में ही मिथिला मैथिली की सेवा के साथ समाज में हमेशा अपना कर्मठ योगदान देने के लिए शंकर पाठक, रजनीश झा, प्रभात रंजन चौधरी, सुरेश धारी, सुरेश कुमार झा एवं तारा कांत झा को सम्मानित किया गया. द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन में कवियों ने कविता पाठ किया. अध्यक्षता डॉ अशोक अविचल पूर्व समन्वयक साहित्य अकादमी नई दिल्ली ने की. कवियों में श्यामल सुमन, अशोक पाठक स्नेही, शिव कुमार झा टिल्लू, श्री विवेकानंद झा, श्रीमती नूतन झा, रूपम झा एवं ममता कर्ण ने अपनी कविता से श्रोताओं को विभिन्न रसों से सराबोर कर दिया. कवि सम्मेलन का संचालन गोपाल चन्द्र झा ने किया. इस अवसर पर जमशेदपुर के विभिन्न मैथिल संस्थाओं के अध्यक्ष, महासचिव सहित उनके कार्यकारिणी सदस्य गण के साथ भारी संख्या में श्रोता उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सदस्य तरुण मिश्र, अजय झा, बिजय झा, पंकज झा, पुष्कर सुमन, सुभाष झा, मुकेश झा का योगदान सराहनीय रहा.

भास्कर क्लब का बेहतर प्रदर्शन

संवाददाता। पांकी (पलामू)

पांकी के बसडीह स्थित देवी मंडप के प्रांगण में भास्कर क्लब की बैठक हुई. बैठक में नेहरू युवा क्लब से संबद्धता प्राप्त सामाजिक सरोकार वाले भास्कर क्लब के संरक्षक समिति का चयन किया गया. मौके पर प्रखंड के उपप्रमुख अमित कुमार चौहान को क्लब का प्रखंड स्तरीय संरक्षक के रूप में चयनित किया गया.

वहीं डंडारकला पंचायत के मुखिया प्रद्युम्न सिंह और पंचायत समिति श्याम नंदन ओझा को पदेन सदस्य के रूप में समिति का संरक्षक चुना गया. साथ ही गोविंद लाल श्रीवास्तव व युगेश्वर कुमार को समिति का अन्य संरक्षक के रूप में चुना गया. मौके पर भास्कर क्लब के अध्यक्ष नीरज पांडेय ने सभी नवचयनित संरक्षक सदस्यों को प्रमाणपत्र दिया.

भास्कर क्लब सामाजिक कार्यों में आगे : अमित कुमार चौहान : बैठक में उपप्रमुख सह क्लब के प्रखंड स्तरीय संरक्षक अमित कुमार चौहान ने कहा कि क्लब हमेशा से सामाजिक सरोकार के कामों में आगे रहा है. क्लब द्वारा लगातार खेलकूद, प्रतियोगिता आयोजन, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रम चलाया जाता रहा है, जो काबिले तारीफ है. भास्कर क्लब द्वारा जो भी कार्य हमें सौंपा गया है, हम उसे पूरी प्रतिबद्धता से पूरा करेंगे. मौके पर भास्कर क्लब के सौरव कुमार, अक्षय पांडेय, अमित कुमार, विशाल कुमार नोनिया सहित कई अन्य सदस्य भी उपस्थित थे.

शक के घेरे में जांच एजेंसियां

देवघर

एजेंसियां दवाव में काम नहीं कर सकतीं : शोभा

स्कूल संचालिका शोभा बथवाल ने कहा कि ईडी जैसी जांच एजेंसियां किसी राजनीतिक दवाव में काम नहीं कर सकती हैं. ऐसे संस्थानों में काम करने वालों का दिल किसी गलत काम या किसी के दवाब में काम करने की गवाही नहीं दे सकता है. अगर में भी उनकी जगह होती तो किसी राजनीतिक दवाब में काम नहीं करती, बल्कि भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ ईमानदारी से काम करती. राष्ट्रीय जांच एजेंसियां देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है.

सजा के बाद ही ईडी की उपयोगिता : प्रीति सिन्हा

सीनियर टीचर प्रीति सिन्हा ने कहा कि केन्द्रीय एजेंसी जिसकी भी जांच करें, उनके खिलाफ पुख्ता सबूत जरूर जमा करें, ताकि जब समय न्यायालय में उनके खिलाफ सबूत पेश करना हो तो वहां कोई कमी न रह जाए. आरोपितों को सजा मिलने के बाद ही ईडी जैसी एजेंसियों की सही मायने में उपयोगिता साबित हो सकती है. इस समय देश में बहुत से मामलों की जांच निष्कर्स तक नहीं पहुंची है. इस दिशा में शीघ्र काम होना चाहिए.

भ्रष्टाचार बढ़ा तो कार्रवाई भी तेज हुई : ममता किरण

स्कूल संचालिका ममता किरण ने कहा कि जिस तरीके से लगातार एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि ईडी के पास एक सूची तैयार है. पहले भी केन्द्रीय जांच एजेंसियां देश में काम करती रही हैं लेकिन आये दिन खबरों में छाए नहीं रहते थे. लेकिन आज जब भी न्यूज देखे या पढ़े, ईडी से जुडी एक खबर जरुर ही होती है. इससे लगता है जैसे भ्रष्टाचार बढ़ा है, वैसे की ईडी की कार्रवाई भी तेज हो गई है.

धैर्य रख कर एजेंसियों को कार्य करने दें : डॉ. पुष्प लता

एएस कालेज की विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्प लता ने कहा कि सरकारें जिनकी भी हों, जब केन्द्रीय एजेंसियां कार्रवाई करती हैं तो विपक्षी उनपर हमलावार हो जाते हैं. जांच एजेंसियों पर राजनीतिक दवाब का आरोप लगता रहा है. लेकिन आप सही हैं तो ईडी आपके खिलाफ बहुत दिन कार्रवाई नहीं कर सकती है. देश में न्यायालय की व्यवस्था है, जहां सबूत जरुरी है. ऐसे हम सबको धैर्य रखकर जांच एजेंसियो को अपना कार्य करने देना चाहिए.

सबूत या शिकायत पर एजेंसी करती है काम : एकता रानी

कोचिंग संचालिका एकता रानी ने साफ कहा कि ईडी जैसी एजेंसी किसी राजनीतिक दवाब में काम नहीं कर सकती है. जिनके खिलाफ कोई शिकायत या सबूत मिलती है उन्हीं की धर - पकड़ होती है. अगर विपक्ष को लगता है कि ईडी की कार्रवाई एक तरफा है तो ये भी सताधारी के खिलाफ ईडी में शिकायत करें, जब ईडी कोई कार्रवाई नहीं करे, तब माना जायेगा कि ईडी जैसी एजेंसी किसी राजनीतिक दवाब में काम कर रही है.

लातेहार

जांच एजेंसियों के कार्यों में हस्तक्षेप उचित नहीं: अतुल

सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों के कार्यों में हस्तक्षेप उचित नहीं है. केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं. उनके कामों में दखल देने से जांच कार्य प्रभावित होता है. ऐसे में लोगों का उन पर से विश्वास उठ जायेगा. आज भी जब कोई बड़ी घटना होती है तो लोग सीबीआई से जांच कराने की मांग करते हैं, इसका अर्थ है कि उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसियों पर भरोसा है और यह भरोसा टूटना नहीं चाहिए.

स्वतंत्र रूप से काम करती है जांच एजेंसी: राजू रंजन सिंह

यूनिटि ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस के राजू रंजन सिंह ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती है. उन पर किसी का दबाव काम नहीं आता है. वे निर्भीक और स्वतंत्र रूप से अपने कामों को अंजाम देती है. उनके कामों में किसी प्रकार की हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं है. पिछले पांच छह वर्षों में केंद्रीय जांच एजेंसियां अधिक सक्रिय हुई है और कई कांडों का खुलासा किया है.

केंद्रीय जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा: अनूप कुमार

सहायक शिक्षक संघ के जिला महासचिव अनूप कुमार ने कहा कि उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसियों पर काफी भरोसा है. केंद्रीय जांच एजेंसियां अपने कामों में किसी की दखल अंदाजी बरदास्त नहीं करती है.लेकिन पूर्वाग्रह या राजनीतिक बदले के लिए इन एजेंसियों का उपयोग नहीं होना चाहिए. ऐसा होने पर केंद्रीय जांच एजेंसियां कटपुतली बन कर रह जायेगी. आज भी लोगों को केंद्रीय जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा है. इसे टूटने नहीं देना चाहिए.

चक्रधरपुर

जांच एजेंसियां का काम निष्पक्ष नहीं :समिता देवी

चक्रधरपुर निवासी ने समिता देवी ने कहा कि जांच एजेंसियों का काम निष्पक्षतापूर्ण नहीं लगता है.जांच एजेंसियों की भी जांच की आवश्यकता है. एजेंसियों को कार्य में स्वतंत्रता मिलनी चाहिए.जिस तरीके से विपक्ष पार्टी के राजनेताओं के यहां ईडी, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग की छापेमारी हो रही है,इससे साफ पता चलता है कि ये सब केन्द्र सरकार के निर्देश पर ही किया जा रहा है. अगर राजनीतिक दल के नेता सत्ताधारी पार्टी के साथ हो जाते हैं तो उनकी जांच बंद कर दी जाती है.

केन्द्र सरकार के इशारे पर की जा रही है जांच : सुधा

चक्रधरपुर निवासी ने सुधा देवी कहा कि केन्द्र सरकार के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियां काम करती है. केन्द्रीय जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल हो रहा है. जांच एजेंसियों को स्वतंत्रता होना चाहिए. वह पक्ष या विपक्ष वैसे सभी नेता जो गलत कर रहे हैं, उनके यहां जांच की जाएं. किसी भी राजनीतिक दल की पार्टी केन्द्र में रहती है वह विपक्ष पार्टी के नेताओं के यहां जांच करवाती है, ताकि उस पार्टी को राजनीतिक लाभ मिल सकें.

जमशेदपुर

एजेंसी को अपनी प्रमाणिकता स्पष्ट करनी चाहिए : श्रीप्रिया

दक्षिण भारत महिला समाज की अध्यक्ष श्रीप्रिया धर्मराजन का कहना है कि केंद्रीय जांच एजेंसी एक स्वतंत्र संस्था है. इनका मुख्य कार्य बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष तरीके से अपने दायित्व को संपादित करना है. अगर केंद्रीय जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठता है तो जांच एजेंसी को चाहिए कि वो जनमानस में अपनी प्रमाणिकता भी स्पष्ट करे. हमेशा यह आरोप लगता है की सत्ताधारी दल इन एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं.

जांच एजेंसियां निष्पक्ष कार्य करती हैं : ललिता चंद्रशेखर

डीबीएमएस बोर्ड ऑफ ट्रस्ट की अध्यक्ष (प्रबंधन) ललिता चंद्रशेखर का कहना है कि विपक्षी दल लगातार यह आरोप लगाते हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियां निष्पक्ष तरीके से काम नहीं करती हैं. केंद्रीय एजेंसियां वैसे ही लोगों को चिह्नित करती हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और उन पर कार्रवाई भी करती है. यह एक स्वतंत्र संस्था है जो बिना किसी भेदभाव के काम करती है. जो लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, घोटाले किए हैं, उनके खिलाफ ही तो ये एजेंसी कार्रवाई करती है.

कार्रवाई राजनीतिक मुद्दा बन गयी है : सीमा सिंह

जमशेदपुर महिला यूनिवर्सिटी की शिक्षक सीमा सिंह का कहना है कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा विपक्ष के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर जो कार्रवाई की जा रही है, अब वह राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है. इसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टी एकजुट हो रही है. इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में दिखेगा. अभी तक भ्रष्टाचार को लेकर जितनी भी कार्रवाई की गई सब विपक्ष के नेताओं खिलाफ ही की गई, जबकि सत्ता दल में शामिल कई नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं.

संविधान के अनुसार कार्य करना चाहिए : पूर्वी घोष

महिला सामाजिक कार्यकर्ता पूर्वी घोष का कहना है कि केंद्रीय जांच एजेंसी एक स्वतंत्र संस्था है. उसे संविधान और नीति का पालन करते हुए निष्पक्ष होकर कार्य करना चाहिए. जो गलत हैं, भ्रष्टाचारी हैं, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यह नीति सबके लिए सामान्य होनी चाहिए, ताकि संस्था की विश्वनीयता पर कोई सवाल न उठे. वर्तमान में जिस प्रकार की कार्रवाई हो रही है, इससे केंद्रीय जांच एजेंसी सवालों के घेरे में है. उनकी कार्रवाई एकतरफा क्यों है, क्योंकि भ्रष्टाचारी तो सत्ता दल में भी हैं.

धनबाद

एजेंसियां केंद्र के इशारे पर करती हैं कामः नीतू तिवारी

विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ, सहयोग फाउंडेशन की अध्यक्ष नीतू तिवारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां पूरी तरह से केंद्र के इशारे पर काम करती दिखाई देती हैं. हाल के कुछ वर्षों में इसका प्रचलन ज्यादा बढ़ गया है. केंद्र के विरुद्ध जो भी रहता है, उसके खिलाफ सीबीआई, ईडी जैसे एजेंसी लगा दी जाती है. हालांकि यह भी सत्य है कि जिनके खिलाफ यह एजेंसियां लगती हैं, वह दूध के धुले नहीं होते हैं. इसी वजह से केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ देश में कहीं भी आवाज नहीं उठती है.

एजेंसी के जरिए सरकार डालती है दबावः कविता

सिल्ली कालेज सिल्ली की लेक्चरर कविता महतो कहती हैं कि कई बार काम करने का तरीका ऐसा होता है कि जो दिखता है, वास्तव में वह होता नहीं है अर्थात हिडन एजेंडा होता है. कुछ इस प्रकार से केंद्र सरकार अपनी सरकारी एजेंसियों के माध्यम से उन पर दबाव डालती हैं. खास बात यह है कि ऐसी घटनाएं तब ज्यादा चर्चा में होती हैं. जब एजेंसी जिन पर हाथ डाल रही है वह सत्ता के पक्ष में है या विपक्ष में. अगर 100 में 90 लोग या संस्थाएं वैसी हैं जो विपक्ष की हैं और जिन पर केंद्रीय एजेंसी दबाव डाल रही है.

तो सरकार खोएगी जनता का विश्वासः मीना कुमारी

गृहिणी मीना कुमारी ने कहा कि सत्ता के प्रभाव में जांच एजेंसियां नहीं आए. स्वविवेक, सही तरीके और निष्पक्ष भाव से एजेंसियों को काम करने की जरूरत है. वह सीबीआई हो या ईडी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट हो या फिर अन्य जांच एजेंसी. अगर सत्ता पक्ष इसका दुरुपयोग करेगा, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी हट जाएगा.इसलिए इन एजेंसियों को स्वतंत्र रहना चाहिए तथा किसी दबाव में काम नहीं करना चाहिए. सरकार को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए.

चाईबासा

पक्ष-विपक्ष किसी को नहीं छोड़ना चाहिए : शंकरी सुंडी

गृहिणी शंकरी सुंडी ने कहा कि राजनीति के संबंध में इतनी तो जानकारी नहीं रखती है. फिर भी यदि किसी नेता या कोई भी हो केन्द्रीय एजेंसी जब अकूत संपत्ति की जांच करती है तो किसी को दिक्कत नहीं होनी चाहिए. हां एजेंसी को पक्ष-विपक्ष किसी को नहीं छोड़ना चाहिए. पूरी निष्पक्षता के साथ केंद्रीय एजेंसी को जांच करनी चाहिए. जांच एजेंसी पर आम जनता का भी भरोसा होता है. इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए, न ही किसी का हस्तक्षेप होना चाहिए. गलत करने वालों पर कार्रवाई जरूरी है.

गलत नहीं किया है तो डरना नहीं चाहिए : लक्ष्मी

छात्रा लक्ष्मी कालुंडिया ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी किसी के खिलाफ जांच कर रही है तो करने देना चाहिए. यदि किसी ने गलत नहीं किया है तो डरना भी नहीं चाहिए. एजेंसी को किसी पार्टी या सरकार विशेष का दबाव नहीं झेलना चाहिए. अपने नियमानुसार गाइडलाइन के तहत ही जांच करनी चाहिए. किसी भी तरह की जांच होने से उसकी निष्पक्षता पर पूरा विश्वास होता है. भारतीय जनता पार्टी के भी कई पदाधिकारी हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. उन पदाधिकारी पर भी जांच होनी चाहिए.

राजनीतिक दबाव होने से बदले की बू आती है : मुनी

गृहिणी मुनी हेम्ब्रम ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी किसी व्यक्ति या पार्टी विशेष को टारगेट न करे. ऐसे भी एजेंसी किसी के दबाव में नहीं रहती है. जहां तक आरोप-प्रत्यारोप का मामला है तो जिसका जैसा नजरिया उसका वैसा वक्तव्य रहता है. जांच एजेंसी को स्वतंत्र छोड़ दें, राजनीतिक दबाव होने से बदले की बू आती है. आज सत्ता में भारतीय जनता पार्टी है तो उसके इशारे पर जांच एजेंसी कम कर रही है. कल अन्य पार्टी की सरकार होगी, तो उसके इशारे पर काम करेगी. ऐसे में बदले की राजनीति होती रहेगी.

भ्रष्टाचार में शामिल कई नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई, ईडी की छापेमारी

कठपुतली बन कर रह गई है जांच एजेंसियां

जांच एजेंसियों पर केन्द्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप

ईडी और सीबीआई के निशाने पर ज्यादातर विपक्षी दल के नेता

देश की केन्द्रीय जांच एजेंसियां शक के घेरे में आ गई हैं. उनपर केन्द्र सरकार के इशाने पर कार्रवाई करने के आरोप लग रहे हैं. हाल के दिनों में इन एजेंसियों के द्वारा कई नेताओं के ठिकानों पर ईडी और सीबीआई की छापेमारी की गई है और शिकंजा करने की कार्रवाई की जा रही है. इनमें ज्यादातर नेता विपक्षी दलों के हैं. लोगों का कहना है कि चुनाव नजदीक आ रहा है तो ये छापेमारी भी तेज हो रही हैं. सत्ताधारी इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई बता रहे हैं, जबकि विपक्ष सहित कुछ लोगों का कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार सिर्फ अपने विरोधियों को सबक सिखाने के उद्देश्य से केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही हैं. हाल के दिनों में देश के कई नामी राजनेता, आइएएस और पुलिस अफसरों पर ईडी और सीबीआई द्वारा की गई कार्रवाई संदेह के घेरे में है.इन एजेंसियों का सत्तारूढ़ दल दुरुपयोग कर रहा है. ये एजेंसियां केन्द्र सरकार के हाथों कठपुतली बन गई है. अब तक देश में इन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई इस बात को साबित कर चुकी हैं कि वे सत्ता पक्ष के इशारे पर कार्रवाई कर रही है. लोगों का कहना है कि सरकार को इन केंद्रीय एजेंसियों को पीएमओ कार्यालय से मुक्त कर दिया जाना चाहिए. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों की युवतियों, महिलाओं और अन्य लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

केन्द्र सरकार पर बदले की भावना से काम करने का आरोप

जांच एजेंसियों को पीएमओ कार्यालय से मुक्त करने की मांग

हजारीबाग

दबाव से जांच प्रभावित हो जाती है : प्रतिमा मिश्रा

नूतननगर निवासी प्रतिमा मिश्रा कहती हैं कि राजनीतिक दबाव से जांच प्रभावित हो जाती है. अक्सर यह आरोप लगते हैं कि सरकार विपक्षियों के खिलाफ इन जाचं एजेंसियों का इस्तेमाल करती है. यह सही नहीं है. जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रहने देना चाहिए. जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. यह तभी संभव है जब सरकार के नियंत्रण में जांच एजेंसियां काम नहीं करे.

प्रभाव में जांच एजेंसियां नहीं करे काम : ज्योति

मेडिकल की तैयारी कर रही छात्रा ज्योति कुमारी कहती हैं कि सत्ता के प्रभाव में जांच एजेंसियां नहीं आए. स्वविवेक, सही तरीके और निष्पक्ष भाव से एजेंसियों को काम करने की जरूरत है. वह सीबीआई हो या ईडी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट हो या फिर अन्य गठित जांच एजेंसियां. अगर सत्ता पक्ष इसका दुरुपयोग करेगी, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी उठ जाएगा.

अपने तरीके से काम करने देना चाहिए : प्रतिमा कुमारी

शिक्षिका प्रतिमा कुमारी कहती हैं कि जांच एजेंसियों को अपने तरीके से काम करने देना चाहिए. सभी को पता है कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष जांच नहीं करती हैं. सब कुछ सत्ता पक्ष के इशारे पर होता है. अगर यही हाल रहा, तो वह दिन दूर नहीं, जब वास्तविक न्याय लोगों से कोसों दूर चली जाएगी. ऐसे में न्याय की उम्मीद नहीं रह जाएगी. उस पर दबाव बनाने से जांच प्रभावित होना तय है.

जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति : मीतू मिश्रा

शिक्षिका मीतू मिश्रा का कहना है कि जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है. बदले की भावना से काम किया जाता है. सत्ता पक्ष विपक्षियों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है. ऐसे में पहले से लोगों को जांच के परिणाम की भनक हो जाती है कि क्या खुलासा होने वाला है. निष्पक्ष जांच के लिए सरकारी को इन जांच एजेंसियों को पूरी तरह छूट देनी चाहिए.

बदले की भावना से काम नहीं करना चाहिए : तृप्ति

अन्नदा कॉलेज ग्रेजुएशन की छात्रा तृप्ति कुमारी का कहना है कि सिर्फ दिखावे के लिए जांच एजेंसियां काम करती हैं. सत्ता पक्ष के प्रभाव में आकर बदले की भावना से जांच होती है. वह वही रिजल्ट देती है, जो केंद्र सरकार चाहती है. ऐसे में विपक्षियों में भय का वातावरण तैयार किया जाता है कि अगर वह सत्ता पक्ष के खिलाफ हुआ, तो सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स की जांच बैठा दी जाएगी.

गिरिडीह

जांच एजेंसियों को निष्पक्ष रहना चाहिए : चंद्रकला वर्मा

गृहणी चंद्रकला वर्मा ने कहा कि जांच एजेंसियों का पक्षपात पूर्ण कार्यशैली लोकतंत्र के लिए हानिकारक है. जांच एजेंसियों को सत्ता पक्ष व विपक्ष को एक ही नजर से देखना चाहिए. जांच एजेंसी पर देश की जनता को बहुत भरोसा है. इस भरोसे को बनाए रखने को जांच एजेंसी को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए. जांच एजेंसियां सत्ता पक्ष के दबाव में काम करे तो देश का लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा.

जांच एजेंसियों पर आरोप लगाना गलत : साक्षी भदानी

जमुआ की साक्षी भदानी में कहा कि देश के अंदर गलत करने वाले नेता व अधिकारियों में हमेशा भय बना रहता है. ऐसे लोग जांच से डरते हैं इसलिए उन्हें लगता है कि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है. देश की सभी जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से कम कर रही हैं. इस पर पक्षपात व दबाव में काम करने का आरोप लगाना पूरी तरह से गलत है.

हताश नेता जांच एजेंसियों को गलत बताते हैं : बेबी

गावां प्रखंड की बेबी देवी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं, इन पर सरकार का किसी प्रकार का दबाव नहीं होता है. गलत तरीके से पैसा कमाने वाले नेताओं व अधिकारियों के खिलाफ जांच एजेंसी समय-समय पर कार्रवाई करती है. इस कार्रवाई से हताश नेता जांच एजेंसियों को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश करता है.

जांच एजेंसियों का सहयोग करना चाहिए : डॉ. संगीता

धनवार प्रखंड की महिला चिकित्सक डॉ. संगीता सिंह ने कहा कि देश की जांच एजेंसियां स्वतंत्र रुप से काम करती हैं. इसकी कार्रवाई पर उंगली उठाना बहुत ही गलत है. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए ही जांच एजेंसियां बनाई गई हैं. इसके खिलाफ विपक्षी दलों की बयानबाजी कहीं से भी उचित नहीं है. जांच के दायरे में आने वाले राजनेताओं व अधिकारियों को जांच एजेंसियों को सहयोग करना चाहिए.

किरीबुरु

जांच एजेंसियों का दुरूपयोग नई बात नहीं : आयुषी कौर

किरीबुरु निवासी सीए की छात्रा आयुषी कौर कहती हैं कि सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, इनकम टैक्स जैसी केन्द्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग का मुद्दा कोई नई बात नहीं है. बड़ी बात तो यह है कि जिन्होंने सरे आम अपने इस देश को लूटा है , उन भ्रष्टाचारियों की तलाशी कोई नहीं लेता है. लहरों पर पहरे बैठाये जाते हैं, समंदरों की तलाशी कोई नहीं लेता है. शासन-प्रशासन में कदम-कदम पर भ्रष्टाचारी खटमल आम जनता का खून चूसने के लिये भरे पडे.हैं. एक बार मेरा सामना भी एक सरकारी कार्यालय में ऐसे भ्रष्टाचारी खटमलों से हुआ था. क्या-क्या नहीं पापड़ बेलने पडे.थे. बिना चढावे के काम आगे बढ़ ही नहीं पाई थी. जाके पांव में फटी बिवाई, सोई जाने पीरपराई. आयुषी ने कहा कि उक्त एजेंसियों की छापेमारी पर आखिर देशभर में शोर मचाने का काम चोर ही क्यों करते हैं, जबकि सारा समाज व गरीब प्रतिदिन चिल्ला रहा है. आखिर हमारा खून कब तक चुसाता रहेगा. राजनीतिक व प्रशासनिक खटमल तो लोगों का रक्त पीकर लालचट्ट व मोटे होते जा रहे हैं. इन्हें वेतन, पेंशन व तमाम सरकारी सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराती है. इसके बावजूद ये भ्रष्टाचार के नये-नये तरीके इजाद कर अपनी बैंक बैलेंस व सम्पत्ति काली कमाई से भरे हुये हैं. उसने एक कहावत बताया कि 'घोटाला था मांद का, जंगल में था शोर, जांच कमीशन के लिये आगे आया मोर'. अर्थात् इनके खिलाफ निष्पक्षता से जांच भी नहीं होती. ऐसे लोगों के खिलाफ सभी सरकारों की तरफ से निरंतर कार्रवाई होनी चाहिए. चाहे राजनीति से प्रेरित हो या भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई हो. जो भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होगा, उसे डर किस बात की.

घाटशिला

बड़े अधिकारी तथा राजनेताओं का हुआ पर्दाफाश : राखी

केंद्रीय जांच एजेंसियों के संबंध में दहीगोड़ा निवासी गृहिणी राखी जायसवाल ने कहा कि जांच एजेंसियों पर आरोप लगाना गलत है. शुरू से ऐसा होता आया है कि जो चोर होते हैं, उन्हें यदि पकड़ा जाए तो सामने वाले पर आरोप लगाते ही हैं. केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा लगाए गए आरोप का आरोपियों को जवाब देना चाहिए एवं जांच एजेंसियों को जांच में पूरा सहयोग करना चाहिए. जो लोग जांच एजेंसी का सहयोग नहीं करते वैसे लोग निश्चित रूप से कहीं न कहीं आरोपी हैं. उन्हें पकड़े जाने का डर सताता है.

भ्रष्टाचार में शामिल नेता ही लगाते हैं आरोप : देवयानी

घाटशिला अंश 16 की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने कहा कि विपक्ष का आरोप समझ से परे है. केंद्रीय जांच एजेंसी इनकम टैक्स, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसी बड़े भ्रष्टाचार के मामले का खुलासा कर रही है. हजारों करोड़ रुपए अवैध कमाई के बरामद हुए हैं. करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति जब्त हो रही है. भ्रष्टाचार के दस्तावेज बरामद हो रहे हैं. केंद्रीय जांच एजेंसी के काम में किसी प्रकार की दखलअंदाजी किसी को नहीं करनी चाहिए.

आदित्यपुर

ईडी और सीबीआई के कार्य संदेह के घेरे में : शारदा देवी

सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में प्रबुद्ध महिला शारदा देवी कहती हैं कि हाल के दिनों में देश के कई नामी राजनेता, आइएएस और पुलिस ऑफिसरों पर ईडी और सीबीआई द्वारा किये गए कार्य संदेह के घेरे में है. यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है. ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए, वर्ना लोग इंसाफ मांगने कहां जाएंगे. इन एजेंसियों का सत्तारूढ़ दल दुरुपयोग कर रहा है. पूर्व में पुलिसिया कार्रवाई से असंतुष्ट लोग सीबीआई जांच की मांग करते थे, लेकिन अब इनकी विश्वसनीयता कम हुई है.

अब पीएम कार्यालय के इशारे पर कार्रवाई : नीतू

आदित्यपुर नगर निगम की पूर्व पार्षद नीतू शर्मा कहती हैं कि एक समय था जब देश की जनता सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां पर भरोसा करती थी और इनकी कार्रवाई पर विश्वास करती थी. वर्तमान समय में देश कुछ लोगों के विरुद्ध की गई कार्रवाई से इनके विश्वास पर उंगलियां उठी हैं. आम लोगों को पता चल गया है कि यह कार्रवाई अब प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर हो रही है.

साहिबगंज

सत्ता के दबाव में है जांच एजेंसियां : सबीना किस्कू

बोरियो की जिला परिषद सदस्य सबीना किस्कू का कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां पूरी तरह से केंद्र के इशारे पर काम करती दिख रही हैं. हाल के कुछ वर्षों में इसका प्रचलन ज्यादा बढ़ गया है. जो भी लोग केंद्र के खिलाफ बोलते हैं उसके खिलाफ सीबीआई, ईडी, जैसे एजेंसी को लगा दिया जाता है. अगर सत्ता पक्ष जांच एजेंसी का दुरुपयोग करेगी, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी हट जाएगा.इन जांच एजेंसियों का काम काफी महत्वपूर्ण है. इसलिए इन्हें किसी दबाव में काम नहीं करना चाहिए.

एजेंसियों को निष्पक्ष रहना ही चाहिए : संगीता टूटू

साहिबगंज कॉलेज की पीजी छात्रा संगीता टूटू ने कहा कि जांच एजेंसियां सत्ता के प्रभाव में नहीं आए. एजेंसियों को स्वविवेक, सही तरीके व निष्पक्षता से काम करने की जरूरत है. सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स या कोई अन्य जांच एजेंसियों का अगर सत्ता पक्ष दुरुपयोग करेगी, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी हट जाएगा. जांच एजेंसियां सत्ता पक्ष के इशारे पर या दबाव में काम करेंगी तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा.

बेरमो

निष्पक्ष तरीके से जांच करे तो शिकायत नहीं : रोशनी

तेनुघाट कॉलेज की छात्रा रोशनी परवीन ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक दलों के नेताओं पर दबिश बनाए हुए है, खासकर विपक्ष के नेताओं पर. जांच एजेंसियां निष्पक्ष तरीके से जांच करे तो कोई शिकायत नहीं है, लेकिन जानबूझकर विपक्षी नेताओं को टारगेट करे तो ठीक नहीं है. जो कोई भी टैक्स चोरी करता हो या गलत तरीके से पैसा कमाता हो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. ईडी, सीबीआई व अन्य जांच एजेंसियां स्वतंत्र ऐजेंसियां हैं.

एजेंसी की कार्यशैली से हो रहा शक : इंदु कुमारी

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही गोमिया की छात्रा इंदु कुमारी ने कहा कि मौजूदा समय में जांच एजेंसियों को शक की निगाह से देखा जा रहा है. जांच एजेंसियां सिर्फ विपक्ष के नेताओं को क्यों टारगेट करती है. इस बात की चर्चा इसलिए हो रही है कि जिस नेता पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा और वह नेता पार्टी बदल कर सत्ताधारी पार्टी में शामिल हो गया तो उसकी जांच रुक जाती है. इसलिए जांच एजेंसियों की ईमानदारी पर प्रश्न चिह्न लग रहा है.

गोड्डा

एजेंसी सक्रिय हुई इसलिए खलबली मची : गौरी प्रिया

पूर्व जिला परिषद सदस्य गौरी प्रिया ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां दबाव में नहीं है, बल्कि सक्रिय हुई हैं. जब काम करेगी तब किसी न किसी को तकलीफ तो होगी ही. इसलिए सभी जांच एजेंसियों को और अधिकार देकर पूरी तरह से सक्रिय बनाना चाहिए. जिस रफ्तार से छापेमारी हो रही है, केस दर्ज किए जा रहे हैं, लेकिन कोर्ट ने उस अनुपात में सजा नहीं हो पा रही है. जब साइंटिफिक एविडेंस आएगा तो सजा का दर भी बढ़ जायेगा.

अधिकांश छापेमारी गैर भाजपाई पर : बेनू चौबे

गृहिणी बेनू चौबे ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी जिस प्रकार काम कर रही है, उसे लगता है कि वह दबाब में है. जितनी भी छापेमारी हुए हैं या मामला दर्ज किए गए हैं, उसमे नब्बे फीसदी मामले विपक्ष पार्टी से जुड़े हैं. ऐसा नहीं है कि केंद्र में बैठी पार्टी को छोड़कर बाकी सभी भ्रष्ट हैं. लेकिन जांच एजेंसियां तो यही मैसेज दे रही है कि विपक्ष के लोग भ्रष्ट आचरण में लिप्त हैं. पहले भी जांच हुई है, मगर अभी जांच के नाम पर भयभीत करने का काम किया जा रहा है.

जांच एजेंसियों के कार्यों की भी जांच होनी चाहिए : रीना

अधिवक्ता रीना डे कहती है कि अगर जांच एजेंसी पर सवाल उठ रहे हैं तो इस पर भी जांच होनी चाहिए कि आखिर जांच का पैमाना क्या है. कोई शिकायत मिलती है तो उसमें कितनी सत्यता सामने आती है, इसका भी खुलासा देश के सामने होना चाहिए. किसी के घर छापेमारी होती है तो मामला सुर्खियों में आ जाता है, मगर उसके बाद क्या कार्रवाई हुई या क्या मिला इसे दबा दिया जाता है. भ्रष्टाचार पर कार्यवाही अवश्य होनी चाहिए.

पाठक इस विषय पर आज दें अपनी राय

क्या केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम करती हैं. सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियां राजनीतिक दलों के नेताओं पर शिकंजा कस रहीं हैं. विपक्ष के नेता जहां इसे सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से परेशान करनेवाली कार्रवाई बता रहे हैं, वहीं सत्ता पक्ष ने उनके आरोपों को निराधार बताते हुए केंद्रीय एजेंसियों के स्वतंत्र रूप से काम करने की बात कही है.

नोट पाठक 50 से 75 शब्दों में अपनी राय नाम, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ वाट्स एप नंबर 8102917469 पर भेजें. आपकी राय 10 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

किशोरी का नहीं मिला सुराग, सड़क पर उतरे लोग

बालूमाथ (लातेहार)। शनिवार को बालूमाथ में एक नाबालिग किशोरी का अपहरण कर लिया गया था. किशोरी के पिता ने इसकी सूचना बालूमाथ थाना को दी है. लेकिन अपहरण के 24 घंटे के बाद भी अपहृत किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है. बालूमाथ पुलिस का दावा है कि वह हर संभावित ठिकानों पर छापेमारी लगातार कर रही है. कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी किया जा चुका है. रविवार को बालूमाथ का एक प्रतिनिधिमंडल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी शशिरंजन कुमार से मुलाकात की और अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली. अपहृत किशोरी का कोई सुराग नहीं मिलने से ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग- 22 को पास जाम कर दिया.

मनिका में दूसरी बच्ची का शव भी नदी से बरामद

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के भटको ग्राम के औरंगा नदी में शनिवार की दोपहर छह बच्चियां नहाने के क्रम में पानी के तेज बहाव में बह गयी थी. ग्रामीणों ने चार बच्चियों को सकुशल नदी से निकाल लिया था. लेकिन दो बच्ची लापता हो गयी थी. बाद में एक बच्ची पूर्णिमा कुमारी का शव नदी से बरामद किया गया था, लेकिन दूसरी बच्ची चांदनी लापता थी. रात भर परिजन उसकी तलाश करते रहे. रविवार की सुबह भटको और उचवाबाल ग्राम के बीच में औरंगा नदी के किनारे उस बच्ची का शव बरामद किया गया. परिजन शव की पहचान कर घर ले आये. घटना के बाद से गांव में मातम छाया हुआ है.

सामूहिक दुष्कर्म का चौथा आरोपी भी हुआ गिरफ्तार

देवघर। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपित करौ थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी सुखेंद्र दास उर्फ सिकंदर दास को पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया. कांड के इस अप्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने शनिवार को करौ थाना क्षेत्र में उसके घर से गिरफ्तार किया था. इस कांड के अन्य तीन आरोपित देवब्रत महरा व श्याम सुन्दर दास को पथरड्डा थाना क्षेत्र के डुमरिया से, जबकि अजीत दास को चोरमारा से गिरफ्तार कर पुलिस ने पहले ही जेल दिया है. इसी मामले का चौथा आरोपी करौ गोविन्दपुर निवासी सिकन्दर दास फरार चल रहा था. इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही थी.

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक नहीं हो रही है पहचान

देवघर। जसीडीह थाना क्षेत्र के हथियारा गांव के समीप रेलवे ट्रैक से जसीडीह पुलिस ने अधमरा अवस्था में एक युवक को बरामद किया. जानकारी के अनुसार युवक के शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था. उसके पूरे शरीर में मारपीट के निशान हैं. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल से युवक को बरामद कर इलाज के लिए एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेज दिया. समाचार लिखे जाने तक युवक के नाम व पता की जानकारी नहीं मिली है.

पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, पूछताछ जारी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के उरांव बस्ती में पिस्टल लेकर घूम रहे एक युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. इधर पुलिस युवक को थाने ले गई जहां उससे पूछताछ की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार युवक अन्य दो साथियों के साथ शनिवार देर रात 11.30 बजे उरांव बस्ती की सड़कों पर पिस्टल चमका रहा था. इसी बीच बस्ती के लोगों ने उसे पकड़ लिया. बताया जाता है कि युवक हाल ही में जेल से छूटकर बाहर आया है और किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की फिराक में था.

परसुडीह में छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

जमशेदपुर। जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत गोलपहाड़ी मंदिर के पास स्थित यूनाईटेड कंपनी के पास रहने वाले धर्मेंद्र सत्यार्थी की 22 वर्षीय पुत्री चांदनी सत्यार्थी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है. घटना के बाद उसे सदर अस्पताल ले जाया गया जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया. रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया. इस संबंध में पिता धर्मेंद्र सत्यार्थी के बयान पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कराया गया है. चांदनी बीए की पढ़ाई करती थी.

ओडिशा और मध्यप्रदेश के बाद राज्य सरकार कर रही है अब तेलंगाना मॉडल की स्टडी

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है अवैध भवन संबंधी विधेयक

सत्य शरण मिश्रा । रांची

झारखंड के शहरी निकायों में अवैध नक्शे पर बने 7 लाख से अधिक भवनों के नियमितिकरण में अभी और वक्त लगेगा. उम्मीद जताई जा रही है कि झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इससे संबंधित विधेयक लाया जा सकता है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवंबर 2022 में ही शहरी निकायों में 31 दिसंबर 2019 के पहले बने अवैध भवनों को नियमित करने की योजना के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी थी. इसके बाद नगर विकास विभाग ने इस ड्राफ्ट और बेहतर बनाने के लिए एक कमेटी बनाई. उस कमेटी ने प्रारूप पर स्टेक होल्डर्स और आम लोगों की राय और आपत्ति मांगी थी. 2022 में ही स्टेक होल्डर्स ने आपत्ति दर्ज करा दी थी. वहीं कमेटी ने ओडिशा, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के ड्राफ्ट का अध्ययन किया. अब कमेटी तेलंगाना मॉडल की स्टडी कर रही है. इसके लिए हैदराबाद से डॉक्यूमेंट मंगाये गये हैं.

चैंबर को सरकार ने दिया है आश्वासन

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री और उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने इसे लेकर वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव से भी मुलाकात की. किशोर मंत्री ने बताया कि मंत्री ने कहा है कि सरकार इसे लेकर गंभीर है. विधानसभा के शीतकालीन सत्र में ही इसे लाने की तैयारी है. उन्होंने यह भी बताया कि विभागीय सचिव विनय चौबे ने कहा है कि तेलंगाना मॉडल का अध्ययन करने के बाद प्रारूप को फाइनल किया जाएगा. वहीं चैंबर ऑफ कॉमर्स ने शहरों में सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर बने 75% भवनों को नियमित करने के लिए बीच का रास्ता सुझाया है. साथ ही इस योजना को लागू करने का सुझाव भी दिया है.

इन सुझावों पर भी विचार कर रही कमेटी

स्टेक होल्डर्स ने सुझाव दिया है कि जिन भवनों की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक और 500 स्क्वायर मीटर प्लिंथ एरिया से ज्यादा है, उसका भी शुल्क के साथ नियमितिकरण का प्रावधान किया जाना चाहिए. 500 स्क्वायर मीटर से अधिक प्लिंथ एरिया वाले रेसिडेंशियल बिल्डिंग को नगर निगम क्षेत्र में 100, नगर परिषद में 75 व नगर पंचायत में 50 रु. प्रति स्क्वायर मीटर पर रेगुलर किया जाना चाहिए.

2012 के बाद खरीदी गयी अधिकांश जमीनों में बिना नक्शे के बने भवन

2012 में 51 पिछड़ी जाति को सीएनटी एक्ट में शामिल किया गया था. शहरी निकायों में काफी जमीन 2012 के बाद खरीदे गये थे. सीएनटी में आने के कारण इन जमीनों की न रसीद कटती है और न म्यूटेशन होता है. 75 फीसदी लोगों का नक्शा भूमि संबंधी मामले के कारण पास नहीं हुआ है. ऐसे मकानों को नियमित करने के लिए कई पेपर्स की जरूरत है, जो मकान मालिकों के पास नहीं है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- पाइराइट उत्पादन में झारखंड का भारत में कौन सा स्थान है – पहला
- पिन घाटी राष्ट्रीय उद्यान किस प्रदेश में है – हिमाचल प्रदेश
- लेज़र प्रिंटर में किस तरह के लेज़र का प्रयोग होता है – अर्धचालक लेजर
- किस राज्य के याक चूरपी को जीआई टैग मिला है – अरुणाचल प्रदेश
- करमा पर्व किस माह में मनाया जाता है – भाद्रपद
- विश्व का सबसे बड़ा सदाबहार वन कौन है – सुंदरवन
- जंगल के जलने का प्रथम स्थान किस काल का है – उत्तर वैदिक काल
- मूंगा चट्टान किस महासागर में पाई जाती है – प्रशांत महासागर
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोग किसके घर बनाते थे – ईंट
- ब्रह्मदेव नारायण सिंह ने अपनी राजधानी कहां बनाई थी – पदमा

भाकपा माओवादी दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता ने जारी किया प्रेस बयान

नक्सलियों का फरमान: पुलिस-अर्द्धसैनिक बलों की न करें मदद, वर्ना...

संवाददाता । किरीबुरु

नक्सलियों द्वारा जारी पत्र एवं कोल्हान जंगल में सक्रिय नक्सलियों की तस्वीर

रहें सचेत

- वाहन मालिक व चालकों को दी गई है चेतावनी
- जंगल इलाके से गाड़ी नहीं चलाने की है अपील

कोल्हान वन क्षेत्र में चलने वाले यात्री और मालवाहक वाहन मालिकों और चालकों क लिए नक्सलियों ने फरमान जारी किया है. फरमान में कहा गया है कि वाहन मालिक और चालक पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों की किसी भी तरह की मदद नहीं करें. भाकपा माओवादी, दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता अशोक ने प्रेस बयान जारी कर यह फरमान जारी किया है. अशोक ने कहा है कि 15 दिसंबर 2022, 18 जनवरी 2023 और 17 अप्रैल 2023 को दक्षिणी जोनल कमेटी ने ग्रामीण जनता को बुबीट्रैप (पागल जाल) से सावधान करने और यात्री वाहन के मालिकों से पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को न ढोने और गाड़ी नहीं देने तथा शाम 6 बजे के बाद और सुबह 6 बजे के पहले तक जंगल इलाके से गुजरने वाले रोड से गाड़ी नहीं चलाने की अपील की थी.

पुलिस के बहकावे में आकर जिन लोगों ने कमेटी की बात नहीं मान कर जंगल में घुसे तो बुबीट्रैप माइन में फंस कर अपनी जान गंवा दी. कुछ लोग घायल भी हुए. उसके लिए वे लोग खुद, पुलिस व सरकार जिम्मेदार हैं. इसी तरह की एक घटना 22 सितंबर को घटी. उसमें सीआरपीएफ के हाथीबुरू कैंप में सामान ले जा रहे ट्रैक्टर बारूदी सुरंग की चपेट में आने से ट्रैक्टर के हेल्पर लोबो गोप मारा गया और चालक पकलु बोदरा घायल हो गया. इसके लिए दक्षिणी जोनल कमेटी दुख प्रकट करती है. इस घटना के जिम्मेदार पब्लिक वाहन से सामान ढुलाई कराने वाले हाथीबुरू सीआरपीएफ कैंप के अधिकारी, ट्रैक्टर मालिक और चालक हैं. अशोक ने चौथी बार पुनः वाहन मालिकों और चालकों को चेताया है कि सीआरपीएफ, पुलिस कैम्प के जवानों को और कैम्प के सामान की ढुलाई न करें, क्योंकि ऐसा करने से उनका वाहन बारूदी सुरंग की चपेट में आ सकता है.

इससे सेकेंड भर में गाड़ी के परखच्चे उड़ सकते हैं. इसके लिए खुद वाहन मालिक और चालक जिम्मेदार होंगे. आम ग्रामीण, गाड़ी चालक व खलासी, पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के आम सिपाही व जवान भी हमारी पार्टी व पीएलजीए का निशाना नहीं है. हमारा मुख्य दुश्मन लुटेरी साम्राज्यवाद, दलाल नौकरशाह, पूंजीवाद और सामंतवाद हैं. इन लुटेरे शोषक शासक वर्ग हमारे देश के मजदूर-किसान, छात्र-नौजवान, निम्न पूंजीपति वर्ग और आम मेहनतकश जनता के दुश्मन हैं. इन मुट्ठीभर शोषक शासक वर्ग 90 प्रतिशत मेहनतकश जनता के ऊपर लूट, शोषण और दमन राज व शासन चला रहा है. उनका इस लूट, शोषण और दमन का राज व शासन सत्ता एकमात्र बंदूक के बल पर ही टिका हुआ है. उस शोषक शासक वर्ग की और उसके हित की रक्षा व उसके लूट- शोषण और दमन के राज व शासन सत्ता की रक्षा वर्तमान पुलिस, अर्द्धसैनिक बल और मिलिट्री करती है.

ये सरकारी सशस्त्र संगठन किसान-मजदूर मेहनतकश वर्ग का दमन करने का एक यंत्र व औजार के रूप में काम कर रहा है. इसलिए पुलिस, अर्द्धसैनिक बल और मिलिट्री जब तक शोषक शासक वर्ग के हित व शासन सत्ता को टिकाकर रखने और मजदूर किसान, छात्र-नौजवान सहित मेहनतकश वर्ग के दमन का यंत्र व औजार के रूप में काम करेगा.

सीतारामडेरा में शराब को लेकर चली थी गोली

जमशेदपुर। सीतारामडेरा में अवैध शराब की बिक्री एक बार फिर शुरू हो गई है. तत्कालीन एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने सीतारामडेरा के उंराव बस्ती में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने को लेकर अभियान चलाया था. अभियान के कुछ दिनों तक तो सब कुछ ठीक चला पर शनिवार देर रात उरांव बस्ती में हुई गोली चालन की घटना ने इस अभियान की पोल खोलकर रख दी. इसका खुलासा इस घटना में घायल मोनी महंती ने किया है. मोनी को पुलिस ने देसी पिस्टल और दो जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया है. वहीं घटना स्थल से एक खोखा भी बरामद किया गया है. मामले को लेकर दुर्गा साहू ने बताया कि देर रात युवक अपने दो साथियों के साथ आया और रंगदारी की मांग करने लगा. इसी बीच उसने पिस्टल तान दी.

मेदिनीराय के आदर्शों को है अपनाने की जरूरत : रामचंद्र

संवाददाता। लातेहार

मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि हमें राजा मेदिनीराय के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि राजा मेदिनीराय समाज के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलते थे और आज भी यह प्रासांगिक है. विधायक बेतला के पलामू किला में मेदिनी युवा मंच के द्वारा राजा मेदिनी राय तर्पण सह चेरो मिलन समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रामचंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हरेराम सिंह चेरो, भरनो प्रखंड के बीडीओ अरुण कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य बासो देवी, डॉ. मीना, पूर्व सीओ युगेश्वर सिंह, सतबरवा थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी समेत चेरो समाज के कई जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया. अध्यक्षता मेदिनी युवा मंच के अध्यक्ष अवधेश सिंह चेरो व संचालन हृदया सिंह चेरो ने किया.

महिला की मौत के बाद सड़क की जाम

संवाददाता । निरसा

निरसा बाजार मुख्य चौक जीटी रोड पर रविवार सुबह ट्रक की चपेट में आकर 50 वर्षीय महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. हर दिन की तरह बाजार चौक सड़क पर पूरी तरह से जाम की स्थिति बनी हुई थी. निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत भुरकुंडाबाड़ी निवासी महिला धनबाद से चिरकुंडा की तरफ जा रही थी. वह सड़क पार कर रही ती, तभी ट्रक की चपेट में आ गई.

पिछला चक्का उसके शरीर पर चढ़ गया वघटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई. शव के टुकड़े में बंटकर इधर-उधर बिखर गया था. घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना निरसा पुलिस को दी गई. पहुंचे निरसा पुलिस की टीम ने शव को बहुत मुश्किल से एक जगह समेट कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. शव सड़क पर पड़े रहने के कारण यातायात घंटों बाधित रहा. कोलकाता लेन पूरी तरह जाम रहने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गयी. पुलिस के पहुंचने व शव को हटाये जाने के बाद ही यातायात सुचारू रूप से प्रारंभ हुआ. घटनास्थल पर ही खड़े ट्रक को जब्त कर पुलिस थाने ले गई.

लोगों ने कहा कि निरसा से गुजरने वाले कोलकाता नई दिल्ली हाइवे पर खड़े वाहन मौत का कारण बन रहे हैं. निरसा हटिया मोड़ से गोपिनाथपुर दोनों तरफ जाने वाले रोड पर खड़े ट्रकों में छोटे वाहनों के धक्का मारने व उसकी चपेट में आकर अक्सर किसी न किसी यात्री की जान चली जाती है. निरसा चौक के दोनों लेन पर ऑटो और चार पहिया वाहन भी दुर्घटना का कारण है.

पारसनाथ में वंदना के दौरान टीकमगढ़ के यात्री की मौत

पीरटाड़ (गिरिडीह)

जैन के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मधुबन स्थित पारसनाथ पर्वत पर वंदना के दौरान रविवार को एक तीर्थयात्री की मौत हो गई. टीकमगढ़ से आए लगभग 50 वर्षीय तीर्थ यात्री सुरेशचंद्र सिंघई वंदना कर रहे थे कि पर्वत स्थित भगवान सीतलनाथ व अभिनन्दन स्वामी टोंक पर हृदय गति रुकने के कारण उनकी मौत हो गई. साथी यात्रियों ने बताया कि अचानक तीर्थ यात्री नीचे गिर गए और उनका देहांत हो गया. आनन-फानन में उन्हें नीचे उतारकर डाक्टर से दिखलाया गया. जहां डॉक्टरों ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया. बता दें कि सुरेशचंद्र सिंघई अपने परिवार के साथ टीकमगढ़ से यात्रियों के जथ्था में मधुबन आए हुए थे और सभी लोग वंदना करने पारसनाथ पर्वत पर गए थे. ये मधुबन स्थित श्री दिगंबर जैन तेरह पंथी कोठी में ठहरे थे. यात्री सुरेशचंद्र सिंघई के निधन के बाद परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है. वहीं मृतक के शव को पर्वत से डोली के सहारे तेरह पंथी कोठी लाया गया.

उत्पाद विभाग ने पुलिस के साथ संयुक्त रूप से दलमा में चलाया छापामारी अभियान

दलमा में अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा

दिलीप कुमार । चांडिल

शराब जब्त

- अब तक चार फैक्ट्री का भंडाफोड़ हो चुका है
- नकली शराब को पीकर लोग बीमार भी पड़ रहे हैं

चांडिल थाना अंतर्गत जंगल पहाड़ी क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार मजबूती के साथ अपना पांव जमाए हुए है. यह अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री हो गया है. शराब में मिलावट कर उसे बाजार में बेचने का कारोबार तेजी से फैला है. यहां इसकी जड़ें काफी गहरी हैं.

जिला पुलिस और उत्पाद विभाग के लगातार कार्रवाई के बावजूद आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं. दलमा के तराई में और एनएच 33 के किनारे अब तक चार अवैध शराब का फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया जा चुका है. लगातार की जा रही कार्रवाई के बावजूद गोरखधंधा करने वाले बाज नहीं आ रहे हैं. अवैध शराब का कारोबार चल ही रहा है. मिलावटी व नकली शराब को पीकर लोग बीमार तो पड़ ही रहे हैं, आने वाली पीढ़ी का भविष्य भी बर्बाद हो रहा है. सरायकेला-खरसावां जिला के उत्पाद अधीक्षक के निर्देशानुसार रविवार को उत्पाद विभाग के दल ने चांडिल थाना की पुलिस के साथ काठजोड़ गांव के आसपास संयुक्त उत्पाद छापामारी अभियान चलाया. इस दौरान चांडिल थानांतर्गत काठजोड़ जंगल में संचालित अवैध विदेशी शराब निर्माणशाला का खुलासा हुआ. यहां से बड़े पैमाने पर अवैध विदेशी शराब का निर्माण कर बाजार में भेजा जाता था.

नशे में धुत्त बेटे ने लाठी से पीटकर की पिता की हत्या

संवाददाता। बोकारो

जरीडीह थाना इलाके के अराजू गांव के चालमूंड़री टोला में नशे में धुत्त एक कलयुगी बेटे ने रविवार को लाठी से पीटकर अपने बुजुर्ग पिता की हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार अराजू के चालमुंड़री टोला निवासी अर्जुन सिंह उर्फ गोलक अपने पिता बुधन सिंह से शराब पीने के लिए पैसा मांग रहा था.

इससे पहले से ही वह नशे में धुत्त था. पिता ने जब पैसे नहीं दिए तो बेटे ने लाठी उठाकर पिता को पीटना शुरू किया. ताबड़तोड़ लाठी के प्रहार से पिता बुधन सिंह की मौत मौके पर ही हो गयी. पिता की मौत के बाद भी वह लाठी से पीट ही रहा था, इसी बीच पड़ोसियों ने उससे लाठी छीन लिया. इधर घटना की सूचना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. स्थानीय प्रतिनिधियों ने घटना की सूचना जरीडीह थाना को दी. सूचना के बाद जरीडीह थाना प्रभारी अमित कुमार तुरंत घटनास्थल पहुंचकर आरोपी बेटे को गिरफ्तार लिए. समाचार लिखे जाने तक थाना में मामला दर्ज करने की तैयारी की जा रही थी. थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि अराजू में शराब के लिए पैसे मांग रहे बेटे ने नशे में धुत्त होकर पिता की हत्या का मामला सामने आया है.

मामले की जांच की जा रही है. आरोपी पुत्र को हिरासत में लिया गया है. इधर ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अर्जुन सिंह अक्सर नशे में धुत्त होकर घर के सभी लोगों से मारपीट कर रहा था. दो दिन पूर्व आरोपी की पत्नी व मां उसकी डर से एक रिश्तेदार के घर चले गए थे. इधर घर में अकेले पिता को बेटे ने नशे में लाठी से पीट पीटकर मार डाला.

बैठक कुरमी मोर्चा ने अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का विरोध करने का लिया निर्णय

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के बयान से भड़का कुरमी समाज

विशेष संवाददाता । रांची

लिया फैसला

- कुरमी मोर्चा ने सीएम से चुप्पी तोड़ने की मांग की
- 21 नवंबर को सीएम आवास करेगी कुरमी मोर्चा

केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा के बयान से कुरमी समाज भड़क गए हैं. कुरमी विकास मोर्चा ने रविवार को पुराना विधानसभा में बैठक करके निर्णय लिया कि गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का झारखंड आगमन पर पुरजोर विरोध किया जाएगा तथा एयरपोर्ट से बाहर निकलने नहीं दिया जाएगा.बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि पिछले 72 वर्षों से लगातार संघर्ष करने के बाद भी केंद्र सरकार टोटेमिक कुरमी/कुड़मी जनजाति को अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध करने की मांग पर विचार नहीं कर रही है और जनजातीय मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा हतोत्साहित करने वाले गलत बयान दे रहे हैं.

उन्होंने कहा कि कि अब कुरमी/कुड़मी एसटी मांग पर मुख्यमंत्री चुप्पी तोड़ो. झारखंड निर्माता बिनोद बिहारी महतो को झारखंड पितामह का दर्जा दो इन दोनों मांगों को लेकर आगामी 21नवंबर को मुख्यमंत्री आवास घेराव का घोषणा किया गया. मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम में लाखों की संख्या में समाज के महिला पुरुष अपने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे. इसके अतिरिक्त 18 फरवरी 2024 को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में कुरमी/कुड़मी आक्रोश महारैली किया जाएगा. बैठक में बैठक में कुरमी विकास परिषद के अध्यक्ष रंधीर चौधरी, कुरमी महासभा के प्रतिनिधि देवकी महतो, रामपोदो महतो, सखीचंद महतो, थानेश्वर महतो, सपन महतो,दानिसिंह महतो, राजेंद्र महतो आदि सैकडों लोग शामिल थे.

गृह सचिव से वार्ता के बिंदु चिन्हित किए गए

बैठक में रेल टेका आंदोलन की समीक्षा किया गया तथा झारखंड के मुख्य सचिव से वार्ता पर चर्चा की गई. केंद्रीय गृह सचिव से होने वाली वार्ता के मुख्य बिंदुओं को चिन्हित किया गया. मनोहरपुर (घाघरा) रेल टेका आंदोलनकारीयों को जेल से जल्दी कैसे बाहर निकाला जाए इस पर चर्चा किया गया. शीतल ओहदार ने कहा कि टोटेमिक कुरमी/कुड़मी जनजाति का संघर्ष वर्तमान समय में चरम पर है युवा, बुद्धिजीवी और माता- बहनें अपने संवैधानिक अधिकार के प्रति सजग हो रहे हैं.

ईडी से क्यों डर रहे हैं अब मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। गुमला

गुमला विधानसभा स्तरीय संकल्प यात्रा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शामिल हुए. शहर के दुंदुरिया बस डिपो यह कार्यक्रम हुआ. इस दौरान बाबूलाल ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा. कहा कि सोरेन परिवार झारखंड का सबसे बड़ा महाजन है. वर्ष 2013 में जब अर्जुन मुंडा सीएम थे और डिप्टी सीएम हेमंत सोरेन थे, उस समय हेमंत सोरेन कांग्रेस से गठबंधन कर सीएम बन गये. उस समय मुंबई और अन्य महानगरों से बालू माफियाओं को बुलाकर झारखंड के विभिन्न बालू घाटों से बालू बेचकर अपनी तिजोरी भरने का काम किया. अब जब वे ईडी की रडार पर आए हैं वे भागते फिर रहे हैं. ईडी के सवालों का जवाब देने से बच रहे हैं. मौके पर सांसद सुदर्शन भगत, राज्यसभा सदस्य समीर उरांव, पूर्व स्पीकर दिनेश उरांव, पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव, कमलेश उरांव, राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा, जिला अध्यक्ष अनूप अधिकारी थे. मंच संचालन मिशिर कुजूर और देवेंद्रलाल उरांव ने किया.

ब्रीफ खबरें

विवाहिता की गोली मार कर की हत्या

मुजफ्फरपुर । एक विवाहिता की गोली मार कर हत्या कर दी गई. परिजनों में चीत्कार मचा हुआ है. मामला जिले के पियर थाना क्षेत्र का है. परिजनों ने सास-ससुर पर हत्या का आरोप लगाया है. वहीं विवाहिता के ससुर ने भाई पर ही हत्या का आरोप लगाया है. पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है. बताया जाता है कि पियर थाना क्षेत्र के रामपुरहरी के वार्ड संख्या 10 निवासी राजेश साह की शादी अहियापुर थाना क्षेत्र के लकड़ीढाई निवासी नीतू कुमारी से 2017 में हुई थी. दोनों ने प्रेम विवाह किया था. राकेश दिल्ली में मजदूरी करता है.

दो दिनों से लापता युवक का शव कुएं में मिला

पटना । दो दिनों से लापता युवक का शव कुएं में मिला. घटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के रामपुर फरीदपुर का है. जहां दो दिनों से लापता दिनेश मोची के बेटे का शव रविवार को गांव के कुएं से मिला. बताया जा रहा है कि सुबह टहलने के लिए निकले स्थानीय लोग जैसे ही कुएं के पास गए. तो उनलोगों ने एक शव को कुएं के अंदर देखा. इसकी जानकारी परिजनों को मिली हाहाकार मच गया. लोगों ने शव को कुएं से बाहर निकाला. इसके बाद स्थानीय और मृतक के परिजनों ने शव को सड़क पर रख आगजनी करते हुए शिवाला-नौबतपुर-सादिकपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया.

करंट की चपेट में आने से लड़की की मौत

गया । करंट लगने से एक लड़की की मौत हो गई. घटना जिले के फतेहपुर प्रखंड के कमरा दोनैया की है, जहां दो सगी बहनें करंट की चपेट में आ गईं. इससे पचलु कुमारी की मौत हो गई. जबकि सकीला कुमारी घायल है. सकीला को फतेहपुर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां इलाज चल रहा है. फिलहाल सकीला की हालत नियंत्रण में है. बताया जाता है कि नन्हकू मांझी की बेटी पचलु और सकीला जलावन के लिए खेत में लगे तार के पेड़ का डोंगा तोड़ने गई थी. डोंगा बांस के बल्ले से पचलु तोड़ रही थी. इसी बीच बांस का बल्ला अनियंत्रित हो गया.

एक जगह पर बैठकर सर्वे कर दिया गया है: सुमन

संवाददाता । गया

चुनाव की तारीख आई नहीं, उससे पहले ही बिहार की राजनीति गरमाने लगी है. अब बिहार के पूर्व मंत्री और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने गया में रविवार को कई मुद्दों को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला. जाति आधारित गणना को लेकर उन्होंने कहा कि त्रुटि तो है. 60-70% के पास गणक नहीं पहुंचे हैं. कुछ तो ऐसी बातें हुई हैं जिससे किसी जाति विशेष को आगे बढ़ाया गया है.

अगर डोर टू डोर सर्वे होता तो आंकड़ा सही आता. एक जगह पर बैठकर सर्वे को कर दिया गया है. जाति

आधारित गणना लोकसभा चुनाव के परिपेक्ष्य में अगर किया गया है तो निश्चित है जिसकी ज्यादा संख्या होगी उसकी उतनी हिस्सेदारी. उसी के अनुसार हिस्सेदारी देने की कोशिश कीजिए. यह हर जगह लागू होना चाहिए. आंकड़ा के अनुसार तेजश्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाइए. तभी हम मानेंगे कि इसके पीछे उनकी अच्छी मंशा है.

यह तो राजनीति है किसी को गणना में आगे बढ़ा दीजिए. नीतीश कुमार तो सोशल इंजीनियरिंग में बहुत माहिर हैं. किसी को एससी, एसटी बना देते हैं और फिर वोट लेने के बाद छोड़ देते हैं. यह शुरू से कर रहे हैं. दलित को महादलित बनाए हैं. यह सब एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं. जनता सब जानती है अब बिहार में इनकी चलने वाली नहीं है. ओवैसी को लेकर सीएम नीतीश के बयान पर संतोष कुमार सुमन ने कहा कि कहा कि बीजेपी का बी टीम है या सी टीम है यह बाद की बात है, लेकिन किसी समुदाय में यह कहकर किसी को चुनाव लड़ने से नहीं रोक सकते हैं.

आंकड़े त्रुटिपूर्ण

- नीतीश कुमार सोशल इंजीनियरिंग में बहुत माहिर हैं
- एआईएमआईएम की विचारधारा से सहमत नहीं हैं

नीतीश कुमार की पकड़ अब कमजोर हो चुकी है

पूर्व मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार को लगता है कि उनकी जमीन खिसक चुकी है. पकड़ कमजोर हो चुकी है तो इस तरह की बातें जगह-जगह मीटिंग कर बोल रहे हैं. कह रहे हैं इनके चक्कर में तो उनके चक्कर मे नहीं आइएगा. किसी को बी टीम, किसी को सी टीम तो किसी को गुप्तचर कह रहे हैं. जनता जिसके साथ है वही सिकंदर है. यह हताशा का परिचय है. मीटिंग कर रहे हैं कह रहे हैं बच के रहना है. इसमें बचना क्या है? अगर आपने काम किया है तो जनता से कहिए वोट दें. सुमन ने कहा कि 26 दलों ने मिलकर ''इंडिया'' गठबंधन बनाया है. सब कह रहे हैं कि नरेंद्र मोदी को हटाना है. अगर नरेंद्र मोदी को हटाना विषय है तो यह न बताइए कि अगर हम सरकार में आएंगे तो आपका विकास का क्या मॉड्यूल है?

आओ जानें सामान्य ज्ञान

बिहार का राज्य पशु क्या है	– गौर
ताम्रलिप्ति का बंदरगाह भारत के किस भाग में था	– पूर्वी भारत
पीएम नरेंद्र मोदी ने किस राज्य में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की	– तेलंगाना
कोरिंग राष्ट्रीय उद्यान किस प्रदेश में है	– आंध्र प्रदेश
वैदिक काल में बिहार का नाम क्या था	– प्राच्य
नोकिया ने अपनी आधुनिक 6जी की प्रयोगशाला की स्थापना कहां की	– बेंगलुरु
वैदिक काल का सबसे प्रमुख अनाज कौन सा था	– जौ
गौतला औत्रमघाट किस प्रदेश में है	– महाराष्ट्र
उत्तरी पांचाल की राजधानी कहां थी	– अहिच्छत्र
बिहारशरीफ में ओदंतपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की	– गोपाल

सीतामढ़ी से जेडीयू सांसद ने जाति गणना पर उठाये सवाल, कहा

हमारे समाज की गिनती गलत

संवाददाता । पटना

बिहार में महागठबंधन के लिए जाति गणना बड़ा मुद्दा था. इसमें वह सफल भी हो गया. जहां इसकी वास्तविकता पर पहले भाजपा ने सवाल उठाया अब वहीं जदयू के अंदर से ही आवाज उठनी शुरू हो गई है. यह किसी और ने नहीं, बल्कि सीतामढ़ी से जेडीयू सांसद सुनील कुमार पिंटू ने उठाया है. पिंटू ने कहा कि पूरी जाति गणना की रिपोर्ट पर मेरा सवाल नहीं है. लेकिन, हमारे समाज की आबादी का जो आंकड़ा पेश किया गया है वह सही नहीं है. मैंने इसी पर सवाल उठाया है.

अगर हमारे समाज की गिनती सही नहीं हुई है तो यह सवाल उठाना गलत बात नहीं है. ऐसा करने पर कहीं और से गाइड होने का आरोप लगाना सही बात नहीं है. जल संसाधन मंत्री संजय झा ने उन पर बाहर से गाइड होने का आरोप लगाया था. इसके जवाब में सुनील कुमार पिंटू ने कहा के ऐसा होता तो विपक्ष की तरह पूरी गणना रिपोर्ट पर सवाल खड़ा करता. बता दें कि सुनील कुमार पिंटू 2019 तक बीजेपी में थे. बीजेपी विधायक के रूप में वह बिहार सरकार के मंत्री भी रहे. लोकसभा चुनाव 2019 में सीतामढ़ी की सीट जेडीयू में चली गयी.

उसके बाद उन्हें बीजेपी से जेडीयू में बुलाया गया. उन्होंने जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत दर्ज

जदयू ने जनता को धोखा देने का काम किया

बिहार बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि हमलोगों ने जातीय गणना पर नीतीश का समर्थन इसलिए किया था ताकि बदलाव आ सके, लेकिन उन्होंने अपनी चालबाजी से जनता को धोखा देने का काम किया है. अरविंद सिंह ने कहा कि इसी का नतीजा है कि अब जेडीयू के ही नेता जातीय गणना पर सवाल उठा रहे हैं. वहीं इसके विरोध में आरजेडी का पक्ष रखते हुए प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि बिहार सरकार ने तथ्यों के साथ जातीय गणना का आंकड़ा जारी किया है. अब कुछ लोग तरह-तरह के सवाल उठाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं. कुछ लोग आंकड़ों पर सवाल उठाकर जो सच्चाई सामने आई है उसको झूठ साबित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि जातीय गणना का जो महत्व है उसको खत्म किया जाए. जातीय गणना कराकर सीएम नीतीश एवं डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने देश के सामने एक नजीर पेश की है. अब राष्ट्रीय स्तर पर जातीय गणना होनी चाहिए. इसे केंद्र सरकार कराए.

की. उन्होंने कहा कि वे तेली साहू समाज के संयोजक हैं. बिहार के सभी जिलों में अपने समाज के लोगों से बात की है. उन्हें जानकारी मिली कि पूरे बिहार में कई जगहों पर तेली साहू समाज के मोहल्लों और टोलों की गिनती ही नहीं की गई. कहा कि सोशल मीडिया और फोन पर हमारे समाज के लोगों का मैसेज आना शुरू हुआ. कहा गया कि गिनती करने वाले हमारे घर पर नहीं आए. उसके बाद समाज का नेता होने के नाते हमने कहा कि पहले मिलकर बात कर लेते हैं.

इसी बात पर हमने सम्मेलन बुलाया और कहा कि जो बात निकलेगी उससे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अवगत कराएंगे. उन्होंने कहा कि मैं कहीं से बोरो बुलाया गया था. मैं वहां से ना छोड़ कर आया हूं और ना यहां से छोड़ कर जा रहा हूं. मैं बीजेपी में विधायक था और मंत्री भी रहा. मुख्यमंत्री जी ने मुझे बात करके बुलाया है और उनका स्नेह भी मुझे मिलता रहता है.

इसी वहज से उन्होंने अपनी पार्टी के उम्मीदवार को टिकट नहीं देकर मुझे दिया था. मैं चुनाव लड़ने से इनकार भी किया था. लेकिन नीतीश जी के कहने पर मैदान में उतरा.जब उनसे पूछा गया की कब तक इस पार्टी में रहेंगे तो उन्होंने कहा कि जब तक बुलाने वाले या भेजने वाले दोनों में से किसी का फोन नहीं आए.

उठी आवाज

- जल संसाधन मंत्री ने सांसद पिंटू का किया विरोध
- सुनील कुमार तेली साहू समाज के संयोजक हैं
- सांसद पिंटू चार साल पहले भाजपा में मंत्री थे

बालू तस्करों का पुलिस पर हमला

संवाददाता । जमुई

बालू माफिया ने पुलिस पर हमला कर दिया. मामला जमुई के टाउन थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव का है, जहां अवैध बालू तस्करों के खिलाफ छापेमारी करने गई टाउन थाने की पुलिस पर बालू माफिया ने हमला कर दिया. जिसमें टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी सहित पांच पुलिस जवान घायल हो गए.

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो बालू माफिया सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया. जिसे टाउन थाने लाकर पूछताछ की जा रही है. रविवार की सुबह टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी को गुप्त सूचना मिली थी कि

थाना क्षेत्र के दौलतपुर नदी घाट पर अवैध बालू की तस्करी की जा रही है. सूचना के बाद थानाध्यक्ष अपने दलबल के साथ दौलतपुर नदी घाट जैसे ही पहुंचे वैसे ही बालू तस्करों ने पुलिस टीम पर रोड़ेबाजी शुरू कर दी. पुलिस ने भी कार्रवाई करने की कोशिश की तो बालू माफिया चारों ओर से टाउन थाने की पुलिस को घेर कर हमला कर दिया.

जिसमें थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी, होमगार्ड जवान दिलीप राज, राजीव कुमार, पिंटू सिंह तथा चालक अमलेंदू कुमार घायल हो गये. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बालू तस्कर दौलतपुर निवासी अरविंद यादव और दो महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया. टाउन थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि रविवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बालू माफिया द्वारा दौलतपुर नदी घाट से बालू की तस्करी कर रहा है. जैसे ही पुलिस टीम पहुंची पहले से घात लगाए बालू माफियाओं ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया.

सिलाव में युवक की गोली मारकर हत्या

नालंदा । सिलाव थाना इलाके के सब्बैत गांव में एक युवक की उसके ही दोस्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी. लेकिन ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने भाग रहे दो आरोपियों को हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया. मृतक की पहचान अलमाज के रूप में हुई है. बताया गया कि मृतक ने अपने दोस्तों का नहाते हुए वीडियो बना लिया था और उसे वायरल करने की धमकी देता था. इसी से नाराज होकर दोस्तों ने अलमाज की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक के भाई अकबर आलम ने बताया कि उनका भाई बी फार्मा की तैयारी कर रहा था. साथ ही घर का खर्च चलाने के लिए मुर्गी बेचने का भी काम करता था.

कुख्यात अपराधी जटहा की गोली मारकर हत्या

संवाददाता । पटना

पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुके कुख्यात बदमाश जटहा सिंह की नौबतपुर थाना क्षेत्र के चेसी गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटनास्थल से कुछ दूर पर पुलिस ने एक कार को भी बरामद किया है, जिसके अंदर काफी खून लगा हुआ है.

बता दें कि जटहा सिंह पर हत्या, रंगदारी सहित कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज थे. कुख्यात की हत्या के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस जांच के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो पाएगा होगा. वहीं जटहा सिंह के परिजनों ने भी चुप्पी साध रखी है. इलाके में चर्चा है कि नौबतपुर के चेसी गांव में किसी के जन्मदिन पार्टी के लिए जटहा को घर से बुलाया गया था और उसकी हत्या कर दी गई. जटहा के शव को उसके गांव शेखपुरा में अपराधियों के द्वारा फेंक कर फरार हो गए. थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि कुख्यात अपराधी जटहा की गोली मारकर हत्या की गई है. सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई.

कारोबार

तेल अवीव की उड़ानें 14 अक्टूबर तक हुईं रद्द

नई दिल्ली । इजराइल के तेल अवीव पर शनिवार को हमास आतंकवादियों के हमला करने के बाद एयर इंडिया ने वहां की सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं. कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेल अवीव जाने वाली और वहां से आने वाली सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं. एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, टिकट बुक कर चुके यात्रियों को पूरा सहयोग दिया जाएगा. एयरलाइन तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है.

जोयालुकास अब में 40 नयी दुकानें खोलेगी

नई दिल्ली । प्रमुख आभूषण कंपनी जोयालुकास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अगले दो वित्त वर्षों में 2,400 करोड़ रुपये के निवेश से भारत में 30 और विदेश में 10 दुकानें खोलेगी. कंपनी के चेयरमैन जॉय अलुकास ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कारोबार के विस्तार के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की भी तैयारी कर रही है.

डीजीजीआई ने कंपनी को 922.58 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड भेजा

आरजीआई को टैक्स नोटिस

भाषा । नई दिल्ली

कारोबार जगत में कभी अंबानी भाईयों की धाक हुआ करती थी, लेकिन समय के साथ मुकेश अंबानी आगे बढ़ते गये और अनिल पीछे छूटते चले गये. आज मुकेश नये उत्पाद लॉन्च करने की तैयारी करते हैं जबकि अनिल अपनी कंपनी को ही बचाने में लगे रहते हैं. अब उनके सामने एक और नई मुसीबत आ गई है. दरअसल उनकी कंपनी रिलायंस कैपिटल की सब्सिडियरी रिलायंस जनरल इंश्योरेंस (आरजीआई) कंपनी को डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) ने 922.58 करोड़ रुपये टैक्स डिमांड भेजा है. कंपनी को इस बारे में कई कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं. रिलायंस कैपिटल अभी एनसीएलटी में इनसॉलवेंसी प्रोसेस से गुजर रही है.

हिंदूजा ग्रुप ने उसके लिए सबसे बड़ी बोली लगाई है लेकिन अभी इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी का इंतजार है. पहले दौर में सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी टॉरेंट ग्रुप ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. मामले की अगली सुनवाई 11 अक्टूबर को

मुश्किलें बढ़ीं

- रिलायंस इनसॉलवेंसी प्रोसेस से गुजर रही है
- हिंदूजा ने 9800 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है

संकट से जूझ रहे अनिल

इसमें कोई संदेह नहीं कि रिलायंस ग्रुप के मुखिया अनिल अंबानी लंबे समय से कर्ज संकट से जूझ रहे हैं. अनिल अंबानी की कई बड़ी कंपनियां दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही हैं. इस वजह से ग्रुप के सभी कंपनियों के शेयर भी पस्त हो चुके हैं. हाल ही में अनिल अंबानी से विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन से जुड़ी जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की थी. वहीं तीन महीने पहले महाराष्ट्र सरकार ने अनिल अंबानी की रिलायंस एयरपोर्ट डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (आरएडीपीएल) कंपनी से 5 एयरपोर्ट वापस लेने का ऐलान किया था. ये 5 एयरपोर्ट- बारामती, नांदेड़, लातूर, यवतमाल और उस्मानाबाद के हैं.

होनी है. सूत्रों के अनुसार डीजीजीआई ने चार अलग-अलग मामलों में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को टैक्स नोटिस भेजे हैं. इनमें क्रमशः 478.84 करोड़, 359.70 करोड़, 78.66 करोड़ और 5.38 करोड़ रुपये टैक्स की डिमांड की गई है. ये नोटिस रि-इंश्योरेंस और को-इंश्योरेंस से आने वाले रेवेन्यू से संबंधित हैं. इस बारे में कंपनी को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं आया है.

प्रॉफिट में चल रही इस कंपनी की रिलायंस कैपिटल की कुल वैल्यू में 70 परसेंट हिस्सेदारी है. बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनी की वैल्यूएशन पर असर पड़ सकता है. हिंदूजा ग्रुप ने 9,800 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है.

पश्चिम एशिया में है भारतीय मांस की भारी मांग: यूएई उद्योग

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खाद्य उद्योग ने आयात के लिए भारत सरकार से समर्थन मांगते हुए कहा है कि पश्चिम एशिया के देशों में भारत के मांस (चिकन), डेयरी उत्पाद, बासमती चावल, संरक्षित (फ्रोजन) समुद्री सामान और गेंहू उत्पादों की भारी मांग है. यूएई उद्योग ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के साथ अधिक समन्वय के लिए भारत सरकार का समर्थन मांगा है. उसने सुचारू प्रमाणन प्रक्रियाओं और मानकों के सामंजस्य की भी मांग की है. उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों की उच्च गुणवत्ता वाली पैकेजिंग से भारत की कंपनियों को बहरीन, कुवैत, ओमान सल्तनत, कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों में खाद्य तथा इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह अपनी यूएई यात्रा के दौरान इन आयातकों के साथ विस्तृत चर्चा की. उन्होंने भारत से निर्यात बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की थी. ग्लोबल फूड इंडस्ट्रीज एलएलसी के यूएई (फ्रोजन एंड बेवरेजेज) के बिक्री प्रमुख निसार थलंगारा ने कहा कि भारत के लिए इन देशों में संरक्षित उत्पादों के निर्यात की बहुत संभावनाएं हैं.

रांची में खुला लंदन बेरी का पहला एक्सक्लूसिव शोरूम

संवाददाता । रांची

लंबे इंतजार के बाद रांची में लंदन बेरी का पहला एक्सक्लूसिव शोरूम खुल गया. अंतरराष्ट्रीय ब्रांड का एक्सक्लूसिव शोरूम लंदन बेरी सिंह मोड़, एचपी पेट्रोल पंप के पास खोला गया है. शोरूम का उदघाटन राम एकबाल सिंह एवं ददन सिंह ने किया. शोरूम के संचालक गणेश चंद्रा और ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि झारखंड में लंदन बेरी का यह पहला एक्सक्लूसिव शोरूम है. युवाओं की पसंद के अनुसार हर वर्ग के लिए कपड़ों का विशाल रेंज यहां उपलब्ध है. उन्होंने बताया कि लंबे समय से युवाओं को ऐसे शोरूम की प्रतीक्षा थी. रांचीवासियों की प्रतीक्षा पूरी हुई. इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे. इस अवसर पर सभी ने इसके खुलने से खुशी जताई.

डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं: मूडीज

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद अगले साल होने वाले आम चुनाव के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने की संभावना नहीं है. मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई. सार्वजनिक क्षेत्र के तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लगातार 18 महीनों से स्थिर रखा है. ये कंपनियां करीब 90 प्रतिशत बाजार को नियंत्रित करती हैं. पिछले साल कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बावजूद ऐसा किया गया, जिससे वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में इन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ. अगस्त के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें मजबूत होने से तीनों खुदरा विक्रेताओं का मुनाफा (मार्जिन) फिर से नकारात्मक श्रेणी में चला गया है. मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में तीन सरकारी स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल की लाभप्रदता को कमजोर कर देंगी.

शेयर

साप्ताहिक आधार पर निफ्टी सप्ताहांत में 15 अंक बढ़ बंद रहने में सफल रहा, इसमें एक बार तो निफ्टी ने 19333 का निचला स्तर छू लिया था

निफ्टी 101.5 अंकों की बढ़त के साथ 19770 पर बंद हुआ, जो बंदी से 117 अंक है अधिक

शशांक भारद्वाज
वीपी व्हॉइस ब्रोकिंग

पिछले सप्ताह भी भारतीय शेयर मार्केट में प्रारंभिक दिनों में बिकवाली का जोर रहा किंतु अंतिम दो दिनों के तेजड़ियों ने शक्ति लगा स्थिति को और खराब होने से बचा लिया. साप्ताहिक आधार पर निफ्टी सप्ताहांत में 15 अंक बढ़ बंद रहने में सफल रहा. इस समयावधि में एक बार तो निफ्टी ने 19333 का निचला स्तर छू लिया था. 19300 के नीचे बंदी होने पर तीव्र मंदी की आशंका प्रबल हो जाती परंतु वहां से एक पुनर्वापसी दिखी तथा शुक्रवार को 19675 का ऊंचा स्तर बना. अब निफ्टी यदि 19750 ऊपर बंद होता है तो यह मंदी के ट्रेड करने वालों के फंसने का संकेत होगा तथा निफ्टी पुनः 20000 की ओर बढ़ सकता है. यदि ऐसा नही होता तो मंदाडियें पुनः हावी हो सकते हैं. पिछले सप्ताह कुछ सकारात्मक समाचारों ने भी तेजी लाने में सहायता की. क्रूड सितंबर 28 के ऊंचे स्तर 97.63 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर 84.4 पर आ गया. यह भारत के लिए अच्छी बात रही. यह ऐसा ओपेक की बैठक के बाद हुआ. अतः क्रूड के मूल्यों के इन्ही स्तरों के निकट रहने अथवा और भी नीचे जानें की संभावना बनी हुई है. यद्यपि इसराइल में हमास के आक्रमण से तनाव अधिक बढ़ जाता है तो क्रूड फिर से बढ़ सकता है. परंतु यह स्थिति अल्पकाल के लिए ही होनी चाहिए. क्रूड का भाव भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है.

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में बैंक दर को स्थिर रखा. फिर शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने, जो नकद संभाग में बड़ी में बिकवाली कर रहे थे, मात्र 80 करोड़ के ही शेयर बेचे. उनकी दैनिक बिकवाली में यह बड़ी कमी थी. फिर ये कमी तब आई जब मार्केट सप्ताह के ऊंचे स्तरों को ओर थे. इसका एक संकेत यह भी ही सकता कि भारतीय निवेशकों में उनकी बिकवाली आत्मसात कर ली तथा जब मार्केट ऊंचे स्तरों पर आए तो उनके पास आक्रमक बिकवाली के उतने संसाधन नहीं रहें. ये तो इसराइल पर आक्रमण हो गया नहीं तो भारतीय शेयर मार्केट लघु अवधि में एक निश्चित तेजी की ओर बढ़ चुके थे. सप्ताहांत में गिफ्ट निफ्टी 101.5 अंकों की बढ़त के साथ 19770 पर बंद हुआ, जो निफ्टी की बंदी से 117 अंक अधिक है. मार्केट की अगली चाल इस पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगी कि इसराइल फिलिस्तीन युद्ध को मार्केट कैसे लेता है. फिर भी मार्केट तेज होते हैं तो फिर एक बहुत अच्छी तेजी देखी जा सकती है. सितंबर माह का जीएसटी संग्रह 162712 करोड़ रहा. इसने भी भारतीय शेयर मार्केट की अवधारणा अच्छी की. सितंबर में व्यापारिक गतिविधियां अपेक्षाकृत धीमी रहती है. अक्टूबर में उत्सव ऋतु प्रारंभ होती है,व्यापार में वृद्धि होती है. अतः आने वाले तीन महीनों में जीएसटी संग्रह में 15 से 25 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है. ऐसा होता है तो जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपए की ओर भी बढ़ सकता है. यह भी निफ्टी 20000 की तरह एक ऐतिहासिक घटना होगी तथा भारत एवं भारतीय शेयर बाजार में नए उत्साह का संचार करेगी. ये एक नए आर्थिक शक्तिशाली भारत का उदय होगा. विदेशी निवेशकों ने पिछले कुछ दिनों ने बड़ी बिकवाली की है. 20000 निफ्टी पर बिकवाली तो समझ में आती थी, इन स्तरों पर मार्केट सस्ता नहीं रह गया था परंतु निफ्टी 19400 तक बिकवाली अत्यधिक अतिरेक की ही थी. एफआईआई एक नई प्रवृति मार्केट में दिख रही है. वो बहुत बड़ी राशि के ऑप्शन बेच रहे हैं.

भारत दीर्घ अवधि में विश्व के श्रेष्ठ मार्केट में से एक है

ऐसा लगता है ये बिकवाली अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों, ऊंची बॉन्ड यील्ड, डॉलर इंडेक्स में वृद्धि का परिणाम था. परंतु उनके बेचने की भी एक सीमा है. भारत दीर्घ अवधि में विश्व का श्रेष्ठ मार्केट में से एक है. अतः यहां तो बेचने की अपेक्षा गिरावट में खरीदना अच्छा निवेश निर्णय है. परंतु शेयर मार्केट में भावनाएं भी कई बार तेजी मंदी की दिशा निर्धारित करती हैं. अच्छे निवेशक को भावनाओं में न बह आधारभूत आर्थिक कारकों के आधार पर निवेश संबंधी निर्णय लेना चाहिए. पिछले सप्ताह विदेशी निवेशकों ने नकद संभाग में 8402 करोड़ रुपए की बिकवाली की. इसकी तुलना में इंडेक्स फ्यूचर में उन्होंने 1471 करोड़ की बिक्री की. यह दर्शाता है कि सट्टे के सौदे में बेचने का उनमें उतना साहस अथवा मन नहीं है. घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह नकद संभाग में 4435 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. शुक्रवार को तो एफआईआई की 80 करोड़ की बिक्री के सामने 783 करोड़ के शेयर खरीदे. लगभग 10 गुणा.

भारतीय बाजार का सकारात्मक पुनर्मूल्यांकन होगा

पिछले सप्ताह उन्होंने 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऑप्शन बेचे. चूंकि हर बिक्री के सामने कोई खरीदार होता है तो इस एक लाख करोड़ रुपए की बिकवाली के सामने इतनी राशि का खरीदार भी है. दोनों में एक लाभ में रहेगा, एक हानि में. ये डिलीवरी ट्रेड नही होते हैं, सौदे एक्सपायर्ड होते हैं. ऐसे में इतनी बड़ी राशि के सौदे चिंताजनक से लगते हैं. इस सप्ताह से कंपनियों के वित्तीय वर्ष 23-24 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों का प्रारंभ होने वाला है. अनुमान है 20 प्रतिशत की लाभ में वृद्धि दिखेगी. ऐसा होने पर भारतीय शेयर बाजार का सकारात्मक पुनर्मूल्यांकन होगा. भारतीय अर्थव्यवस्था से संबधित कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े, मुद्रास्फीति, औद्योगिक उत्पादन आदि आने हैं. वैश्विक आंकड़े भी मार्केट को प्रभावित करेंगे. खुदरा निवेशकों का प्रवाह किसी बाधा की चिंता नहीं कर रहा है. ऐसे में जिन मध्यम तथा छोटे शेयरों से आप परिचित हैं, उन्हें इकट्ठा करें. मिड कैप आईटी, चीनी ,मीडिया, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों में विभिन्न भावों में निवेश कर सकते हैं.

संघर्ष का सम्मान

लोकतंत्र, महिला आजादी और बंधनमुक्त समाज के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहीं ईरान की नरगिस मोहम्मदी को इस बार का नोबल शांति पुरस्कार दिया जाना दुनिया में उत्पीड़न और स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाले सभी संघर्षरत व्यक्तियों और संगठनों का भी सम्मान है. ईरान की महिलाओं का दीर्घ काल से जारी आंदोलन मनुष्य की उन्मुक्त चेतना का ही विस्तार है, जो बंधनों के तमाम जकड़नों को तोड़ देने के लिए तत्पर है. बंधन चाहे एकाधिकारवादी सत्ता का हो या फिर धर्म के नाम पर महिलाओं पर कसी जाने वाली जंजीरों का. महिलाओं का संघर्ष किसी भी समाज या देश की अकेली लड़ाई नहीं होती है, बल्कि वह दुनिया भर में पितृसत्ता और व्यवस्था की सत्ता के खिलाफ समानता और लोकतंत्र की चेतना का प्रतीक होता है. नरगिस एक प्रतीक हैं. पिछले आठ सालों से तेहरान के एक जेल में बंद हैं. आठ साल से वे अपने बच्चे से भी नहीं मिली हैं और उनके पति फ्रांस में निर्वासित जिंदगी की यातना झेल रहे हैं. बावजूद इसके नरगिस ने जेल से ही कहा कि हर सितम और यातना से उन्हें और ज्यादा मजबूती मिलती है. वे आजादी, लोकतंत्र और महिलाओं की बराबरी के लिए संघर्ष का हिस्सा और मजबूती से बनेंगी. नोबेल कमेटी ने कहा, 'इस वर्ष का शांति पुरस्कार उन लाखों लोगों को भी सम्मानित करता है, जिन्होंने पिछले वर्ष ईरान के धार्मिक शासन की महिलाओं को निशाना बनाने वाली भेदभाव और उत्पीड़न की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया था. प्रदर्शनकारियों द्वारा अपनाया गया आदर्श वाक्य 'महिला – जीवन – स्वतंत्रता' नरगिस मोहम्मदी के समर्पण और काम को बेहतर रूप से दिखाता है. नरगिस मोहम्मदी एक महिला मानवाधिकार वकील और एक स्वतंत्रता सेनानी हैं. नोबेल कमेटी ने पुरस्कार का एलान करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के अधिकार के लिए उनको बहादुरी भरी लड़ाई की भारी व्यक्तिगत कीमत चुकानी पड़ी है. ईरान में शासन ने उन्हें कुल मिलाकर 13 बार गिरफ्तार किया, पांच बार दोषी ठहराया, और कुल 31 साल जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई. नरगिस अभी भी जेल में हैं. 1901 में शुरू हुए नोबेल पुरस्कार से अब तक 104 लोगों को सम्मानित किया जा चुका है. नरगिस के पहले भी चार ऐसे लोग हैं, जिन्हें जेल में रहते हुए इस पुरस्कार से नवाजा गया है. इनमें कार्ल वॉन ओस्सिएत्जकी, आंग सान सू की, लियू शियाओबो, एलेस बायलियात्स्की शामिल हैं. दुनिया में अनेक देशों में निरंकुश्ता और धार्मिक भेदभाव के मामले बढ़ रहे हैं. ऐसे समय में नरगिस मोहम्मदी का सम्मान वास्तव में लोकतंत्र के तमाम पैरोकारों के लिए भी चुनौती है जो भू-राजनीतिक कारणों से निरंकुशताओं को पालते पोसते रहे हैं.

> महिलाओं का संघर्ष किसी भी समाज या देश की अकेली लड़ाई नहीं होती है, बल्कि वह दुनिया भर में पितृसत्ता और व्यवस्था की सत्ता के खिलाफ समानता और लोकतंत्र की चेतना का प्रतीक होता है. नरगिस एक प्रतीक हैं. पिछले आठ सालों से तेहरान के एक जेल में बंद हैं.

सुभाषित

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः।
श्रेयो हि धीरोभिप्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो षोगक्षेमाद् वृणीते।।

श्रेय अर्थात कल्याणकारी मार्ग सद्गति का मार्ग, प्रेय अर्थात मन को प्रिय लगने वाले इन्द्रिय भोगों का मार्ग है. ये दोनों ही मनुष्य के सामने आते हैं. श्रेष्ठबुद्धि वाले लोग श्रेयपथ को चुन लेते हैं तथा मंदबुद्धि वाले लोग प्रेयपथ को चुन लेते हैं. मनुष्य विवेकशील है, अतः उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह सही मार्ग को चुने.

पुरानी पेंशन पर लामबंदी से बढ़ा दबाव

पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारी आंदोलित हैं. उनकी मांग है कि जीवन भर नौकरी करने के बाद सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें कम से कम इतनी पेंशन मिले कि वे अपना बचा जीवन सम्मान के साथ गुजार सकें. दुनिया भर में बुजुर्गों के लिए सरकारें अपनी तरफ से सारी व्यवस्थाएं करती हैं. अपने देश में सरकारी कर्मचारी अपने हक को जायज तरीके से मांग रहे हैं. बात सही भी है, पुरानी पेंशन स्कीम में कर्मचारियों को सम्मानजनक धनराशि मिल जाती थी.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

देश के महान अर्थशास्त्री चाणक्य ने सदियों पहले लिख दिया था कि जिस देश में कर्मचारी दुखी हों, उसका विकास रुक जाता है. सच भी यही है कि लोकतंत्र में सरकारें मुखौटा होती हैं, असल काम तो सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ही करते हैं. उनकी मांग जायज भी दिखती है. कुछ मौजूदा अर्थशास्त्री तर्क दे रहे हैं कि पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने से देश की अर्थव्यवस्था पाताल में चली जाएगी. अब उन्हें कौन समझाए कि ऐसे समय में उनका यह तर्क बेमानी है, जब देश में छोटे-छोटे तमाशों पर हजारों करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा दिए जाते हैं, जब नेताओं की रैलियों-सभाओं पर बेइंतहा पैसे खर्च किए जाते हैं, तो कर्मचारियों को जीवन भर सेवा देने के बाद एक निश्चित एवं सम्मानजनक पेंशन राशि का भुगतान कहां से नाजायज है. आखिर उनको मिलने वाली राशि भी तो बाजार में आएगी. कोई भी व्यक्ति जब तक जीवित रहता है, अपनी आमदनी की राशि अपने लिए अपने परिवार के लिए खर्च ही करता है. तो आइए बात करते हैं कि पुरानी पेंशन स्कीम की मांग के समय को लेकर. सरकारी कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर ऐसे समय में आवाज बुलंद की है, जब पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं और ठीक कुछ महीने बाद ही 2024 में लोकसभा चुनाव भी होने हैं. इस समय में राज्य और केंद्र सरकारें इस बड़े मुद्दे पर आंखें नहीं मूंद सकतीं. उम्मीद कर सकते हैं कि सरकारी कर्मचारियों की मांगों पर सत्ता में बैठे लोग सहानुभूति पूर्वक विचार जरूर करेंगे.

पुरानी पेंशन बहाली के लिए लाखों कर्मचारियों ने एक बार फिर दिल्ली के रामलीला मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया. आगामी पांच राज्यों और 2024 में लोकसभा चुनाव को देखते हुए इस मांग को स्वीकार करने की संभावना बढ़ती जा रही है. उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी न्यायिक सेवा के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की घोषणा सुनाई दी है, तो पांच राज्यों ने पहले ही पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा कर रखी है. विगत 10 अगस्त को भी रामलीला मैदान में केंद्रीय कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन किया था और लगभग 60 कर्मचारी संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त प्रत्यावेदन भेजा था. पूरे देश के कर्मचारियों का दबाव इस समय पुरानी पेंशन बहाली को लेकर है.

सरकार की ओर से नई पेंशन योजना को लाभप्रद बनाने के भी प्रयास हुए हैं. वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी. समिति के सुझावों के अनुसार कुछ सुधार भी किए गए हैं, जिनमें न्यूनतम योगदान में कमी, एनपीएस में शामिल होने के लिए उम्र सीमा 65 से बढ़ा कर 70 करने और वार्षिकी खरीदने हेतु संचित कोष का 40 प्रतिशत उपभोग की सीमा को खत्म करने की बात शामिल है. सरकार का कहना है कि वह नई पेंशन योजना को पुरानी पेंशन की तरह कारगर बनाएगी. कर्मचारी नेता किसी भी दशा में नई पेंशन योजना को स्वीकार नहीं करना चाहते हैं. उनका कहना है कि अगर सरकार पुरानी पेंशन की तरह ही नई पेंशन योजना से लाभ देना चाहती है, तब भला पुरानी पेंशन योजना को लागू करने से पीछे क्यों हट रही है? जब कुछ राज्यों में पुरानी पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव पास हो चुका है, तब सरकार को पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर देना चाहिए. सरकार की ओर से नई पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत एक निश्चित आय देने पर फोकस किया जा रहा है, यानी न्यूनतम गारंटी पेंशन की व्यवस्था करने की बात की जा रही है. नई पेंशन योजना में सरकार अपनी भागीदारी को 14 फीसदी से ज्यादा करने के बारे में सोच रही है, मगर कर्मचारी नेताओं को इस पर एतबार नहीं है. उनका कहना है कि एक ओर सरकार अपनी भागीदारी बढ़ाने की बात कर रही है, तो दूसरी ओर सरकारी खजाने पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डालना चाहती है. देखा जाए, तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे दो बड़े राज्यों का निर्णय ही पुरानी पेंशन बहाली की राह में रोड़ा है. मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव करीब होने के कारण वहां की सरकार पर इस मांग को लेकर ज्यादा दबाव है. पेंशन का मामला सरकारी कर्मचारियों के बुढ़ापे की सुरक्षा से जुड़ा है. दक्षिण भारत के अधिकांश राज्यों में पुरानी पेंशन के प्रति आम राय बन जाने के कारण उत्तर भारत के मुख्य हिंदी प्रदेशों में इस मांग को स्वीकार करने का दबाव बढ़ा है. सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिंताएं अपनी जगह हैं, तो सरकार को सरकारी खजाने पर बढ़ता व्यय चिंता का कारण बन रहा है. एक ओर बढ़ती महंगाई और स्वास्थ्य की चिंता रिटायर्ड कर्मचारियों को चिंतित कर रही है, तो दूसरी तरफ बढ़ता राजकोषीय घाटा चिंता का कारण है. कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पेंशन की राशि बाजार की तरलता को बढ़ाती है और इससे बाजार को गति मिलती है. इसके सहारे सरकार अतिरिक्त व्यय उठाने का जोखिम ले सकती है. नई पेंशन योजना में अंतिम आहरित वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन गारंटी न होना तथा इलाज व्यय और महंगाई भत्ते की सुविधा का अभाव पुरानी पेंशन योजना के मुकाबले अस्वीकार्य बना रही है. यही कारण है कि एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और उनके आश्रितों ने अपने हस्ताक्षर युक्त एक ज्ञापन राष्ट्रपति महोदय को प्रेषित किया था. देश के चार सौ से अधिक कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन को बहाल करने की मांग को लेकर विगत कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं. सेना के रिटायर्ड कर्मचारियों का भी उन्हें समर्थन हासिल है. विभिन्न राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले पूरे देश में जिस तरह से पुरानी पेंशन की मांग को लेकर लामबंदी देखी जा रही है, वैसे में, सरकार पर कर्मचारियों की मांग को स्वीकार करने और उन्हें पुरानी पेंशन तोहफा देने का दबाव दिखाई दे रहा है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

मीराबाई के श्रीकृष्ण

मीरा बाई वृन्दावन धाम पहुंचीं. उन्होंने वहां वैष्णव-संप्रदाय के मुखिया जीव गोसाईं वृंदावन से मिलना चाहा, लेकिन जीव गोसाईं मीरा को संदेशा भिजवाया कि वे किसी नारी को अपने सामने आने की इजाजत नहीं देंगे. मीराबाई ने जवाब में अपना संदेश भिजवाया कि 'वृंदावन में हर कोई नारी है. अगर यहां कोई पुरुष है तो केवल गिरिधर गोपाल. आज मुझे पता चला कि वृंदावन में कृष्ण के अलावा कोई और भी पुरुष है. जीव गोसाईं ने सुबह जब भगवान कृष्ण के मंदिर के पट खोले तो हैरत से उनकी आंखें फटी रह गईं, सामने विराजमान भगवान कृष्ण की मूर्ति घाघरा चोली पहने हुए थी, कानों में कुंडल, नाक में नथनी, पैरों में पाजेब, हाथों में चूड़ियां, मतलब वे औरत के संपूर्ण स्वरूप को धारण किये हुये थे. जीव गोसाईं ने मंदिर सेवक को आवाज लगाई, किसने किया यह सब? कृष्ण की सौगंध पुजारी जी, मंदिर में आपके जाने के बाद किसी का प्रवेश नहीं हुआ. ये पट आपने ही बंद किये और आपने ही खोले. जीव गोसाईं अचंभित थे, सेवक बोला- कुछ कहूं पुजारी जी? वे खोए-खोए से बोले, हां, बोलो. पास ही धर्मशाला में एक महिला आई हुई हैं, जिन्होंने कल आपसे मिलने की इच्छा जताई थी, आप तो किसी महिला से मिलते नहीं, इसलिए आपने उनसे मिलने से मना कर दिया. कहते हैं वे जब भजन गाती हैं तो हर कोई अपनी सुधबुध बिसरा जाता हैं. आपने उनसे मिलने से इंकार किया. कही ऐसा तो नहीं कि भगवान जी आपको कोई संदेश देना चाहते हों? जीव गोसाईं तुरंत समझ गए कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई है. मीरा बाई कोई साधारण महिला नही, अपितु कोई परम कृष्णभक्त हैं. वे सेवक से बोले- भक्त मुझे तुरंत उनसे मिलना है, चलो कहां ठहरी हैं. मैं स्वयं उनके पास जाऊंगा. जीव गोसाईं मीरा जी के सामने नतमस्तक हो गये और भरे कंठ से बोले- मुझ अज्ञानी को आज आपने भक्ति का सही स्वरूप दिखाया है देवी, इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूंगा. आइए चलकर स्वयं अपनी भक्ति की शक्ति देखिये. मीरा बाई केवल मुस्कुराईं, वे कृष्ण कृष्ण करती उनके पीछे हो चलीं. मंदिर पहुंचकर जीव गोसाईं एक बार फिर अचंभित हुए, कृष्ण भगवान वापस अपने स्वरूप में लौट आये थे, उन्हें कभी कृष्ण की मूर्ति में मीरा बाई दिखाई पड़ती तो कभी मीराबाई में कृष्ण.

कनाडा की धरती पर भारत विरोधी साजिश

• देशांतर

जी. पार्थसारथी

भारतीय भूमि पर तथाकथित खालिस्तान के प्रति कोई समर्थन न होने और दुनियाभर में फैले सिखों की बड़ी संख्या द्वारा धार्मिक आधार पर अलगाववाद को खारिज करने के बावजूद कनाडा में आतंकी हिंसा और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले फले-फूले हैं. वहां बसे सिखों का अतिवादी छोटा वर्ग इसको हवा देता है. काफी कम संख्या में इस किस्म के तत्व ब्रिटेन में भी हैं और इनसे भी कम गिनती में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में हैं. हालांकि कनाडा अकेला देश नहीं है, जहां बसे विदेशी मूल के आतंकी पंजाब और भारत में अन्य जगह पर गड़बड़ के लिए मदद, वित्तीय सहायता या दिशा निर्देश देते हैं. लगातार ऐसे प्रसंग होते आए हैं, जब इस किस्म के अतिवादी अवैध रूप से पाकिस्तानी सीमा के रास्ते भारत में घुसकर आतंकी हमले करते हैं. विदेशों में रह रहे खालिस्तानियों की कार्यप्रणाली यह है कि ज्यादा चढ़ावे वाले अधिक से अधिक गुरुद्वारों का नियंत्रण अपने हाथ में किया जाए और इस तरह धन एवं स्थान का इस्तेमाल कट्टरता को बढ़ावा देने वाले अड्डे की तरह किया जाए. वे श्रद्धालुओं से एकत्रित दान का उपयोग विदेशों में चरमपंथी गतिविधियां चलाने में करते हैं. वे अपने हितैषी उम्मीदवार और दल को जीतने में मदद के वास्ते स्थानीय राजनीतिज्ञों और पार्टियों को खुलकर धन देकर सहायता करते हैं. कनाडा इस तरह की गतिविधियों का मूल केंद्र बना हुआ है.कुछ यूरोपियन शहरों में मुट्ठीभर सिख प्रदर्शनों में हिस्सा लेते हैं, किंतु कनाडा में हालात एकदम अलहदा हैं, जहां भारत की सुरक्षा को चोट पहुंचाने को दृढ़ संकल्प लोगों को प्रचुर धन मुहैया है. ननकाना साहिब जाने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या ज्यादा है. आजादी के बाद तीन दशकों तक ये गुरुद्वारे पाकिस्तान की उपेक्षा का शिकार रहे, लेकिन घाघ और दोहरे चरित्र वाले जनरल जिया उल हक ने पाकिस्तान में इन गुरुधामों का इस्तेमाल भारत से गए श्रद्धालुओं को भड़काने में किया जाना तय किया. जनरल जिया द्वारा यह प्रोपेगेंडा फैलाया गया कि सिख और इस्लाम धर्म के सिद्धांतों में बहुत समानता है, जो कि हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के सिद्धांत से बेमेल है. जबकि भारत से गए सभी सिख भली-भांति जानते हैं कि यह विचार बेतुका है. पाकिस्तान के दुष्प्रचार का निशाना अब मुख्यतः अमेरिका, यूके, कनाडा और भारतीय सिख तीर्थ यात्रियों पर है. पाकिस्तानी सेना और आईएसआई, जो मुख्य रूप से यह नकारात्मक मुहिम चलाते हैं, इनकी मंशा है कि अलगाववाद की भावना और भारत के प्रति नफरत को हवा देने वाली झूठी कहानियां लगातार फैलती रहें. लाहौर के डेरा साहिब गुरुद्वारे के चारों तरफ आईएसआई प्रदत्त खालिस्तानी झंडे फहराने का यह लेखक चश्मदीद गवाह है. यह सारी प्रक्रिया सिख यात्रियों को भरमाने के वास्ते है. यह मंज़र प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 'लाहौर मैत्री यात्रा' के वक्त भी जारी रहा. इन हरकतों को अन्यों के अलावा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ की शह भी प्राप्त थी, जो ऊपर से दोस्ती और सौहार्द्र की बातों का दिखावा करते थे, इस तरह वे भारतीयों के एक बड़े वर्ग को गुमराह करते रहे कि वाकई भारत से मित्रता और सहयोग बनाने के तगड़े पैरोकार हैं. यह बात पूर्वाग्रही सोच रखने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बरतते वक्त सदा याद रहे. ट्रूडो को दो टूक यह बताने की जरूरत है कि वहां के सिख समुदाय की वोट पाने की चाहत में, उनकी कुल संख्या में बहुत कम गिनती रखने वाले उस वर्ग से गर्मजोशी दिखाकर वे भारत के लिए गंभीर समस्या खड़ी कर रहे हैं, जो भारत में खालिस्तान बनाने की पाकिस्तान के मंसूबों को बल देने में यकीन रखता है. पाकिस्तान भारत में जिहादियों के अभियानों की मदद करे, यह अपेक्षित है, लेकिन इन करतूतों से उसका आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत नुकसान हुआ है. कनाडा के प्रतिष्ठित पत्रकार टैरी मिलवेस्की की लिखी और हाल में प्रकाशित किताब 'ब्लड फॉर ब्लड' में ट्रूडो की दोनों पीढ़ियों की कारस्तानियों का विस्तार से जिक्र है, जब वे कहते हैं : यह पियरे ट्रूडो की सरकार थी, जिसने 1982 में तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण करने की भारतीय मांग को इस अजीबोगरीब आधार पर ठुकरा दिया था कि भारत कॉमनवेल्थ संघ की मल्लिका एलिजाबेथ वाली व्यवस्था से बाहर नहीं है'. जाहिर है यह करते वक्त बड़े ट्रूडो भूल गए कि भारत कनाडा की तरह न होकर, एक गणतंत्र है, जो अपना राष्ट्राध्यक्ष खुद चुनता है! इससे भी बदतर कि एअर इंडिया फ्लाईट 182 को गिराने, जिसमें 329 यात्री मारे गये थे, का मुख्य साजिशकर्ता और कोई नहीं बल्कि तलविंदर सिंह परमार था.

> विदेशों में रह रहे खालिस्तानियों की कार्यप्रणाली यह है कि ज्यादा चढ़ावे वाले अधिक से अधिक गुरुद्वारों का नियंत्रण अपने हाथ में किया जाए और इस तरह धन एवं स्थान का इस्तेमाल कट्टरता को बढ़ावा देने वाले अड्डे की तरह किया जाए. वे श्रद्धालुओं से एकत्रित दान का उपयोग विदेशों में चरमपंथी गतिविधियां चलाने में करते हैं.

चुनाव से तय होगी आगे की राजनीति

• सियासत

अशोक भाटिया

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस साल नवंबर-दिसंबर में पांच महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं. इस हिंदी पट्टी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है. इन तीन राज्यों में से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और मध्य प्रदेश में बीजेपी सत्ता में है. हाल ही में, कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने भाजपा को आगामी मध्य प्रदेश चुनावों के लिए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने की चुनौती दी और सवाल किया कि भगवा पार्टी ऐसा करने से क्यों हिचकिचा रही है. ऐसा इसलिए कि ऐसे राज्य चुनाव कम ही हुए, जिनसे केंद्र की कुर्सी भी तय होने की संभावनाएं-आशंकाएं जुड़ी हों. दरअसल पांच राज्यों के चुनाव बस ड्योढ़ी पर खड़े हैं. उनमें मिजोरम और तेलंगाना भी सियासी रंगत और फिजा बदस्तूर बदलेंगे, लेकिन असली लड़ाई के मैदान तो हिंदी पट्टी के राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हैं, जो संसदीय चुनाव के बस अगले ही मोर्चे पर गंभीर असर डाल सकते हैं, या कहें इसके आसार हैं. वजह यह कि उत्तर और पश्चिम भारत की इसी पट्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2014 से भी ज्यादा 2019 के संसदीय चुनावों में वोट हासिल हुए थे और यहां पार्टी कुछ भी सीटें गंवाने का जोखिम उठाने की हालत में नहीं है. ये वही राज्य हैं, जहां उसका मुकाबला मोटे तौर पर सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस से है. इन्हीं मैदानों में दोनों पार्टियों के सियासी रंगो-आब का इम्तिहान होना है. इसलिए इन राज्यों के सिपहसालारों पर दोहरी जिम्मेदारी है. पिछली बार 2018 के विधानसभा चुनावों में इन तीनों राज्यों में जीत के बावजूद कांग्रेस संसदीय चुनावों में सूपड़ा साफ करवा चुकी थी, लेकिन आज, 2019 के बाद से नदियों में काफी पानी बह चुका है, हवा का रुख बदला है. ऐसे में दोनों पार्टियों और उनके सेनापतियों के आगे चुनौती यह है कि राज्य चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करके संघीय चुनावों के लिए पुख्ता जमीन तैयार करें. दरअसल महंगाई, बेरोजगारी, छोटे उद्योगों के बंद होने और काम-धंधों में मंदी की वजह से केंद्र के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर का ताप शायद राज्यों से ज्यादा है. हाल के कई जनमत सर्वेक्षणों में न सिर्फ इन मुद्दों पर लोगों की चिंताओं में भारी इजाफा दिखा है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के आंकड़े भी पहले के मुकाबले घटे हैं. उसके बरक्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता में (खासकर भारत जोड़ाा यात्रा के बाद) न सिर्फ छलांग दिखी है (अलबत्ता मोदी से तकरीबन आधे पर दिखाए गए हैं), बल्कि इंडिया गठबंधन के जरिये मजबूत दावेदारी भी दिखाने की कोशिश की गई है, ताकि मोदी बनाम कौन का सवाल भी कुछ मंदा पड़ जाए. यही नहीं, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन अब खुलकर भ्रष्टाचार, क्रोनी कैपटलिज्म (याराना पूंजीवाद) और बढ़ती गैर-बराबरी का मुद्दा उठाकर नैरेटिव भी तैयार करने की कोशिश कर रहा है. भाजपा इसकी काट के लिए इंडिया बनाम भारत, राम मंदिर निर्माण, एक राष्ट्र एक चुनाव जैसे अपने किस्म के राष्ट्रवाद का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश में दिखती है. भाजपा की कोशिश ऐसे कुछ और मुद्दे तथा सोशल इंजीनियरिंग की भी दिखती है.इसी मायने में हिंदी पट्टी के इन राज्यों में दांव बड़े हैं. इन राज्यों की कुल 65 संसदीय सीटों (राजस्थान 25, मध्य प्रदेश 29 और छत्तीसगढ़ 11) में 2019 में भाजपा को 61 और उसके सहयोगी हनुमान बेनीवाल को एक सीट हासिल हुई थी, हालांकि राजस्थान की नागौर सीट से सांसद बेनीवाल तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के दौरान एनडीए से अलग हो गए. अब भाजपा नागौर से 2014 और 2019 में हारीं कांग्रेस की ज्योति मिर्धा को अपने पाले में लाई है, ताकि जाटों की कुछ नाराजगी दूर की जा सके. इसलिए भाजपा की चुनौती संसदीय चुनावों में अपना प्रदर्शन दोहराने या कम से कम नुकसान होने देने की है. यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि तकरीबन 45 सीटों पर भाजपा दो लाख से अधिक वोटों से जीती थी, लेकिन बाकी सीटों पर उसकी जीत का अंतर एक लाख या पचास हजार से भी कम रहा था. जाहिर है, राज्य चुनावों के प्रदर्शन से हवा बदली तो मुश्किल पेश आ सकती है. इसके बरक्स राज्य चुनावों में बेहतर प्रदर्शन से उसे संसदीय चुनावों के लिए फिजा तैयार करने में मदद ही नहीं मिल सकती, बल्कि यह भी साबित करने की कोशिश हो सकती है कि मोदी की लोकप्रियता बरकरार है.

> कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने भाजपा को आगामी मध्य प्रदेश चुनावों के लिए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने की चुनौती दी और सवाल किया कि भगवा पार्टी ऐसा करने से क्यों हिचकिचा रही है. ऐसा इसलिए कि ऐसे राज्य चुनाव कम ही हुए, जिनसे केंद्र की कुर्सी भी तय होने की संभावनाएं-आशंकाएं जुड़ी हों.

मीडिया में अन्यत्र

रिपब्लिकन पार्टी की खंडित सामूहिकता

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी को कांग्रेस के निचले सदन के शीर्ष पद से 'अचानक' हटाये जाने से रिपब्लिकन पार्टी की खंडित सामूहिकता एक बार फिर जगजाहिर हो गयी है. अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी स्पीकर को कुर्सी से बेदखल किया गया है. फ्लोरिडा के सांसद मैट गेट्ज ने अपेक्षाकृत बहुत कम इस्तेमाल होने वाले प्रावधान, जिसे 'कुर्सी खाली करने का प्रस्ताव' (मोशन टू वैकेट) कहा जाता है, का इस्तेमाल किया, जिसके बाद मैक्कार्थी के कार्यकाल का अंत हो गया. विडंबना है कि 2023 के शुरू में स्पीकर के चुनाव की कठिन लड़ाई के दौरान, मैक्कार्थी ने ही इस प्रस्ताव की रियायत अपने रिपब्लिकन विरोधियों को दी थी. प्रस्ताव के बाद मत विभाजन में, कैलीफोर्निया से सांसद मैक्कार्थी को स्पीकर बनाये रखने के समर्थन में 210 वोट पड़े, जबकि 216 खिलाफ वोटों से वह पराजित हुए. मैक्कार्थी को कांग्रेस में उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से वंचित करने के लिए आठ रिपब्लिकन सांसदों ने पूरे डेमोक्रेटिक कॉकस का साथ दिया.

मैक्कार्थी द्वारा नियंत्रित होने के विरोध में रिपब्लिकन फ्रीडम कॉकस और उनके सहयोगी खास तौर पर मुखर थे, जो बेहद अहम नीतिगत मसलों पर डेमोक्रेट्स के साथ मैक्कार्थी के सहयोग से नाराज लगते थे. इन मामलों में सबसे महत्वपूर्ण था, कर्ज की सीमा बढ़ाकर संघीय सरकार को 'शटडाउन' से बचाने के लिए द्विदलीय प्रयास. इस मकसद के लिए, मैक्कार्थी ने 45-दिवसीय अस्थायी खर्च विधेयक को स्वीकृति दी थी, जो सदन में उनके रिपब्लिकन विरोधियों को चिढ़ाने के लिए काफी था.रिपब्लिकन पार्टी में सब ठीक न होने का संकेत स्पष्ट है. पार्टी के भीतर एक मुखर गुट है जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक नजरिये के साथ खुद को करीब से जुड़ा मानता है. यह गुट न सिर्फ छोटी सरकार और कम सार्वजनिक खर्च का आग्रही है, बल्कि अमेरिकी विदेश नीति को भी प्रभावित करना चाह रहा है. रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की जंगी कोशिशों में उसे दी जा रही अमेरिकी वित्तीय सहायता में कटौती की मांग करना, इसी का एक उदाहरण है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ध्वनि/स्वर

मंदिर में जब घंटा की ध्वनि गूंजती है, तब एक भक्त का सिर श्रद्धा से स्वतः ही झुक जाता है. प्रातः काल जब पक्षियों के मधुर स्वर सुनता हूं तो मन प्रफुल्लित हो जाता है. इन दोनों वाक्यों में आवाज के दो पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग हुआ है-ध्वनि और स्वर. सामान्य व्यवहारों और शब्दकोशों के अनुसार अभिधा के रूप में दोनों शब्दों का अर्थ एक ही है और वह है आवाज, लेकिन स्वतंत्र रूप में दोनों अनेकार्थक हैं. यदि इनमें किसी का प्रयोग विशेष आशय से हो रहा हो तो ध्वनि की जगह स्वर या स्वर की जगह ध्वनि का प्रयोग वांछित प्रभाव उत्पन्न नहीं कर पाएगा. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार ध्वनि का मतलब आवाज है. यानी कान में सुनायी पड़नेवाली कोई भी आवाज ध्वनि है. काव्य शास्त्र के अनुसार जिस शब्द में वाच्य से व्यंग्य अतिशय चमत्कारजनक होता है तो उसे ध्वनि कहा जाता है. ध्वनि उन कंपनों को संदर्भित करती है जो हवा या ठोस या तरल जैसे किसी अन्य माध्यम से यात्रा करते हैं और जब वे किसी व्यक्ति के कान तक पहुंचते हैं तो उन्हें सुना जा सकता है. सरल शब्दों में, हम ध्वनि को शोर के रूप में वर्णित कर सकते हैं, जो हम अपने चारों ओर सुनते हैं. पक्षियों की चहचहाहट, कुत्तों का भौंकना, वाहनों के हॉर्न, दरवाजे की घंटी, अलार्म, एक-दूसरे से बहस करते लोग, बच्चों का रोना - ये सभी ध्वनियां हैं, जो हम अपने दैनिक जीवन में सुनते हैं. सजीव और निर्जीव दोनों ही चीजें ध्वनि उत्पन्न कर सकती हैं. इसी प्रकार शब्दकोशों में स्वर को ध्वनि का पर्यायवाची शब्द बताया गया है. इसका अर्थ आवाज, लय, ध्वनि आदि तो होता ही है व्याकरण की दृष्टि से स्वर एक वर्णात्मक ध्वनि है, जिसका उच्चारण स्वतंत्रता पूर्वक होता है. भाषा की सबसे छोटी इकाई का नाम वर्ण है. वर्ण के दो भेद होते हैं-स्वर वर्ण और दूसरा व्यंजन वर्ण.

जिन डूबा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

जिन डूबा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ. कहावत तो सही है, लेकिन एक बड़ी मुश्किल यह है कि पानी की गहराई तक पहुंचा कैसे जाए? गहरे पानी में आदमी डूब सकता है, किसी तेज़ लहर के साथ बह सकता है. उसकी जान को बड़ा खतरा है. कुछ भी हो सकता है. चीज़ सतह पर मामूली सी लगती है, लेकिन उसे यदि गहराई से देखा जाए तो वह असाधारण हो सकती है. बात जाहिरा तौर पर उथली लगती है, लेकिन उसका अर्थ बड़ा गहरा हो सकता है. लोग गहरी सासें भरते हैं – अब कौन जाने कितनी गहरी वे होती हैं और हां, चाल भी तो गहरी हो सकती है, तेज़ रफ़्तार- चतुराई से भरी. एक दम कौन समझ सकता है इस गहराई को? 'गहरे पानी पैठ' - गहरे पैठ पाना कोई आसान काम नहीं है. गंगा-जमुनी तहजीब के शहर इलाहाबाद में सावन का महीना वैसे तो शिव की उपासना के लिए मुक़र्रर कर दिया जाता है, लेकिन यह कौमी एकता का सन्देश भी लाता है. और इस कौमी एकता का दर्शन-दिग्दर्शन इक्कों में जुते घोड़ों की दौड़ की प्रतियोगिता कराती है, जिसे 'गहरेबाजी' कहा गया है. सावन के चारों सोमवार गहरेबाजी के लिए मशहूर हैं. एक निर्धारित समय पर इच्छुक घोड़ेवान अपने अपने घोड़ों को इक्के में सजा कर प्रतियोगिता के लिए सड़क पर ले आते हैं. और शुरू हो जाती है उनकी दौड़ की प्रतियोगिता. इस प्रतियोगिता में घोड़ा हिन्दू का है या मुसलमान का, इसपर ध्यान नहीं दिया जाता. गहरेबाजी में हिन्दू और मुसलमान सब एक हो जाते है. कहा जाता है कि भारत में स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में जब अंगरेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई, उसी दौर में हिन्दू और मुस्लिम का भेदभाव छोड़ कर घोड़ागाड़ियों के मालिक एक जुट हुए और उन्होंने गहरेबाजी की प्रतियोगिता शुरू की. तब से यह प्रतियोगिता कौमी एकता की मिसाल बनी हुई है. अब तो आप समझ ही गए होंगे की गहरेबाजी कोई साधारण खेल नहीं है, इसके पीछे एक गहरी बात है जो उन दिनों हमारे तब के हुक्मरानों को शायद समझ में ही नहीं आई थी! गहरेबाज़ी की रवायत बेशक पुरानी है, लेकिन आज भी कायम है और गंगा-जमुनी तहजीब को मज़बूती दे रही है. इस स्पर्धा में जो घोड़े हिस्सा लेते हैं उन्हें महीनों से तंदुरुस्त रखने के लिए अच्छी गिज़ा दी जाती है. उन्हें चना, दूध, मक्खन, बादाम और काजू खिलाए जाते हैं. कई मानुष योनी के लोग हाय हाय करने लगते हैं कि काश हम भी घोड़े होते! अपनी अपनी किस्मत!

मोटिवेशन

क्या आप अपने बच्चे का सही मार्गदर्शन कर रहे हैं?

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

सुप्रसिद्ध टीवी अभिनेता बॉब कीशन का कहना है- 'बच्चों के लिए पेरेंट्स से बड़ा कोई रोल मॉडल नहीं होता. वे अपने माता-पिता के हर शब्द, गतिविधि, क्रियाकलाप से प्रभावित होते हैं.' हर माता-पिता अपने बच्चों का भला चाहते हैं. लेकिन जाने-अनजाने अपने बात- व्यवहार, अपनी सोच और कार्यशैली से बच्चों को गलत ढंग से प्रभावित करते हैं. भला करने की जगह उनका गलत मार्गदर्शन कर बैठते हैं. अभिभावक किस तरह अपने बच्चों का अहित करते हैं, आइए इसे जानते-समझते हैं.

अपने बच्चों को गलत ढंग से प्रभावित करने वाले अभिभावक पांच तरह के होते हैं-

1. ओवर केयरिंग

अपने बच्चे को जबरदस्ती खिलाते हैं, वह भी ठूंस-ठूंस कर. इतना खिलाने के बाद भी हमेशा बोलते हैं - कुछ खाता ही नहीं. अपने मोटे होते हुए बच्चे को बोलेंगे - कितना दुबला हो गया है. गर्मी में भी उसे खूब कपड़ा पहना कर रखते हैं. बच्चे के खान-पान, स्वास्थ्य को लेकर पगलाए रहते हैं. ऐसे अभिभावक बच्चों का स्वास्थ्य बनाते कम, बिगाड़ते ज्यादा हैं. उन्हें अति नाजुक और प्रॉब्लम चाइल्ड बना डालते हैं.

2. ओवर इंपोजिंग

जो ये खुद हासिल नहीं कर सके, अपने बच्चों के द्वारा हासिल करना चाहते हैं. बच्चों पर अपनी सनक का हंटर चलाते रहते हैं - तुमको इंजीनियर/ डॉक्टर/आईएएस ही बनना है, तुमको वहीं ट्यूशन ज्वाइन करना है. दिन भर पढ़ाई - पढ़ाई की रट लगाए रहते हैं. उसे न टीवी देखने देते हैं, न कुछ सीखने देते हैं. बस पढ़ाई. अपने बच्चों को खुल कर सांस भी लेने नहीं देते. ऐसे घरों के बच्चों में आक्रोश पनपते रहता है.

3. ओवर प्रोटेक्टिव

बच्चे को कुछ खेलने नहीं देते. हमेशा बोलते हैं - गिर जाओगे, हाथ टूट जाएगा, सिर फूट जाएगा. उसे कहीं अकेले नहीं जाने देते. अगर स्कूल में किसी बच्चे के साथ उसकी अनबन हो जाए, तो स्कूल जाकर उस बच्चे से लड़ने लगते हैं. हमेशा अपने बच्चे को बचाने में लगे रहते हैं, भले ही बच्चा तोड़-फोड़ कर दे, किसी का सामान चुरा ले, गंदी भाषा का प्रयोग करे. बच्चे का अगर रिजल्ट खराब हो जाए, तो स्कूल और टीचर्स को ही दोषी ठहराएंगे. सफाई देंगे कि बच्चा बीमार था. ऐसे बच्चों का अनुशासनहीन और बिगड़ैल होना लगभग तय है.

4. ओवर लिबरल

बच्चों को हर चीज खरीदने की इजाजत देते. उन्हें जरूरत से ज्यादा पैसा देते हैं. उन्हें असमान्य, अजीब-अजीब कपड़े पहनने की इजाजत देते हैं. बच्चा जहां मन करता है, वहां चला जाता है. देर रात को लौटता है लेकिन उसे कुछ नहीं कहते. ऐसे बच्चे बड़े होने पर ओवर डोमिनेटिंग हो जाते हैं. ये अच्छे पति-पत्नी साबित नहीं होते हैं.

5. पार्शियल

भले ही पढ़े लिखे हों, अच्छा कमाने वाले हों लेकिन बेटा-बेटी में फर्क करते हैं. बेटे को बहुत ज्यादा आजादी, अच्छा खाने-पहनने को देते हैं. सारा काम बेटी से करवाते हैं. बेटी को जैसे-तैसे पढ़ा देने पर यकीन करते हैं. समाज में लड़कियों की बुरी दशा के यही लोग जिम्मेदार हैं. दहेज जैसी कुरीति इन्हीं की वज़ह से दूर नहीं हो रही. दहेज में लाखों दे देंगे लेकिन बेटी को पढ़ाने, आत्मनिर्भर बनाने के लिए कंजूसी की सारी हदें पार कर जाते हैं.

विश्व डाक दिवस आज

ख़त लिखेंगे गरचे मतलब कुछ न हो

ना-उमीदी मौत से कहती है अपना काम कर / आस कहती है ठहर ख़त का जवाब आने को है... यही ताकत है कागज पर इत्मीनान से हर्फ की शक्ल में संजोई भावनाओं की जिसे जमाना खत कहता है और कभी संवाद का बेहद मजबूत माध्यम हुआ करता था. खत में फुर्सत से संजोए शब्द जब दूर बैठे किसी अपने तक पहुंचते तो केवल शब्द नहीं रह जाते. वे उम्मीदों के दीप बन मायूसी का अंधेरा दूर करते. खुशियां दोगुनी करते तो गम आधा. यकीन मानिए, ये शब्द कई बार अजीज मित्र के कांधे सा हो जाते जिस पर शब्द उड़ेल हम हल्के हो जाते हैं. ये खत खुशियों की मिठास लेकर आते तो सुकून का झरोखा भी खोलते.

त्योहारों पर डाकिए की पर्वी-बख्शीश

भावों में पगे शब्दों का जो जादू खत में दिखता वह और कहां! फिर कहां खो गए वे दिन. याद कीजिए आखिरी बार आपने कब खत लिखे थे. कब आखिरी बार डाकिया ने आपके दरवाजे की घंटी बजायी थी. त्यौहार का मौसम फिर दस्तक दे रहा है. याद तो कीजिए आखिरी बार कब आपके घर से डाकिए के हिस्से की बख्शीश दी गई. सच पूछिए तो दशहरा-दीवाली पर पूरे हक से पर्वी-बख्शीश मांगने वाले उस दौर को हम भूल ही चुके हैं. पर्वी-बख्सीस लेने आए डाकिया हमारे घर से चाय-मिठाई खाकर ही विदा होते थे. बेशक डिलीवरी ब्वॉय के अब भी कभी डॉक्यूमेंट्स तो कभी ऑनलाइन खरीदारी का समान लेकर अब भी जब-तब हमारे घर की घंटी बजाते रहते पर उनसे वैसा रिश्ता कभी नहीं बन पाया जैसा डाकिया के साथ होता था.

भावनाओं से पगे शब्द

इत्मीनान व एकांत संजों कर कोरे कागज पर कलम से शब्दों को पिरोने से पहले भावों की जो डुबकियां लगती थी, मन को निर्मल कर देती थीं. भावों के बादल कईबार इस कदर उमड़ पड़ते थे कि कागज पर शब्द उतरने से पहले गालों पर भावनाओं की नदियों बह जाती थीं. फिर निकलते थे धुले धुले से हर्फ. इनसे भला आज के मैसेज का क्या मुकाबला! मैसेज के जमाने में भावनाएं उधार के शब्दों से काम चलाती नजर आती हैं. फॉरवर्डेड ही तो होते हैं ज्यादातर मैसेज. नहीं तो इमोजी के चंद चिन्हों में से किसी एक पर क्लिक कर मैगी दो मिनट से भी फास्ट अंदाज में हम अपनी भावनाएं जाहिर कर देते हैं. वह भी कभी राह चलते, कभी शॉपिंग करते, कभी दोस्तों से बात करते तो कभी ऑफिस में काम के बीच. कभी कड़ाही में कलछी घुमाते तो कभी मेहमानों के सामने बात करते. वह भी लिखने का मन या आदत नहीं तो वॉयस कमांड का उपयोग कर लीजिए. बोलते ही हर्फ दर्ज होते जाते और एक क्लिक में पढ़ने वाले के सामने. भेजे गए शब्दों/चिन्हों में न तो भेजने वाले के लिए रुहानी कुछ रहता और न पाने वाले के लिए. दरअसल तकनीक और सहुलियत ने हमारे सामने जो मैसेज का विकल्प छोड़ा है, उसकी ताकत बस इतनी ही है. खत बेशक देर से पहुंचे, पर दुरुस्त पहुंचते हैं. इनके शब्द दिल तक पहुंचने माद्दा रखते हैं. पीढ़ियों तक संभाले जा सकते हैं और संबंधों की कहानी बयां करते हैं.

विनय सौरभ
नोनीहाट, दुमका

मेरे कवि/लेखक होने में डाकघर का बड़ा योगदान रहा है. मेरे गांव के छोटे से लाल डब्बे में कविताएं डाल आता था और वे पत्रिकाओं में छपकर वापस लौटती थीं. दोस्तों/अग्रजों की एक मुक्कमल दुनिया इन चिट्ठियों के जरिए ही मिली. सैंकड़ो किताबें, पत्रिकाएं, हजारों चिट्ठियां पहुंचाने वाले अपने डाकघर के डाकिए प्रशांत दा, शंकर शाह हमेशा याद आते हैं. डाकघर के पुराने पोस्टमास्टर साहब की जब विदाई हो रही थी तो अपने फेयरवेल प्रोग्राम में उन्होंने कहा कि नोनीहाट में दो पते पर सबसे अधिक खत आए, एक सेंट्रल बैंक और विनय सौरभ का. यह बात जब मुझे पता चली तो मैं भीतर से भींग सा गया. आज भी डाक घर से गुजरता हूं, तो यह आवाज देता महसूस होता है. डाक के लिए ताउम्र मेरा एक ही और बेहद संक्षिप्त पता रहा-विनय सौरभ, नोनी हाट दुमका. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में रचनाओं संग छपा यही पता मेरी पहचान भी बना. याद है जेनएनयू में पढ़ने दिल्ली रहा कुछ दिन. उन्हीं दिनों जब पहली बात केदारनाथ सिंह से मिला तो उन्होंने उस पते की बदौलत मुझे याद किया-अरे विनय सौरभ! आप नोनीहाट से कब आए? आज भी मेरे पास 1200 से अधिक पत्र सुरक्षित हैं जो मेरे लिए एक धरोहर की तरह हैं. इनमें भीष्म साहनी, बाल कवि वैरागी, शिव प्रसाद सिंह, ज्ञानरंजन, राजेंद्र यादव समेत कई विद्वानों के पत्र शामिल हैं. संदीप नाइक जैसे दोस्त भी मिलें जिन्होंने बताया कि रिश्ते केवल रक्त संबंध के नहीं होते हैं.

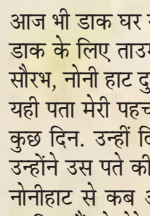

सोनल थेपड़ा
रांची

वर्ष 1994-2000 के बीच जब हम प्रेम संबंध में थे, पर हमारी शादी नहीं हुई थी, खत ही जिंदगी का भरोसा था. सच पूछिए तो प्यार का गहरा अहसास तो पत्रों वाले जमाने में ही महसूस हुआ करते थे. एक दौर ऐसा था जब मेरे प्रियतम (अब पति) दिल्ली में रहा करते थे, तब मत पूछिए कि किस शिद्दत से उनके खतों का इंतजार करती थी. निगरानी के दौर में वे खुला खत भी लिखा करते थे जिसमें दार्शनिकता और आम बातों के बीच मेरे लिए कुछ खास संदेश हुआ करते थे और यकीं मानिए इस संदेश को केवल हम दोनों ही समझा करते थे. आज भी वे सारे खत मेरे धरोहर हैं.

संगीता यादव
रांची

नाना जी स्व जगदम्बी प्रसाद यादव मोरारजी देसाई के शासनकाल में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री तथा केन्द्रीय उद्योग राज्यमंत्री थे. वे अक्सर देश-विदेश दौरे पर जाते थे. जहां भी जाते थे, वहां से मुझे खत लिखते थे और वहां की संस्कृति, खान-पान, लोगों के बारे में बताते थे. तब मैं स्कूल में पढ़ा करती थी. समझ अधिक नहीं थी, पर इन खत का इंतजार रहता था. खत के जरिए दुनिया भर की सैर भी हो जाती थी.

कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

दादा जी के गुजर जाने के बाद दादी मां के साथ मैं मोकामा स्थित अपने गांव में थी, जबकि मम्मी-पापा और परिवार के दूसरे सदस्य जमशेदपुर में रहते थे. उनदिनों परिवार से जुड़े रहना डाक सर्विस से ही संभव होता. हम जल्दी-जल्दी काम कर दोपहर के बारह से दो बजे तक दलान पर रहने की कोशिश करते. डाकिया की साइकिल की घंटी भी बजती तो कान चौकन्ने होते. घर चलाने के पैसे भी पापा मनीऑर्डर से भेजते थे. डाकिए के आने से दलान गुलजार हो जाता. चिट्ठी/पैसे पा कर हम खुश, चाय-पानी लेकर डाकिया भी थोड़ा सुकून पाते. हमरो कुछ ऐलौ पूछते पास पड़ोस के कुछ लोग भी दलान पर जमा हो जाते और गपशप का दौर शुरू हो जाता. आज यह अनुभव दुर्लभ है.

फिल्मी गानों में खत की बात

डाकिया डाक लाया, डाकिया डाक लाया, खुशी का पयाम कहीं, कहीं दर्दनाक लाया....

फूल तुम्हें भेजा है खत में, फूल नहीं मेरा दिल है...

लिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में..

संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं..चिट्ठी आती है...

खत लिख दे सांवरिया के नाम बाबू, कोरे कागज पर लिख दो सलाम बाबू...

वापस ले आया डाकिया चिट्ठी मेरी, बोला पता तो सही था, मगर लोग बदल गए...

चिट्ठी न कोई न संदेश, जाने कौन सा देस जहां तुम चले गए...

चिट्ठी आई है, आई है चिट्ठी आई है...

काट के उंगली कलम बनाउं, दिल के लहु से लिख दूं, नाम तेरे लव लेटर

चिट्ठिये पंख लगा के उड़ जा, गैर के हाथ न आवि....

कल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

खुशी की छांव में गुनगुनाएगी जिंदगी

डॉ स्वर्णाली बोस
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट

कल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस है. इस बार की थीम है – "मानसिक स्वास्थ्य वैश्विक मानवाधिकार है". इस थीम का उद्देश्य है प्रत्येक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को एक वैश्विक मानवाधिकार के रूप में सुरक्षित करने के लिए जानकारी, जागरुकता और कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना. सच पूछिए तो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अब भी अपने देश खासकर अपने सूबे में जागरुकता का अभाव है. आइए, आज मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के बेसिक नियमों पर करें बात-

रेगुलर एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज नैचुरल स्ट्रेस रिलीवर है. जब हम शारीरिक तौर पर सक्रिय रहते हैं तो बॉडी केमेस्ट्री यानी शरीर के रसायन विज्ञान में सकारात्मक बदलाव लाता है. डोपामाइन, नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाता है, जिससे मूड और एकाग्रता में सुधार हो सकता है. व्यायाम शरीर से तनाव भी दूर करता है और मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है, जिससे अच्छी नींद आने में मदद मिल सकती है. मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को बहुत लाभप्रद माना गया है.

हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट

कई शोधों में देखा गया है कि रिफाइंड सुगर, प्रोसेस्ड फूड जैसी चीजों का अत्यधिक सेवन मस्तिष्क व तनाव संबंधी अंग जैसे पैनक्रियाज की कार्यशीलता को प्रभावित करती है. इनके सेवन से कॉर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन का स्राव अधिक होता है और सूजन भी होता है. यह बायोलॉजिकल चेंज चिंता, अवसाद और खराब मूड को बढ़ाता है. वहीं पौष्टिक आहार का सेवन और केवल भूख होने पर खाने की आदत ब्लड शुगर और एनर्जी लेवल को संतुलित रखता है. हम काम पर फोकस रह पाते हैं और मूड भी बेहतर रहता है.

प्राथमिकता तय करना जरूरी

काम का दवाब भी कई बार मानसिक परेशानी लाता है. तय करना होगा कि तत्काल किस काम को किए जाने की जरुरत है और किस काम के लिए कुछ देर रूका जा सकता है. अगर आपको ऐसा लगने लगे कि आप बहुत अधिक वर्क लोड ले रहे हैं तो एक्स्ट्रा कामों के लिए 'ना' कहना सीखें. दिन के अंत में इस बात का ध्यान रखने की कोशिश करें कि आपने क्या हासिल किया है, न कि यह कि आप क्या करने में असमर्थ रहे हैं.

अपनों से जुड़े रहें

अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों से संपर्क करें, उनसे अपनी बातें साझा करें. सुख-दुख के साथ बनें. परिवार व अपनों का इमोशनली सपोर्ट बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी माना जाता है.

नींद पर्याप्त लें

आमतौर पर देखा जाता है कि जिनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर नहीं होता वे अनिद्रा या कम नींद की समस्या से भी जूझते रहते हैं. शोध में देखा गया है कि रात के दौरान एक अच्छी गहरी नींद मस्तिष्क के इमोशनल इंफॉर्मेशन प्रॉसेस की दुरुस्तगी के लिए जरूरी है. वहीं पर्याप्त नींद नहीं होने पर नकारात्मक विचार मन-मस्तिष्क पर हावी होते हैं.

पालतू के साथ समय गुजारें

अध्ययनों से पता चलता है कि जानवर - विशेष रूप से कुत्ते और बिल्लियां - तनाव, चिंता और उदास मनोदशा को कम करने में मदद कर सकते हैं. यहां तक कि मछली टैंक (एक्वैरियम) देखने से भी रक्तचाप कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. पालतू जानवर सकारात्मक बने रहने में मददगार होते हैं. पालतू जानवर के साथ खेलने से मस्तिष्क में अच्छा महसूस कराने वाले रसायन जैसे डोपामाइन और ऑक्सीटोसिन भी बढ़ सकते हैं. लेकिन, किसी जानवर को पालतू बनाने के लिए लाने से पहले अपना समय, सुविधा और रुचि का ध्यान जरूर रखें.

समझिए मार्केटिंग के फंडे

शिखर चंद जैन
स्वतंत्र पत्रकार

मार्केटिंग कंपनियां और बड़े रिटेल स्टोर्स आपको तरह-तरह से लुभा कर अनचाही चीजें, उनके मनचाहे दामों पर खरीदने को मजबूर कर देते हैं. महंगाई के युग में आपका घरेलू बजट न बिगड़ जाए और आप फिजूलखर्ची न कर डालें, इसके लिए खरीददारी में समझदारी दिखानी बेहद जरूरी है –

ना पड़ें 99 के फेर में

अक्सर बड़ी कंपनियां या बड़े दुकानदार अपने रेट टैग में कीमतें 1299 या 1799.95 जैसे अंकों में लिखते हैं जिसे हम आमतौर 1200 या 1700 के रूप में देखते हैं. ऐसा 'लेफ्ट डिजिट इफैक्ट' के कारण होता है.

'प्राइसलेसः दी मिथ ऑफ फेयर वैल्यू' के लेखक विलियम पाउंडस्टोन कहते हैं, 'ऐसी कीमतें हमारे मन में यह विचार लाती हैं कि यह बेहद अच्छा सौदा है. जबकि डिस्काउंट की गई रकम में 99 का चक्कर अक्सर नहीं रहता।'

बचें मेम्बरशिप के फंडे से

बड़े-बड़े रिटेल स्टोर्स आजकल लॉयल्टी कार्ड, रिवार्ड कार्ड या मेम्बरशिप के नाम से बंधे ग्राहकों को 'आकर्षक छूट' के नाम पर ललचाते हैं. ऐसा जताते हैं मानो ग्राहक के पास ऐसा कार्ड होना गर्व की बात हो. इनके झांसे में आए ग्राहक सालभर 'छूट' का फायदा उठाने के लिए किसी सामान की कीमतें दूसरी जगह ट्राई न करके बार-बार ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने और 'प्वाइंट्स' बनाने के चक्कर में न सिर्फ जरूरत से ज्यादा मात्रा में बल्कि गैर जरूरी सामान भी उठा लाते हैं. जबकि ऐसी छूट वास्तविकता के धरातल पर नगण्य होती है.

महंगा पड़ेगा यह नयापन

कॉस्मेटिक्स एवं फूड प्रोसेसिंग प्रोडक्ट निर्माता इस काम में खास माहिर होते हैं. देखा गया है कि जब भी इनकी नई पैकिंग आती है, तो उसमें माल की मात्रा कम होती चली जाती है, या कीमतें बढ़ती जाती हैं. ग्राहक में आकर्षण पैदा करने के लिए कोई मामूली सी चीज इसके साथ 'फ्री' देने का भरपूर विज्ञापन किया जाता है. ग्राहक बिना सोचे-समझे अक्सर इनसे प्रभावित होकर इन्हें तुरंत खरीद लेता है. क्रीम वगैरा के बड़े से दिखने वाले पॉट में क्रीम बहुत कम होती है, आपने कभी ऐसे पॉट्स के डिंपल वाले बॉटम पर ध्यान दिया है?

लेना नहीं तो ट्रायल क्यों?

कपड़े के दुकानदारों के दो जुमले ग्राहकों को खूब फंसाते हैं, पहला 'अजी लेना नहीं तो मत लीजिए देखने में क्या जाता है' और दूसरा 'लेना मत, एक बार ट्रायल रूम में पहन के तो देखिए.' ये दोनों दुकानदारों के आजमाए हुए सफल नुस्खे हैं. 'व्हाई बी बायः दी साइंस ऑफ शॉपिंग' के लेखक पेको अंडरहिल कहते हैं, 'ट्रायल करने और गैरजरूरी कपड़े देखने वाले ग्राहक अक्सर दूसरों की तुलना में दोगुनी खरीददारी कर लेते हैं.

पुरुष हैं, तो अकेले खरीदें

'जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च' के एक अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि अपने किसी मित्र के साथ खरीददारी करने जाने पर 56 फीसदी पुरुष जरूरत से ज्यादा सामान खरीद लेते हैं क्योंकि पुरूषों में शॉपिंग के दौरान अपने मित्रों के सामने अपना ज्ञान बघारने और स्टेटस दिखाने की आदत होती है. जबकि महिलाओं में यह आदत सिर्फ 4 फीसदी ही होती है.

शॉपिंग बास्केट या कार्ट से दूर रहें

पेको अंडरहिल कहते हैं, 'शॉपिंग बास्केट से दूर रहें, ये ज्यादा खरीददारी करने के लिए उकसाती है.' आप ज्यादा सामान खरीदने नहीं गए हैं, तो हाथ में ही सामान लें ताकि हाथ भरे-भरे लगे, तो आपको लगे कि काफी कुछ ले लिया, चलो अब चलें. वरना खाली कार्ट या बास्केट को भरने की लालसा आपसे फिजूलखर्ची करवा देगा.

एक पर एक मुफ्त से बचें

यूएसए टुडे में स्तंभकार रिटेल एनेलिस्ट एमी नोबलीन लिखते हैं 'सीमित समय की छूट', 'एक खरीदें, एक मुफ्त पाएं', 'एक खरीदें, दूसरे पर 50 फीसदी छूट पाएं' आदि फार्मूले ग्राहकों के लिए जाल का काम करते हैं. अक्सर लोग 'यह मौका चूक न जाएं' के फेर में आकर बिना सोचे-विचारे इन्हें खरीद लेते हैं.

एक ग्राहक को चार से ज्यादा नहीं

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस के विश्लेषक विकी मोरविट्स कहते हैं, 'कई दुकानदार जानबूझ कर एक ग्राहक को दो या चार नग से ज्यादा नहीं का फार्मूला लागू करते हैं, इसलिए ग्राहकों को लगता है कि माल सचमुच बेहद सस्ता है और सीमित मात्रा में है और वे हर हाल में उसे हासिल करने की जुगत में जुट जाते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

विश्व कप : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया

राहुल-विराट ने बचाया

भाषा । चेन्नई

विश्व कप में भारत का विजयी आगाज

- राहुल ने 97* और कोहली ने 85 रन बनाए

विराट कोहली और केएल राहुल के अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत जीत के साथ की. भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 200 रनों का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की. भारत के लिए विराट ने 116 गेंदों में 85 रन बनाए. वहीं राहुल ने 115 गेंदों में शानदार 97 रनों की पारी खेली. ऑस्ट्रेलिया के हेजलवुड ने 3 विकेट चटकाए.इससे पहले रविंद्र जडेजा की अगुवाई में स्पिन तिकड़ी के शानदार प्रदर्शन से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक दिवसीय विश्व कप के मैच में रविवार को यहां 49.3 ओवर में 199 रन पर समेट दिया ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा पाया. उसकी तरफ से स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 46 रन बनाए. रविंद्र जडेजा (28 रन देकर तीन विकेट), कुलदीप यादव (42 रन देकर दो) और रविचंद्रन अश्विन (34 रन देकर एक) की स्पिन तिकड़ी ने 30 ओवर में 104 रन देकर छह विकेट लिये. भारत के तेज गेंदबाजों ने भी अपना कमाल दिखाया. जसप्रीत बुमराह ने 35 रन देकर दो विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और हार्दिक पंड्या ने एक-एक विकेट हासिल किया. चेन्नई की गर्म और उमस भरी परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन बुमराह ने अपने दूसरे ओवर में ही मिचेल मार्श (00) को आउट करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई. विराट कोहली ने स्लिप में अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर उनका कैच लिया. कोहली इस तरह से भारत की तरफ से विश्व कप में सर्वाधिक कैच लेने वाले क्षेत्ररक्षक बन गए. उन्होंने अनिल कुंबले (14 कैच) का रिकॉर्ड तोड़ा. इसके बाद डेविड वार्नर (52 गेंद पर 41 रन, छह चौके) और स्मिथ (71 गेंद पर 46 रन, पांच चौके) ने पारी संवारने का बीड़ा उठाया और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े.

एशियाई खेलों का रंगारंग समापन

समापन समारोह के दौरान प्रदर्शन करते कलाकार.

हांगझोउ । सभी एशियाई खेलों की मशालों की कॉम्बो छवियां : (शीर्ष पंक्ति में बाएं से दाएं) नई दिल्ली 1951, मनीला 1954, टोक्यो 1958, जकार्ता 1962, बैंकॉक 1966 और 1970, (मध्य पंक्ति में बाएं से दाएं) तेहरान 1974, बैंकॉक 1978, नई दिल्ली 1982, सियोल 1986, बीजिंग 1990, हिरोशिमा 1994, (निचली पंक्ति में बाएं से दाएं) बैंकॉक 1998, बुसान 2002, दोहा 2006, गुआंगज़ौ 2010, इंचियोन 2014, जकार्ता और पालेमबांग 2018, और हांगझू 2022 (दाएं).

हांगझोउ में ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में रविवार को 19वें एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान ध्वजवाहक पीआर श्रीजेश ने भारतीय दल का नेतृत्व किया.

ब्रीफ खबरें

फ्रेसर ने लिस्ट ए में सबसे तेज शतक जड़ा

एडीलेड । साउथ ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेसर मैकगुर्क ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ते हुए तस्मानिया के खिलाफ वनडे मैच में महज 29 गेंद में तिहरा अंक छुआ. उन्होंने आठवें ओवर में शतक पूरा कर दिया. इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स के नाम था जिन्होंने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 31 गेंद में शतक जमाया था. ऑस्ट्रेलिया के 21 वर्ष के बल्लेबाज ने 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और अगला पचासा सिर्फ 11 गेंद में पूरा किया. उन्होंने एक ओवर में ही 32 रन निकाल दिये. वह आखिर में 38 गेंद में 125 रन बनाकर आउट हुए जिसमें दस चौके और 13 छक्के शामिल थे.

अनीश, ज्योति बेंगलुरु मैराथन के चैंपियन बनें

बेंगलुरू । सेना के अनीश थापा और महाराष्ट्र की ज्योति गावते रविवार को यहां बेंगलुरु मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के चैंपियन बने. नई दिल्ली मैराथन के चैंपियन अनीश ने यहां दो घंटे 18:06 मिनट का समय लिया जबकि सेना के ही अक्षय सैनी (2.25:04) और उत्तर प्रदेश के कुलदीप सिंह (2.26:38) तीसरे स्थान पर रहे. महिलाओं की दौड़ में महाराष्ट्र के धावकों का दबदबा रहे. गावते (3:08:53) को राज्य की अश्विनी जाधव (3:09:00) से कड़ी टक्कर मिली. महाराष्ट्र की ही प्राची गोडबोले (3.13:17) तीसरे स्थान रही. वैभव पाटिल ने 1.11:50 के समय के साथ पुरुषों की हाफ मैराथन जीती, जबकि बिजोया बर्मन ने 1.34:39 के समय के साथ महिला वर्ग में खिताब हासिल किया.

न्यूजीलैंड व नीदरलैंड के बीच मैच आज

भाषा । हैदराबाद

मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा

- दोनों टीमें एक-एक मैच खेल चुकी है
- न्यूजीलैंड ने अपने पहले मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराया था
- नीदरलैंड को पहले मैच में पाकिस्तान ने 81 रनों से पराजित किया था

विश्व कप में अपना अपना पहला मुकाबला खेल चुके न्यूजीलैंड और नीदरलैंड सोमवार को एक बेमेल से मुकाबले में एक दूसरे के आमने सामने होंगे. न्यूजीलैंड ने गुरूवार को पहले मैच में गत चैंपियन इंग्लैंड को नौ विकेट से हराकर अपने इरादे जाहिर कर दिये. इंग्लैंड ने नौ विकेट पर 282 रन बनाये जिसे न्यूजीलैंड ने 36 . 2 ओवर में हासिल कर लिया. डेवोन कोंवे (नाबाद 152) और रचिन रविंद्र (123 नाबाद) ने आक्रामक पारियां खेली. न्यूजीलैंड ने अपने नियमित कप्तान केन विलियमसन के बिना जीत हासिल की. आईपीएल के दौरान लगी चोट के कारण विलियमसन पहला मैच नहीं खेल सके. न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने संकेत दिया कि विलियमसन डच टीम के खिलाफ मैच के लिये भी पूरी तरह फिट नहीं है. ऐसे में टॉम लाथम ही कप्तानी की बागडोर संभालेंगे. स्टीड ने रविवार को कहा कि केन तेजी से ठीक हो रहा है लेकिन अभी फील्डिंग करने की स्थिति में नहीं है. हमें यकीन है कि वह तीसरा मैच खेलेगा. अभ्यास सत्र के बाद हम अंतिम एकादश फाइनल करेंगे. जहां तक केन का सवाल है तो हमें उम्मीद है कि वह तीसरे मैच से खेल सकेगा. अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी का चुना जाना भी तय नहीं है क्योंकि वह अंगूठा टूटने के बाद उबर नहीं सके हैं. तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन फिटनेस टेस्ट में खरे उतरने पर खेल सकेंगे. डच टीम को पहले मैच में पाकिस्तान ने 81 रन से हराया. वैसे डच टीम ने पावरप्ले में पाकिस्तान के तीन विकेट चटका दिये थे. उसके सलामी बल्लेबाज विक्रमजीत सिंह और बास डी लीडे ने अर्धशतक भी बनाये. दोनों टीमों के बीच इस प्रारूप में अब तक चार मुकाबले हुए हैं जिसमें न्यूजीलैंड विजयी रही.

श्रीलंका पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

नई दिल्ली। श्रीलंका पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप के यहां खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम ने शनिवार को खेले गए मैच में निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे. इस कारण आईसीसी के मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ ने उस पर यह जुर्माना लगाया. खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार किसी भी टीम के धीमी ओवर गति के लिए निर्धारित समय में एक ओवर कम करने पर खिलाड़ियों पर मैच शुल्क का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है. शनाका ने अपना दोष स्वीकार किया, इसलिए इस मामले में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी.

आओ जानें

विश्व कप: 10 सबसे बड़े टीम स्कोर

टीम	स्कोर	बनाम	वर्ष
दक्षिण अफ्रीका	428	श्रीलंका	2023
ऑस्ट्रेलिया	417/6	अफगानिस्तान	2015
भारत	413/5	बरमूडा	2007
दक्षिण अफ्रीका	411/4	आयरलैंड	2015
दक्षिण अफ्रीका	408/5	वेस्टइंडीज	2015
श्रीलंका	398/5	केन्या	1996
इंग्लैंड	397/6	अफगानिस्तान	2019
न्यूजीलैंड	393/6	वेस्टइंडीज	2015
इंग्लैंड	386/6	बांग्लादेश	2019
ऑस्ट्रेलिया	377/6	दक्षिण अफ्रीका	2007
ऑस्ट्रेलिया	376/9	श्रीलंका	2015

सरजोम बगान की टीम जीती

संवाददाता । हजारीबाग

- सिलवार में फ्रेंड्स क्लब नाक आउट फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू
- सरजोम बगान ने रेड आर्मी 1-0 से पराजित किया

हजारीबाग के सदर प्रखंड स्थित शांति नगर सिलवार में रविवार को फेंड्स क्लब नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ. उद्घाटन मैच रेड आर्मी और सरजोम बागान टीम के बीच खेला गया. इसमें मध्यांतर तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं. मध्यांतर के बाद सरजोम बगान की टीम ने 1-0 से बढ़त बनाकर विजय हासिल की. इस टूर्नामेंट में 40 टीमों ने भाग लिया है. कार्यक्रम का मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी मुन्ना सिंह उपस्थित हुए. विशिष्ट अतिथि सदर उप प्रमुख गोबिंद सिंह, सदर पूर्वी जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, अतिथि के रूप में सिलवार पंचायत मुखिया रूक्मिणी देवी, सिंदूर मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा मेहता, सिलवार खुर्द पंचायत समिति सदस्य ओम प्रकाश देव, सिलवार कला पंचायत समिति सदस्य बसंत रविदास, जिला परिषद प्रतिनिधि महेंद्र राम बिहारी, मुखिया प्रतिनिधि उमेश प्रसाद आदि शामिल हुए. कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों को कमिटी के सदस्यों की ओर से सम्मानित करके किया गया. उसके बाद सभी अतिथि मैदान में प्रवेश करके बारी-बारी से दोनो टीमों के खिलाड़ियों का परिचय के साथ हौसला बढ़ाया.

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित

सुकेश कुमार । चाईबासा

विजेताओं की सूची

वर्ग एलकेजी एवं यूकेजी
प्रथमः अथर्व चिरानिया
द्वितीय स्थान : प्रजना दोदराजका
तृतीय स्थानः देवन्या शर्मा

वर्ग टू
प्रथमः आशी प्रिया
द्वितीय : आरव खैतान
तृतीयः देवांश शर्मा

वर्ग फोर्थ
प्रथमः अभिराज मोदी
द्वितीय : पलक दोदराजका
तृतीय : आदर्श अग्रवाल

वर्ग पांचवा और छठा
प्रथम : मानविक विजय वर्गीय
द्वितीयः श्रेयांश अग्रवाल
तृतीय : शिवम गोयल

वर्ग सातवां
प्रथमः प्रियांश बंसल
द्वितीयः परिकेत अग्रवाल
तृतीय : आलेख अग्रवाल

वर्ग आठवां
प्रथम : श्रीदास पिरोजीवाला
द्वितीय : पुण्यक सराफ
तृतीय : आस्था सिन्हा

बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में रविवार को रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य रूप से जमशेदपुर से आए पदाधिकारी चंदेश्वर कुमार, विद्याभूषण, ज्योति एवं नरेंद्र कुमार उपस्थित थे. पश्चिमी सिंहभूम रोलर स्केटिंग की अध्यक्षा शालिनी सर्राफ, कोषाध्यक्ष वरिसा दोदराजका, चाईबासा के रोलर स्केटिंग के प्रशिक्षक दशमत माझी, लायंस क्लब चाईबासा लावण्या की अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल, लायंस क्लब चाईबासा के अध्यक्ष सचिन अग्रवाल एवं बहुत से अभिभावक भी मौजूद थे. प्रतियोगिता छह वर्गो में आयोजित किया गया था. विजेता प्रतिभागियों के बीच मेडल और प्रमाण पत्र का वितरण किया गया. चाईबासा में रोलर स्केटिंग की ट्रेनिंग अप्रैल से सप्ताह में तीन दिन (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को) दी जा रही है.

फील्ड अपडेट

लोधा लायंस को हराकर द ब्लड फाइनल में

चाकुलिया । चाकुलिया के केएनजे उच्च विद्यालय मैदान में खेली जा रही चाकुलिया प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे संस्करण में शनिवार की रात पहला क्वालीफायर मैच लोधा लायंस और द ब्लड के बीच खेला गया. वहीं एलिमेनटर मैच टाइगर्स और गजराज के बीच खेला गया. पहले क्वालीफायर मैच में लोधा लायंस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में नौ विकेट खोकर 60 रन बनाए. द ब्लड टीम के तरफ से डोकोमो ने दो ओवर में चार रन देकर चार विकेट लिया. 61 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी द ब्लड की टीम ने 5.5 ओवर में दो विकेट खोकर 64 रन बना लिया. पहले क्वालीफायर मैच को द ब्लड की टीम आठ विकेट से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. वही दूसरा मैच टाइगर्स और गजराज के बीच खेला गया. टाइगर्स टीम के कप्तान अंगद सिंह ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए गजराज की टीम निर्धारित 10 ओवर में 99 रन बनाए. गजराज टीम के तरफ से नयन दास ने सर्वाधिक 36 रन बनाए. 100 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइगर्स की टीम 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 93 रन बना ही बना सकी.

जय बजरंग क्लब ने 1-0 से जीता उद्घाटन मैच

कोडरमा । जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत घरौंजा घुरमुंडा में रविवार को आजाद क्लब द्वारा नॉक आउट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव और राजद प्रदेश उपाध्यक्ष सह मुखिया राजकुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया. आदर्श क्लब बालेडीह (गिरिडीह) और जय बजरंग क्लब घंघरी जयनगर (कोडरमा) के बीच खेले गए मैच में जय बजरंग क्लब घंघरी ने 1-0 से जीत दर्ज की. वहीं कमेंट्री आनंदी यादव ने किया. इस दौरान मुखिया इंदु देवी, उप मुखिया गुड़िया देवी, पंसस अंजू देवी, पूर्व मुखिया अजय यादव, नीलम देवी, रामजी यादव, न्याकुल खान, सरफुदीन अंसारी, जागेश्वर यादव, पप्पू शर्मा, विनोद यादव, दीपक कश्यप, मनोज चौधरी, देव नारायण यादव, रोहित कुमार शर्मा, समेत अन्य लोग मौजूद थे.

फुटबॉल: चाराडीह व वाईबीसी की टीमें जीती

कोडरमा । रमेश प्रसाद यादव मेमोरियल टुर्नामेंट, राउंड 2 का पाचवां मैच चाराडीह एवं मोरियावां 08 के बीच जेजे कॉलेज मैदान में खेला गया. जिसमें निर्धारित समय में दोनों टीमों ने एक-एक किए. चाराडीह की ओर से गंगाधर ने पहले हाफ के 12वें मिनट गोल किया. पेनल्टी शूट में चाराडीह की टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की. छठा मैच वाईबीसी और इंदरवा के बीच खेला गया. जिसमें वाईबीसी ने 2-0 से जीत दर्ज की. वाईबीसी की ओर बब्लू ने पहले हाफ के 15वें मिनट में गोल किया, पिन्टू ने दूसरे हाफ के 18वे मिनट में गोल किया. मैच को सफल बनाने में विजय राय,महावीर यादव,जागी, संजय कुमार, पिन्टू राणा,मनोज यादव, संदीप, हरिश, आदि लोगों ने निर्णायक की भूमिका निभाई.

एशियाई खेल — हांगझोउ में पदकों की रिकॉर्ड संख्या ने बढ़ाया भारत का मनोबल

पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद जगी

भाषा । हांगझोउ

हांगझोउ एशियाई खेलों में 107 पदकों के रिकॉर्ड के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने देश के खेल इतिहास में एक शानदार अध्याय लिखने के साथ ही अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीदें जगा दी हैं. भारत ने एशियाई खेलों में लगभग 660 खिलाड़ियों के दल को भेजा था. भारतीय दल ने इन खेलों में रिकॉर्ड 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते. कुल पदकों की संख्या 2018 में हुए जकार्ता खेलों की तुलना में 37 अधिक है. भारतीय खिलाड़ियों ने निशानेबाजी और तीरंदाजी जैसी कुछ स्पर्धाओं में अपनी उम्मीदों से काफी बेहतर प्रदर्शन किया. भारत इन खेलों की पदक तालिका में चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद चौथे स्थान पर रहा जो कि खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का प्रमाण है. रैंकिंग के लिहाज से भी महाद्वीप में भारत का कद कई पायदान ऊपर बढ़ गया. पदक तालिका में चौथा स्थान 1951 और 1962 में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान के बाद भारत का सर्वकालिक तीसरा सर्वश्रेष्ठ है. भारत 2018 जकार्ता खेलों की तालिका में आठवें स्थान पर थे. **भारत के लिए कुछ प्रदर्शन निराशाजन रहे :** भारत की सबसे बड़ी निराशा कुश्ती में बजरंग पूनिया को मिली शिकस्त से हुई. भारोत्तोलन में मीराबाई चानू चौथे स्थान पर रही जबकि बैडमिंटन में पीवी सिंधू को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा. मुक्केबाजी में विश्व चैंपियन लवलीना बोरगोहेन को स्वर्ण पदक का तगड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह फाइनल मुकाबले में हार गयी.

कुल पदक की संख्या का लगभग आधा एथलेटिक्स और निशानेबाजी में मिला

एथलेटिक्स और निशानेबाजी से देश को सबसे अधिक क्रमशः 29 और 22 पदक मिले.इन दोनों की संख्या भारत के कुल और स्वर्ण पदकों की संख्या का लगभग आधा है. निशानेबाजी में सर्वाधिक सात स्वर्ण पदक मिले जबकि एथलेटिक्स में छह स्वर्ण पदक मिले. तीरंदाजों ने इन खेलों में अप्रत्याशित प्रदर्शन किये. तीरंदाजों ने 2018 सत्र में सिर्फ दो रजत के बाद बड़ा सुधार करते हुए पांच स्वर्ण सहित नौ पदक दिए. एशियाई खेलों के किसी भी संस्करण में तीरंदाजी में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था. भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अविस्मरणीय प्रदर्शन करते हुए सभी पांच स्वर्ण पदक जीते. कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवतले ने तीन-तीन स्वर्ण पदक जीते, जो किसी भी खेल में भारतीयों के बीच सबसे अधिक पीला तमगा है.

ब्रीफ खबरें

राजौरी में बारूदी सुरंग में धमाका, 2 पोर्टर घायल

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग में हुए धमाके में सेना के दो पोर्टर घायल हो गए. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि यह धमाका नौशेरा सेक्टर के सीमावर्ती कलाल क्षेत्र में शनिवार को हुआ, जिसमें मंगियोते गांव के निवासी राजकुमार और अश्विनी कुमार घायल हो गए. उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं और इन पर लगे निशान कई बार बारिश से धुल जाते हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं हो जाती हैं.

बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में गजनी वाला गांव के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया है. बीएसएफ के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिक अनजाने में सीमा पार कर भारत आ गया और उसके पास से कुछ भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तान रेंजर्स से संपर्क किया और इस संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराया. अधिकारी के मुताबिक, पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिक को बाद में मानवीय आधार पर पाकिस्तान रेंजर्स को सौंप दिया गया.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 से इटली, फ्रांस के दौरे पर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्विपक्षीय सामरिक भागीदारी बढ़ाने तथा सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास के मद्देनजर औद्योगिक सहयोग तलाशने के लिए सोमवार से इटली और फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे. रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो देशों की यात्रा के पहले चरण में सिंह रोम जाएंगे, जहां वह इटली के रक्षा मंत्री गुइदो क्रिसेतो से व्यापक चर्चा करेंगे. मार्च में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच सामरिक साझेदारी मजबूत हुई थी. मंत्रालय ने कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस की यात्रा करेंगे.' पेरिस में सिंह फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु के साथ पांचवें वार्षिक भारत-फ्रांस रक्षा संवाद में भाग लेंगे.

प्रयागराग में रविवार को वायु सेना के हेडक्वार्टर में एयरफोर्स डे के मौके पर सलामी देते जवान.

पीएम मोदी ने वायु सेना दिवस पर दी शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वायु सेना दिवस के अवसर वायु सैनिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनकी महान सेवा और त्याग हमारे आकाश की सुरक्षा सुनिश्चित करता है. मोदी ने यह भी कहा कि भारत को भारतीय वायुसेना की वीरता, प्रतिबद्धता और समर्पण पर गर्व है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भारतीय वायु सेना के साहस को सलाम करने वाला एक वीडियो भी साझा किया. प्रधानमंत्री ने लिखा, 'वायु सेना दिवस पर सभी वायु सैनिकों और उनके परिजनों को बधाई. भारतीय वायु सैनिकों की वीरता, प्रतिबद्धता और समर्पण पर भारत को गर्व है. उनकी महान सेवा और त्याग हमारे आकाश की सुरक्षा सुनिश्चित करता है.

आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने भी इजरायल के ठिकानों पर दागे गोले

रॉकेट व ड्रोन से हो रहे हमले

सैकड़ों की मौत

संवाददाता। तेल अवीव

इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के अप्रत्याशित हमले के एक दिन बाद रविवार को लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने भी एक विवादित इलाके में इजराइल के तीन ठिकानों पर हमला कर दिया, जिससे इस संघर्ष के व्यापक पैमाने पर फैलने की आशंका बढ़ गयी है. हमास के चरमपंथियों ने शनिवार को एक प्रमुख यहूदी अवकाश के दौरान इजराइल पर अप्रत्याशित हमला कर दिया, जिसमें 26 सैनिकों समेत कम से कम 300 लोगों की मौत हो गई व कई लोगों को बंधक बना लिया गया. गाजा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गयी. इजराइली टेलीविजन ने बंधक या लापता इजराइलियों के रिश्तेदारों की कई वीडियो प्रसारित की जो अपने प्रियजनों की जान जोखिम में होने के बीच मदद की गुहार लगाते हुए दिखे.

इजराइल के रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने पत्रकारों को बताया कि 'सैकड़ों आतंकवादी' मारे गए हैं और कई अन्य को बंधक बना लिया गया है. इजराइल की उत्तरी सीमा पर इस हमले से उसके एक कट्टर शत्रु के युद्ध में शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है, जिसे ईरान का समर्थन प्राप्त है और उसके पास हजारों रॉकेट होने का अनुमान है. हिजबुल्ला ने सीरिया में इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स के साथ लगती देश की सीमा पर एक विवादित इलाके में इजराइल के ठिकानों पर रविवार को कई रॉकेट दागे और गोलाबारी की.

इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक विवादित इलाके में हिजबुल्ला के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए. इस इलाके की सीमा इजराइल, लेबनान और सीरिया से लगती है. हमास चरमपंथियों ने गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को तोड़ दिया और नजदीकी इजराइली समुदायों में घुसकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई नागरिकों को बंधक बना लिया. वहीं, इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा में कई इमारतें नेस्तनाबूद कर दी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि देश युद्ध लड़ रहा है. हमास ने शनिवार सुबह गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को विस्फोटकों से उड़ा दिया और उसके बाहर 22 स्थानों में घुसकर हमला किया. हमास ने इजराइली शहरों पर हजारों रॉकेट दागे. रविवार को इजराइली सेना ने बताया कि उसके सैनिक आठ स्थानों पर हमास के आतंकवादियों से लड़ रहे हैं.

युद्ध जारी

- हमास और इजराइल के बीच लड़ाई में हिजबुल्ला भी कूदा
- इजरायल में सैकड़ों आतंकी के मारे जाने का किया दावा
- इजरायली सेना ने जवाबी कार्रवाई कर युद्ध तेज किया
- इजरायल ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए

सैकड़ों आतंकवादी मारे गए, कई को बंधक बनाया

तेल अवीव। इजराइली सेना के एक अधिकारी ने कहा कि गाजा और दक्षिणी इजराइल में हमास के साथ जारी लड़ाई में 'सैकड़ों आतंकवादी' मारे गए हैं और कई अन्य को बंधक बना लिया गया है. रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने फलस्तीनी आतंकवादी समूह द्वारा इजराइल पर अप्रत्याशित हमला किए जाने, सैकड़ों लोगों की हत्या करने और कई लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाने के 24 घंटे से अधिक समय बाद रविवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में यह जानकारी दी. इजराइल दक्षिणी हिस्से में आतंकवादियों से लड़ रहा है और उसने गाजा में हवाई हमलों में कई इमारतों को नेस्तनाबूद कर दिया है.

हमारी रगों में सनातन धर्म बहता है : बोम्मई

हावेरी। भाजपा के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने कहा कि अगर किसी ने भी हिंदू भावनाओं को आहत किया तो वह चुप नहीं रहेंगे. कहा कि सनातन धर्म उनकी रगों में बहता है. अगर हमारे सनातन धर्म की तुलना मलेरिया से की जायेगी तो क्या हमें चुप रहना चाहिए? सनातन धर्म हमारी रगों में बहता है. अगर किसी ने हमारी भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया तो हम चुप नहीं रहेंगे. उक्त बातें बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक के हावेरी जिले के बंकापुर में आयोजित हिंदू जागृति सम्मेलन में कहीं. बसवराज बोम्मई ने गणपति महोत्सव को रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया. उन्होंने उन लोगों को कड़ी चेतावनी भी दी. बोम्मई के कार्यालय से एक बयान भी जारी किया गया.

भाजपा शासित राज्य नहीं करा रहे जाति गणना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने जाति आधारित गणना के मुद्दे पर रविवार को पीएम मोदी की चुप्पी पर निशाना साधा और सवाल किया कि भाजपा शासित राज्य सामाजिक न्याय और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए इसे क्यों नहीं करा रहे हैं. राजस्थान की कांग्रेस नीत सरकार द्वारा जाति आधारित गणना कराने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किये जाने के एक दिन बाद पार्टी की यह टिप्पणी आई है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जब 'भारत जोड़ो यात्रा' राजस्थान में थी, तब पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नेता ने कई समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और उसी वक्त ओबीसी के प्रतिनिधि मंडलों ने जाति आधारित गणना कराने की मांग की थी. रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट भी किया.

आओ जानें

किस देश में कितना ब्याज देते हैं बैंक

जिम्बॉब्वे	150	बांग्लादेश	6.0
अर्जेंटीना	97	इंडोनेशिया	5.25
वेनेजुएला	53.6	सऊदी अरब	5.75
यूक्रेन	25	अमेरिका	5.25
पाकिस्तान	22	यूएई	5.15
नाइजीरिया	18.5	ब्रिटेन	5
मिस्र	18.25	इस्राइल	4.75
ईरान	18	कनाडा	4.75
टर्की	15	ऑस्ट्रेलिया	4.1
ब्राजील	13.75	सिंगापुर	3.8
मेक्सिको	11.25	स्वीडन	3.75
दक्षिण आफ्रीका	8.25	नार्वे	3.75
रूस	7.5	चीन	3.55
भारत	6.5	(आंकड़े प्रतिशत में)	

मेरठ से 50 कारीगर काम में लगे हैं

जम्मू में दशहरे के लिए पुतले बना रहे उत्तरप्रदेश के कारीगर

भाषा। जम्मू

दशहरे का पर्व करीब है ऐसे में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुस्लिम कारीगर अपने हिंदू सहकर्मियों के साथ जम्मू पहुंच गए हैं. 'श्री सनातम धर्म सभा गीता भवन' के निमंत्रण पर 23 सितंबर को मेरठ जिले के एक गांव से 50 से अधिक कारीगर जम्मू पहुंचे. प्रमुख ठेकेदार मोहम्मद रेहान ने कहा, हम पिछले 38 वर्षों से दशहरे के लिए पुतले बनाने के वास्ते गीता भवन आ रहे हैं जहां लद्दाख के लेह के अलावा जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों के लिए पुतले बनाए जाते हैं. जम्मू के परेड मैदान में दशहरा के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा. बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अखनूर, आरएस पुरा व बिश्नाह में पुतले जलाए जाएंगे.

40 हिंदू कारीगर भी काम कर रहे हैं

रेहान ने कहा कि सभी कारीगर एक साथ काम करते हुए बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं. एक दर्जन मुस्लिम कारीगरों के अलावा 40 से अधिक हिंदू करीगर भी काम कर रहे हैं, जिसमें हरिजन और कश्यप ठाकुर कारीगर भी शामिल है. उन्होंने मंदिर प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा, हम एक साथ काम करते हैं और बिना किसी भेदभाव के अपना भोजन बांटते हैं. मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना... हम इसी उदाहरण के साथ जीवन जी रहे हैं. रेहान के दामाद मोहम्मद गयासुद्दीन ने कहा कि पीढ़ियों से कारीगर जम्मू आ रहे हैं और उनके दादा मोहम्मद सिराजुद्दीन भी उनमें से एक थे.

भुवनेश्वर को मिलेगी 5,900 रुपये करोड़ की मेट्रो रेल परियोजना

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक अगले साल एक जनवरी को भुवनेश्वर मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला रखेंगे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पटनायक ने मेट्रो रेल से जुड़ी 5,900 करोड़ रुपये से अधिक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को भी मंजूरी दे दी है, जिसे राज्य सरकार वहन करेगी.

एक अधिकारी के मुताबिक, 'मुख्यमंत्री एक जनवरी 2024 को इस परियोजना की आधारशिला रखेंगे. उन्होंने मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की स्थिति की समीक्षा की.

मुंबई में एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस कंगना रणौत.

पटाखे की दुकान में आग, 14 की मौत

संवाददाता। बेंगलुरु/चेन्नई

बेंगलुरु के अनेकल तालुक के अट्टीबेले इलाके में स्थित पटाखे की एक दुकान में आग लगने से दो और लोगों की मौत के बाद घटना में मरने वाले लोगों की कुल संख्या रविवार को 14 हो गई. पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दुकान में आग लगने से 12 लोगों की जलकर मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य लोगों ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया था और घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी. मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घटना में लोगों की मौत पर संवेदना प्रकट की है. पुलिस के मुताबिक, मृतकों में

ज्यादातर पटाखे की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं, जिनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं. पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे हुई, जब एक वाहन से पटाखों के डिब्बों को उतारने का काम जारी था. पुलिस अधीक्षक (बेंगलुरु देहात) मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा, जिस वक्त आग लगी, उस वक्त कुछ कर्मचारी दुकान के अंदर काम कर रहे थे. दमकल की नौ से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया. पुलिस के अनुसार, नवरात्रि और दीपावली के मद्देनजर दुकान में लाखों रुपये के पटाखे रखे हुए थे, जिनमें आग लगने से विस्फोट होने लगा. आग की वजह से दुकान के आस-पास खड़े वाहन जलकर खाक हो गए. यह घटना तमिलनाडु सीमा से कुछ दूरी पर हुई.

प. बंगाल के मंत्री और टीएमसी के आवास पर सीबीआई के छापे

कोलकाता/नई दिल्ली। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में नागरिक निकायों द्वारा की गई भर्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी जांच के सिलसिले में रविवार सुबह कोलकाता में राज्य सरकार में मंत्री फिरहाद हकीम और टीएमसी के विधायक मदन मित्रा के आवास सहित 12 जगहों पर छापेमारी की. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के मंत्री हकीम कोलकाता के महापौर भी हैं. वह तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी संगठन में अच्छा खासा प्रभाव रखते हैं. अधिकारियों के मुताबिक, सीबीआई अधिकारियों की एक टीम केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ दक्षिण कोलकाता के चेतला इलाके में हकीम के आवास पर पहुंची.

योगी पहुंचे बद्रीनाथ-केदारनाथ

भाषा। गोपेश्वर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन किए. योगी ने केदारनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर विश्व में सुख, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की. इससे पहले, केदारनाथ हैलीपैड पहुंचने पर श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय अजेंद्र, रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने पुष्पगुच्छ भेंटकर योगी का स्वागत किया.

तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत व अभिनंदन किया. तीर्थ पुरोहितों से भेंट करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जीएमवीएन अतिथि गृह

में कुछ देर विश्राम किया और फिर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले.

योगी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र और प्रमुख सचिव गृह एवं मुख्यमंत्री के सचिव संजय प्रसाद भी केदारनाथ पहुंचे. ऋषिकेश के पास नरेंद्रनगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्र परिषद की बैठक में हिस्सा लेने के बाद योगी को शनिवार को ही केदारनाथ पहुंचना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण उनका हेलीकॉप्टर उतर नहीं पाया और इस कारण वह सीधे बदरीनाथ चले गए. बदरीनाथ मंदिर में उनका तीर्थ पुरोहितों ने स्वागत किया, जिसके बाद वह भगवान बदरी विशाल की शयन आरती में शामिल हुए और भगवान के दर्शन एवं विशेष पूजा-अर्चना की. योगी ने सरस्वती नदी के दर्शन और जलग्रहण किया। बाद में वह भारत-चीन सीमा पर घस्तोली में तैनात आइटीबीपी के जवानों से मिले और उनका हौसला बढ़ाया.

कितने देश, कितने युद्ध... सिर्फ इजराइल ही नहीं दुनिया में चल रही हैं कई लड़ाइयां शुभम संदेश नेटवर्क

'जंग तो खुद ही एक मसला है, जंग क्या मसलों का हल देगी...'

20वीं सदी में ये लाइनें लिखने वाले साहिर लुधियानवी अगर आज जीवित होते तो बेहद मायूस हो जाते. बीते रोज एक और जंग की शुरुआत हो गई. इजराइल और फिलिस्तीन के बीच यूं तो कभी भी शांति बहुत दिन नहीं टिकी है, लेकिन शनिवार सुबह हमास, जिसका गाजा पट्टी पर कब्जा है, ने इजराइली शहरों पर हजारों रॉकेट दागे. जवाब में इजरायली पीएम बैंजामिन नेतन्याहू ने कार्रवाई से पहले एक बयान जारी किया. नेतन्याहू ने कहा, 'हम एक युद्ध में हैं'. युद्ध दुनिया के किसी भी कोने में हो, किन्हीं दो देशों के बीच हो लेकिन उसका दुष्परिणाम समूचे विश्व को भुगतना पड़ता है. यह बात हमने रूस और यूक्रेन की लड़ाई से सीखी.

मौजूदा समय में भी दुनिया एक से अधिक युद्धों का सामना कर रही है या ऐसे तनाव को देख रही है जिसमें दो मुल्क युद्ध की कगार पर खड़े हैं. रूस-यूक्रेन हो, अजरबैजान-आर्मेनिया हो, चीन-ताइवान हो, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया हो या भारत-चीन कई क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दुनिया का एक बड़ा भू-भाग तनाव का सामना कर रहा है. आइए जानते हैं कि वर्तमान में दुनिया में कहां-कहां युद्ध चल रहा है या युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं.

रूस-यूक्रेन

जब यह खबर लिखी जा रही है तब रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने 592 दिन पूरे कर चुका है. 24 फरवरी 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'स्पेशल ऑपरेशन'' के नाम से यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया था. कुछ ही महीनों में यह लड़ाई अपने दो साल पूरे कर सकती है लेकिन न ही इसमें कोई हारा है और न ही जीत हासिल कर सका है. मरने वालों और तबाही के आंकड़े अलग-अलग हैं. एक रूस के और एक पश्चिम के एक वेबसाइट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के अनुसार सितंबर, 2023 तक रूस-यूक्रेन युद्ध में कुल 9,614 नागरिकों की मौत हुई है. 17,535 लोगों के घायल होने की सूचना है.

अजरबैजान-आर्मेनिया

अजरबैजान और आर्मेनिया लंबे समय से एक-दूसरे के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं. संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बावजूद समय-समय पर दोनों एक-दूसरे पर हमले करते रहते हैं. पिछले महीने जो हालात बने उनसे एक और जंग के दोबारा शुरू होने का खतरा पैदा हो गया है. अजरबैजान ने 'आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन' के नाम से आर्मेनिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी.

इजरायल-फिलिस्तीन

गाजा से हमास के भीषण हमले के बाद शनिवार को इजरायल ने 'युद्ध' की घोषणा की और कहा कि '' इस लड़ाई में जीत हमारी होगी''. हमास ने दक्षिणी इजरायल के रिहायशी इलाकों पर 2000 रॉकेट दागे. रविवार को यह जंग और तेज हो चुकी है. अब तक 5000 से अधिक रॉकेट दागे जा चुके हैं और दोनों तरफ से 500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है. इजरायल का कहना है कि हमास के हमले में अब तक 300 इजरायलियों की मौत और 1000 घायल हुए हैं. वहीं गाजा के अधिकारियों के मुताबिक इजरायली हवाई हमलों में अब तक 232 लोग मारे गए हैं और 1700 घायल हुए हैं.

चीन-ताइवान

चीन और ताइवान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है. बीते एक साल में कई बार ऐसे हालात बने कि जिनसे लगा कि अब युद्ध को नहीं टाला जा सकता. चीनी लड़ाकू विमान, युद्धपोत व ड्रोन अक्सर ताइवान जलडमरूमध्य में जाकर ताइवान को डराते-धमकाते रहते हैं. पिछले साल अगस्त में जब अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान आईं तो विरोध में चीन ने ताइवान का घेराव कर अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास किया. कुछ महीनों पहले जब ताइवानी राष्ट्रपति त्साई इंग वेन अमेरिका के दौरे पर गईं तब भी चीन ने इसका विरोध किया था.

'रीसाइक्लिंग' संयंत्र का सीएम केजरीवाल ने किया उद्घाटन

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को यहां जहांगीरपुरी इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट 'रीसाइक्लिंग' संयंत्र का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि यह देश में इस तरह की सबसे बड़ी इकाई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिदिन 6,500 टन निर्माण अपशिष्ट उत्पन्न होता है. उन्होंने कहा कि ओखला में भी ऐसा ही एक संयंत्र बनाने की योजना है. उन्होंने कहा, उद्घाटन किए गए संयंत्र को मिलाकर अब दिल्ली में चार संयंत्र हैं. हमारी योजना ओखला में भी ऐसा ही संयंत्र बनाने की है जो 1000 टन अपशिष्ट का प्रसंस्करण करेगा.

खास बातें

- जहांगीरपुरी में एमसीडी ने संयंत्र का कराया निर्माण
- इसे मिलाकर अब दिल्ली में चार रीसाइक्लिंग संयंत्र

केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी में जब से आप सत्ता में आई है तब से इस नगर निकाय में भ्रष्टाचार में कमी आई है.

रांची : पर्यटकों से गुलजार हुआ जोन्हा फॉल

रांची : (जोन्हा फॉल) त्योहारी सीजन से पहले झारखंड के झरनों में लगने लगा पर्यटकों का जमावड़ा.

आओ जानें

9 अक्टूबर का इतिहास

1949 – भारतीय प्रादेशिक सेना का गठन. ब्रिटिश हुक्मरान ने 1920 में इंडियन टेरिटोरियल एक्ट के आधार पर इस सेना के गठन का रास्ता साफ किया था, लेकिन आजादी के बाद भारत के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी ने औपचारिक तौर पर इसकी स्थापना की.

1963 – सैफुद्दीन किचलू का निधन. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी किचलू पहले भारतीय थे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए लेनिन अवार्ड से सम्मानित किया गया.

1970 – मुंबई के भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में यूरेनियम 233 का उत्पादन हुआ.

1976 – मुंबई और लंदन के बीच संपर्क के साथ ही अंतरराष्ट्रीय डायरेक्ट डायलिंग टेलीफोन सेवा की शुरूआत हुई.

1990 – देश में ही निर्मित पहला तेल टैंकर 'मोतीलाल नेहरू' भारतीय जहाजरानी निगम को सौंपा गया . इसका निर्माण कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड ने किया था.

1991 – सूमो पहलवानी के 1500 वर्ष के इतिहास में पहली बार जापान से बाहर इसका आयोजन किया गया. ब्रिटेन में लंदन के प्रसिद्ध रॉयल अल्बर्ट हाल में जापान फेस्टिवल के अंतर्गत इस पहलवानी स्पर्धा का आयोजन किया गया.

1997 – इटली के लेखक दारिओ फो को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया.

2004 – अफगानिस्तान के इतिहास में पहली बार लोगों ने अपनी पसंद का राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान में हिस्सा लिया. चुनाव में हामिद करजई विजयी रहे. देश में 2001 में तालिबान के पतन के बाद करजई ने अंतरिम राष्ट्रपति का दायित्व निभाया था.

'10वीं, 12वीं की परीक्षा में साल में दो बार बैठना अनिवार्य नहीं होगा'

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि विद्यार्थियों के लिए कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा और एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के उद्देश्य से यह विकल्प पेश किया जा रहा है. प्रधान ने पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि ''डमी स्कूलों'' के मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इस पर गंभीर चर्चा करने का समय आ गया है. उन्होंने कहा, 'विद्यार्थियों के पास इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की तरह ही साल में दो बार कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प होगा. वे परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुन सकते हैं... लेकिन यह पूरी तरह से वैकल्पिक होगा, इसे लेकर कोई बाध्यता नहीं होगी. विद्यार्थी अक्सर यह सोचकर तनावग्रस्त हो जाते हैं कि उनका एक साल बर्बाद हो गया, उनका मौका चला गया या वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे... एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के लिए यह विकल्प पेश किया जा रहा है.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि वह पूरी तरह से तैयार है और परीक्षा के पहले सेट में प्राप्तांक से संतुष्ट है, तो वह अगली परीक्षा में शामिल न होने का विकल्प चुन सकता है तथा कुछ भी अनिवार्य नहीं होगा. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अगस्त में घोषित नयी पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विद्यार्थियों के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर हो तथा उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने का विकल्प मिले. प्रधान ने कहा कि साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की योजना पर उन्हें विद्यार्थियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है.

दु:खद : जख्मी पिता को गाड़ी में लेटा फरार हुए पांच बेटे और बहू

छोड़ भागे पांच बहू-बेटे

सुमन सिन्हा । दारू

जब जख्मी पिता के इलाज के लिए पांच बेटे और बहुओं ने हाथ खड़े कर दिए, तो कायस्थ समाज के लोगों ने बुजुर्ग का साथ निभाया. यह व्यथा है शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती चौपारण प्रखंड के टिटहीं सिंघरांवा गांव निवासी सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा की. कूल्हा टूट जाने के बाद वह वहां पिछले दो सप्ताह से भर्ती हैं. उनका इलाज पुरुष ऑर्थो वार्ड के बेड नंबर छह पर चल रहा है. भर्ती मरीज सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा का कहना है कि उनके कूल्हे की हड्डी टूट जाने के बाद उनके पांचो बेटों और बहुओं ने एक गाड़ी बुलाकर उसमें उन्हें लेटा दिया और शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग भेज दिया. सभी ने उन्हें आश्वस्त किया था कि पीछे से वे सभी पैसों की व्यवस्था कर उनकी देखभाल करने अस्पताल आएंगे. लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी उनकी सुध लेने उनके घर से उनके किसी बेटे और बहू ने कोई संपर्क नहीं किया. उनके साथ सिर्फ उनकी एक विधवा और दिव्यांग मंझली बहू अस्पताल में मौजूद है. अस्पताल में सुरेंद्र बाबू कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं. मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला इकाई हजारीबाग की ओर से जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष बृजमोहन प्रसाद, जिला महामंत्री शशिकांत, जिला कोषाध्यक्ष संजय सिन्हा, जिला संगठन मंत्री अजय कुमार अंवष्टा, संयोजक अनूप कुमार सिन्हा, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रूपेश बिहारी लाला, उपाध्यक्ष संजय सिन्हा, महामंत्री आशीष सिन्हा, जिला महिला प्रकोष्ठ की ओर से जिला महिला अध्यक्ष अर्चना सिन्हा, महामंत्री रश्मि लाला, मोहित सिन्हा आदि मौजूद थे.

बुजुर्ग ने समाज के प्रति जताया आभार

अस्पताल में भर्ती सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला इकाई हजारीबाग के जिला अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया और भविष्य में भी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का सहयोग उन्हें मिलता रहे, इस कारण उन्होंने अपनी पुत्रवधू ममता सिन्हा के साथ समाज की सदस्यता भी ग्रहण की.

कायस्थ महासभा ने ली सुरेंद्र बाबू की सुध

सोशल मीडिया के माध्यम से जब यह जानकारी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की जिला इकाई तक पहुंची तो अध्यक्ष अरुण प्रभात सिन्हा ने मामले पर संज्ञान लिया. वह अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे. वहां उन्होंने मरीज सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा और उनकी दिव्यांग बहू को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया. साथ ही समाज के अन्य लोग भी मदद के लिए आगे आए. जिला इकाई के समाज कल्याण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश बिहारी लाला ने रक्तदान कर उन्हें मदद भी पहुंचाई. साथ ही कायस्थ महासभा के कृष्ण प्रसाद सिंह ने अस्पताल में सभी प्रकार की व्यवस्था उन तक उपलब्ध कराया. ऑपरेशन के उपरांत दो यूनिट ए-पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता थी. इसके लिए समाज की ओर से गौरव सहाय और आशीष सिन्हा ने रक्तदान करने का आश्वासन दिया है.

युवा आदान प्रदान-कार्यक्रम के लिए युवा टीम चंडीगढ़ रवाना

संवाददाता। लातेहार

पंजाब के चंडीगढ़ में आगामी 10 से 16 अक्टूबर तक 15वीं आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित की जा रही है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 20 युवाओं की टीम रविवार को चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई. बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी जेके जोशी और नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने सीआरपीएफ के 11 वीं बटालियन के मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. सभी युवा सीआरपीएफ की 11वीं बटालियन व नेहरू युवा केंद्र लातेहार के संयुक्त तत्वावधान में भाग लेने गये हैं. एनवाईके की जिला युवा अधिकारी कंचन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना है. इन युवाओं को देश के विभिन्न स्थानों के संपर्क में लाना, वहां सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरोहर, परंपरा व जीवन शैली को समझने का अवसर प्रदान करना है. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में चार राज्यों के कुल 200 प्रतिभागी कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम के बाद जिले के 240 युवाओं को 11 राज्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भेजा जायेगा.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीकॉम एलएलबी में युवा बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। रजनीश प्रसाद। जो उम्मीदवार व्यवसाय और कानून दोनों में रुचि रखते हैं वे इस कोर्स को कर सकते हैं. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कानून के व्यावसायिक और कानूनी दोनों तत्वों को शिक्षा में शामिल किया जाता है. परिणामस्वरूप अभ्यर्थियों के पास एक विशेष दृष्टिकोण होगा, जो कई अलग-अलग प्रकार के रोजगार में सहायक हो सकता है. कॉर्पोरेट कानून, बौद्धिक संपदा कानून और कर कानून व्यवसाय से संबंधित कुछ नौकरियां हैं जिनके लिए कानून की डिग्री की आवश्यकता होती है. यदि आप ऐसा करने में रुचि रखते हैं तो बीकॉम एलएलबी की डिग्री उम्मीदवारों को इन क्षेत्रों में से किसी एक में काम करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकती है. बीकॉम एलएलबी में कानून और कॉमर्स का पढ़ाई होती है. बीकॉम एलएलबी का पाठ्यक्रम 5 साल के लिए चलता है. बीकॉम एलएलबी करने के बाद अधिवक्ता/वकील, कानूनी सलाहकार, जैसे क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते है. बीकॉम एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं पास करना होगा.

प्रवेश परीक्षाएं

क्लैट

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) भारत में 22 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है. भारत में अधिकांश निजी और सेल्फ फाइनेंसड लॉ स्कूल भी इन अंकों का उपयोग लॉ कोर्स में एडमिशन लेने के लिए करते हैं.

एलएसएटी

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलएसएटी) एक प्रवेश परीक्षा है, जो लॉ स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए आवश्यक है. यह परीक्षा लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल द्वारा आयोजित की जाती है और पूरी दुनिया में मान्य है.

डीयू एंट्रेंस

दिल्ली विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए डीयू एंट्रेंस टेस्ट देना होता है.

लॉ में कॅरियर

- जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट
- असिस्टेंट कोर्ट सेक्रेटरी
- असिस्टेंट प्रॉसिक्यूशन
- क्लर्क
- अदर लॉ रिलेटेड पोस्ट्स
- डेप्युटी लीगल मैनेजर
- लीगल अडवाइजर
- लीगल एडवाइजर
- लीगल अफसर
- इंश्योरेंस लॉयर
- बैंक एडवोकेट
- लॉ डिपार्टमेंट
- ऑफिस क्लर्क
- क्लेम मैनेजर

झारखंड के लॉ कॉलेज - बीबीएमकेयू

बीकॉम एलएलबी के मुख्य काम

कॉर्पोरेट वकील

कई कंपनियां, भारतीय और बहुराष्ट्रीय दोनों, अपने कानूनी मामलों को संभालने के लिए इन-हाउस वकीलों को नियुक्त करती हैं. बीकॉम-एलएलबी स्नातक ऐसी भूमिकाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं. वहीं, वे कानूनी सलाह दे सकते हैं, अनुबंध का मसौदा तैयार कर सकते हैं, अनुपालन संभाल सकते हैं और कानूनी मामलों में कंपनी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं.

कर सलाहकार

वाणिज्य और कानून के अपने ज्ञान के साथ, बीकॉम-एलएलबी स्नातक कर सलाहकार बन सकते हैं. कर रिटर्न दाखिल करने, कर कानूनों का अनुपालन करने और कर विवादों को हल करने में व्यक्तियों और व्यवसायों की सहायता करना.

कानूनी विश्लेषक

बीकॉम-एलएलबी स्नातक कानूनी विश्लेषक के रूप में भी काम कर सकते हैं. जहां उन्हें कानूनी मुद्दों पर शोध करने, कानूनी दस्तावेजों का विश्लेषण करने और ग्राहकों या नियोक्ताओं को सिफारिशें प्रदान करने की आवश्यकता होगी.

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी

- नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडी एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
- पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता
- नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
- गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
- डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ
- राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला
- चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज, कोच्चि
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ओडिशा, कटक
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची
- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय एवं न्यायिक अकादमी, असम
- दामोदरम संजीवय्या राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ,विशाखापत्तनम
- तमिलनाडु नेशनल लॉ स्कूल, तिरुचिरापल्ली
- महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, मुंबई
- महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर
- महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद
- हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला
- धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर
- डॉ बीआर अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी सोनीपत, हरियाणा
- हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर
- सिक्किम नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गंगटोक
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)